हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची ● रविवार ● 30.06.2024 ● वर्ष : 14 ● अंक : 337 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपया~~ 2 रुपया

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

1 जुलाई 2024 से देश में लागू होने वाले नए कानूनी प्रावधानों को जानें
सजग नागरिक बनें

न्याय की नई परिभाषा

श्री चम्पाई सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

आप कहीं से भी किसी भी थाने में **जाकर FIR दर्ज करवा सकते हैं,** वहां से संबंधित थाने में इसे भेज दिया जाएगा। **आप ऑनलाइन या ई-मेल से भी प्राथमिकी दर्ज करवा सकते हैं।**

प्राथमिकी के बाद **अनुसंधान में क्या प्रगति हुई है, इसकी जानकारी जांच अधिकारी को पीड़ित या सूचक को देनी होगी।** पहले थाने में जाकर जानकारी लेनी पड़ती थी।

संगठित अपराध, झपटमारी और मॉब लिंचिंग को भी नए अपराध में शामिल किया गया है। छोटे अपराधों के लिए सीधे जेल की जगह आरोपी से सामाजिक/सामुदायिक सेवा करने का भी दण्ड दिया जा सकता है।

पहले जहां अपराध के बाद केवल दण्ड आधारित न्याय व्यवस्था थी, वहीं **अब दण्ड की जगह न्याय व्यवस्था पर जोर है** यानी दण्ड ही केवल ना हो, यह ज्यादा महत्वपूर्ण हो कि पीड़ित को न्याय भी मिले।

18 साल से कम आयु की महिला के साथ **सामुहिक दुष्कर्म के अपराधियों को मृत्युदण्ड भी दिया जा सकता है।** जबकि 18 साल से अधिक आयु की महिला के साथ सामुहिक दुष्कर्म के अपराधियों को 20 साल से आजीवन कारावास तक की सजा दी जा सकती है।

नए कानूनी प्रावधानों के अनुसार, **महिला से विवाह करने के झूठे वचन देकर शारीरिक संबंध बनाने के दोषी के लिए अब 10 वर्ष तक की सजा है।** दुष्कर्म पीड़िता का मेडिकल रिपोर्ट अब चिकित्सक को 7 दिन के भीतर देने होंगे।

नए कानूनी प्रावधानों में बालक (child) को परिभाषित किया गया है जो IPC में नहीं था। **महिला एवं बालकों के विरुद्ध अपराध को लिंग तटस्थ (Gender Neutral) बना दिया गया है, इसमें उभयलिंगी (Transgender) को भी सम्मलित किया गया है।**

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है, **इसमें ऑडियो-वीडियो संसाधनों के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक सूचना माध्यम का भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।**

समन, तामिला का सबूत, दस्तावेजी समन के लिए इलेक्ट्रॉनिक सूचना माध्यम का प्रयोग एवं **साक्ष्य केवल लिखित नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक साधनों जैसे: ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग कर रखा जा सकेगा।**

तलाशी या जब्ती की प्रक्रिया में **ऑडियो-वीडियो संसाधनों का भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।** इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख या रिकॉर्ड को विधिक दस्तावेज के रूप में मान्यता होगी।

फोरेंसिक जांचकर्ता को **अपराध स्थल पर जाकर साक्ष्य संकलन करने की बाध्यता होगी।** चिकित्सक अभियुक्त का जैविक परीक्षण कर चिकित्सीय साक्ष्य एकत्रित करेंगे।

नए कानूनी प्रावधानों के तहत अब **कम समय में अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया सम्पन्न करने की व्यवस्था है।**

आपराधिक न्याय प्रणाली की दिशा में तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) लागू होंगे...
ये कानून भारतीय दंड संहिता (IPC), दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर लागू होंगे।

PR- 328214 (IPRD) 24-25

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

एक नजर

उमाशंकर अकेला ने हॉस्पिटल में कुव्यवस्था के खिलाफ दिया धरना

हजारीबाग : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था के खिलाफ बरही विधायक उमाशंकर अकेला कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकताओं संग शनिवार को धरना पर बैठ गए। इस दौरान विधायक अकेला ने कहा की आए दिन देखने और सुनने को मिलता है अस्पताल में कभी डॉक्टर नही है तो कभी नर्स नही है, कभी बेड पर चादर नही है, तो कभी समय से नाश्ता खाना नही मिलता। अस्पताल में दवा उपलब्ध नहीं, दवा के लिए बाहर दुकान पर डिपेंड होना पड़ता है। जिससे यहां आने वाले मरीज काफी परेशान होते है, इनकी सुध लेने वाला कोई नहीं। इन्ही समस्या और व्यापत अव्यवस्था को लेकर आज धरना पर बैठा हूं। जबतक इस विषय पर पदाधिकारी आकर व्यवस्था सुधारने का आश्वासन नही देते तक तक धरना जारी रहेगा। साथ ही कहा की अगर व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन और आमरण अनशन के लिए बाध्य होऊंगा। इससे पहले भी लगभग 10 बार आकर यहां की व्यवस्था सुधारने का प्रयास किया हू, पर व्यवस्था में सुधार नहीं हो रही। कई बार यहीं से स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से भी बात कर समस्याओं से अवगत कराया है। यहां के डॉक्टर बेलगाम हो गए हैं। एक्सरे और बैंडेज के लिए पैसे मांगा जाता है। सरकार सभी व्यवस्था करती है मगर सारी कमी यहां की व्यवस्थापक से है। खबर लिखे जाने तक धरना जारी था। धरने में कांग्रेस जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव, कांग्रेस नेता आशीष सहाय, कोमल राज, शक्ति सिंह, मो हसनैन, कमरूदीन, अमित सिंघानिया, संजय यादव आदि उपस्थित थे।

एक नया सहभागी प्रोडक्ट, आरएनएल स्टार किया लॉन्च, जो ग्राहकों को देगा बेहतर रिटर्न

हजारीबाग : रिलायंस निप्पॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024 में अपने भागीदार पॉलिसीधारकों के लिए कुल 346 करोड़ रुपए के बोनस की घोषणा की है। जो 31 मार्च, 2024 तक सभी पात्र प्रतिभागी पॉलिसीज इस बोनस घोषणा से लाभान्वित हुई हैं। कंपनी पिछले 23 वर्षों से लगातार बोनस की घोषणा कर रही है जो ग्राहकों को नियमित रूप से अपने प्रीमियम का भुगतान और निवेश में बने रहने के लिए प्रोत्साहित करती है। कंपनी के ईडी और सीईओ आशीष वोहरा ने कहा, हमारा फोकस लगातार मजबूत प्रदर्शन, बेहतर निवेश प्रबंधन है। कंपनी ने हाल ही में एक नया सहभागी प्रोडक्ट, आरएनएल स्टार लॉन्च किया है, जो जीवन के विभिन्न चरणों जैसे आय के दूसरे स्रोत, बच्चे की शिक्षा, सेवानिवृत्ति या लेगेसी का निर्माण करने आदि की समस्याओं का समाधान कर सकता है।

झारखंड में 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को भी मिलेगी एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन : सत्यानन्द

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : राज्य के मंत्री सत्यानंद भोगता आज तीन दिवसीय दौरे पर चतरा पहुँचे। इस दौरान मंत्री भोगता चतरा सदर प्रखंड कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम का बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ किया। मंत्री के कार्यक्रम आगमन पर अनुमंडल पदाधिकारी सुरेंद्र उराँव ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इसके उपरांत मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड सरकार बेहद संवेदनशील है। गरीबों के लिए सैकड़ों जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है। कल कैबिनेट के द्वारा 200 यूनिट बिजली फ्री देने का प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है जो पूरे देश में ऐतिहासिक निर्णय होगा। हमारी सरकार हरेक क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। युवाओं को सरकारी गैर सरकारी संस्थानों में बड़े पैमाने पर रोजगार से जोड़ा गया है। आनेवाले चार माह के दौरान चालीस हजार युवा युवतियों को सरकारी नौकरी से जोड़ा जाएगा। ततपश्चात योग्य लाभुकों के बीच अबुवा आवास, सर्वजन पेंशन योजना, श्रम विभाग निबंधन कार्ड, जॉब कार्ड, छात्रवृत्ति योजना, साइकिल वितरण योजना, बकरी विरतण योजना, गव्य विकास योजना के तहत दुधारू गाय समेत अन्य कई जनकल्याणकारी योजनाओं का स्वीकृति पत्र, करोड़ों रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया। उक्त कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो, जिला परिषद सदस्य चंद्रदेव गोप, इटखोरी जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, जिला परिषद प्रतिनिधि भरत साव,मंत्री प्रतिनिधि अजय राम, मंत्री प्रतिनिधि विनोद सिंह, 20 सूत्री प्रखंड उपाध्यक्ष उपेंद्र दांगी, मुखिया गुड्डू दुबे, मुखिया अनिता यादव, मुखिया ललिता कुमारी, मुखिया अमिता कच्छप, समाजसेवी अजय यादव समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

बीईईओ ने निरीक्षण कर प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के अनुपालन का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण प्रखंड के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राकेश कुमार द्वारा शनिवार को प्रखंड के आधा दर्जन विद्यालयों में औचक निरीक्षण किया गया। उउवि टोईया, उउवि भट्टबीघा, उप्रावि कारीपहरी, मवि सेलहारा, उप्रावि कमलवार, उउवि बरहमोरिया, उप्रावि नरियाही, उमवि अंबाजीत आदि विद्यालयों का निरीक्षण के क्रम में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन योजना का संचालन की समीक्षा की गई। शनिवार को आयोजित होने वाली रेल प्रोजेक्ट की जांच परीक्षा देते बच्चों से रूबरू हुए। प्रोजेक्ट इपैक्ट का पूर्ण रूपेण अनुपालन करने का निर्देश सभी प्रभारी प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को दिया। प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के तहत विद्यालय में चार हाउस का गठन, हाउसवाइज प्रतियोगिता का आयोजन, साप्ताहिक रेल प्रोजेक्ट का आयोजन, जिम्मेवारी पंजी का संधारण, पोषण वाटिका का समृद्धिकरण, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, अध्यापन के क्रम में टी एल एम का समावेश, प्रार्थना सभा की गतिविधि, सुझाव पेटी एवं किए जा रहे अच्छे कार्यों का दीवार पर प्रदर्शन करने का निर्देश दिया। कुछ विद्यालयों में की जा रही अच्छी गतिविधियों की सराहना की। साथ ही जिन गतिविधियों का आयोजन नहीं हो रहा है उसे शीघ्र प्रारंभ करने का निर्देश दिया।

डिस्ट्रिक्ट राइफल शूटिंग प्रतियोगिता का डीजीपी ने किया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : स्थानीय कर्जन ग्राउंड स्टेडियम में जिला राइफल एसोसिएशन के तत्वाधान में फर्स्ट जिला शूटिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ डीजीपी अजय कुमार सिंह ने किया। मौके पर डीआईजी सुनील भास्कर, डीसी नैंसी सहाय, एसपी अरविंद कुमार सिंह, ब्रिगेडियर राजेश करेल, एसडीपीओ सदर कुमार शिवाशीष, एसडीओ शैलेंद्र कुमार, डीएसपी हेडक्वार्टर नीरज कुमार, एनटीपीसी पकरी बरवाडीह तय्यब ने कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया। स्वागत भाषण में राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश रंजन ने कहा कि उन्होंने कैसे कम संसाधनों और सचिव नीलेंद्र जयपुरियार के साथ मिलकर इस फायरिंग रेंज को डेवलप किया। जीपी अजय कुमार सिंह ने बताया कि बड़े-बड़े देशों में किस तरह लोग एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में भाग लेकर अपने दिमाग को व्यस्त रखते है। इस प्रकार भारत में भी लोगों को अपने बच्चों को एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में व्यस्त कर उसकी प्रतिभा को उभर सकते है। साथ ही उन्होंने डीसी से अनुरोध किया कि बच्चों की सुविधा के लिए 25 मीटर और 50 मी का रेंज दिया जाना चाहिए। सचिव नीलेंदु जयपुरियार ने कहा कि बच्चों के लिए एक बड़ी सुविधा यहां की गई है और आने वाले समय में यहां के बच्चे नेशनल स्तर तक जाएंगे उसके लिए वह प्रयासरत है। उन्होंने प्रातः आवाज के सीईओ हेमंत कुमार को धन्यवाद किया। उनके द्वारा प्रदान किया गया 1 लाख 40 हजार रुपए का कंप्यूटर बच्चों के एनालिसिस के लिए बहुत ही आवश्यकता थी जिसकी पूर्ति उन्होंने की है। डीजीपी ने कोच रिद्धि कुमारी, संदीप कुमार, तनवीर, राहुल को सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष हरीश श्रीवास्तव, मंच संचालन विश्वेन्दु जयपुरियार ने किया।

बिजली की समस्या एवं रोड जाम को लेकर ग्रामीणों ने निकाली रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव जिला परिषद प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम के नेतृत्व में प्रखंड में बिजली एवं रोड जाम समस्या को लेकर रैली एवं सभा का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ बड़कागांव राम जानकी मंदिर से होते हुए बड़का गांव मुख्य चौक, दैनिक बाजार, काली मंदिर रोड के अलावा गली मोहल्ले में रैली निकाल कर सरकार से समस्या की हल करने की मांग की गई है। मनोज गुप्ता ने कहा कि बड़कागांव प्रखंड में बिजली की सबसे घोर समस्या है झारखंड सरकार को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। नियमित रूप से बिजली नहीं मिलने के कारण ग्रामीण काफी परेशान है। सोनू इराकी ने कहा कि अगर कंपनी हम लोग को बिजली नहीं देती है तो उनके सारे कार्यों को बंद कर देंगे ।नागरिक अधिकार मंच के लखेन्द्र ठाकुर ने कहा कि बड़कागांव में बिजली ठीक रहती थी परंतु कंपनी आने के बाद प्रभावित हुआ है। मूलभूत सुविधाओं में बिजली एक महत्वपूर्ण चीज है जिस पर सरकार को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इंग्लेश सोनी ने कहा कि अपना हक अधिकार लेने के लिए लोगों को समर्थन करना चाहिए जान निसार आलम ने ट्रैफिक के नियमों को पालन करने को कहा । जिप सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर हम लोग को बिजली कम से कम 20 से 22 घंटा बिजली अगर नहीं दी जाएगी तो हम लोग धरना में बैठ जाएंगे। कंपनी और सरकार का विरोध करेंगे और 2024 में होने वाली सरकार की तख्तापलट करेंगे।

सत्य परेशान हो सकता है पराजित नही : बिरेन्द्र राणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने की खुशी में चौपारण के झामुमो कार्यकर्ताओं में हर्ष है। झामुमो के पूर्व जिला उपाध्यक्ष बिरेन्द्र राणा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाइयां खिलाई, पटाखे फोड़े और बधाई दी। पूर्व जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि विरोधियों ने पूर्व सीएम को बेबुनियाद आरोप लगाकर एक साजिश के तहत फंसाने का काम किया था। झामुमो की कार्यप्रणाली से बढ़ती लोकप्रियता को लेकर विपक्ष हताश था। एक साजिश रचने की काम की गई, जिसमे वे लोग सफल हुए पर सत्य कुछ दिन के लिए परेशान हो सकता है पराजित नही। वही परिस्थिति झामुमो के साथ हुई है, शीघ्र ही पूर्व सीएम बेदाग साबित होंगे। न्यायालय के इस फैसले से झामुमो कार्यकर्ताओं को ऊर्जा मिलेगी और आगामी विस चुनाव दुगुनी ताकत से लड़ेंगे। झामुमो न्यायप्रिय पार्टी है, न्यायालय पर पूरा भरोसा है पूर्ण विश्वास है कि फैसला पूर्व सीएम के पक्ष में ही होगा। मौके पर शकील अहमद, राजेश मिस्त्री, एहसान रजा, सलाम रजा, शोभा देवी, महरू ठाकुर, एकबाल अंसारी आदि कई लोग शामिल थे।

लातेहार के तुबेद कोलियरी के कांटा घर में फायरिंग, कंप्यूटर ऑपरेटर को लगी गोली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : सदर थाना क्षेत्र के तुबेद कोलियरी के कांटा घर में शुक्रवार की रात अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की। इस घटना में कांटा घर के कंप्यूटर ऑपरेटर आलोक साहू के पैर में गोली लगी,जिससे वह घायल हो गए। लातेहार सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया । सूचना मिलने के बाद लातेहार पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन भी आरंभ कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल से अपराधियों के द्वारा छोड़ा गया एक हस्तलिखित पर्चा भी बरामद किया है। जानकारी के अनुसार देर रात कुछ अपराधी तुबेद कोलियरी के कांटा घर के पास आए और सड़क के किनारे से ही फायरिंग आरंभ कर दी। अचानक फायरिंग होने से वहां काम कर रहे लोग इधर-उधर भागने लगे ।इसी दौरान कंप्यूटर ऑपरेटर आलोक साहू के पैर में एक गोली लग गई। लगभग पांच फायरिंग करने के बाद अपराधी वहां एक पर्चा फेंक कर फरार हो गए। पर्चा में लिखा हुआ था कि बिना संगठन से बात किया काम नहीं करें। इधर इस संबंध में पूछने पर पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम पूरे मामले की छानबीन आरंभ कर दी है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर लेगी।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर संजीव बेदिया ने की मुलाकात

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का जमानत मिलने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय सचिव सह झारखंड सरकार राज्य परिवहन प्राधिकार संयुक्त सदस्य संजीव कुमार बेदिया केनेतृत्व में बड़कागांव विधानसभा से सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आवास पर मुलाकात किया। बेदिया ने कहा सच्चाई की सदैव जीत हुई है, सत्य कभी हार नहीं सकता है। भले देर हो सकता है लेकिन झुक नहीं सकता है। और आज हम लोगों होली और दशहरा के रूप में त्यौहार मना रहे हैं। केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी ने कहा झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरकार झारखंड में जब से बना है हमेशा गरीब आदिवासी को सीधे तौर पर लाभ मिला है। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव संजय सिंह ने का जिसका 6 महीने से इंतजार था झारखंड का मसीहा गरीबो, आदिवासी के मसीहा हेमंत सोरेन जेल से बाहर निकलने से झारखंड मुख्यमंत्री कार्यकर्ताओं में अलग प्रकार का खुशी को देखने के लिए मिल रहा है। वहीं कार्यकर्ताओं द्वारा शिबू सोरेन, हेमंत सोरेन और मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पक्ष में नारे लगाए। मौके पर केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी नीलकंठ महतो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव संजय सिंह, पूर्व केंद्रीय सदस्य झमन प्रसाद,संजय करमाली, मुकेश रावत, उदय अग्रवाल, रामलखन महतो, राजेंद्र भुइयां, इंद्रदेव राम, गणेश गंझु, इत्यादि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

श्मशान घाट सेवा समिति ने अग्नि संस्कार के लिए निःशुल्क लकड़ी का किया वितरण

बड़कागांव : श्मशान घाट सेवा समिति के द्वारा शव जलाने के लिए आम गरीब असहाय लोगों के बीच निशुल्क लकड़ी का वितरण निरंतर जारी है। शनिवार को बड़कागांव मध्य पंचायत हरिजन मोहल्ला निवासी आरती कुमारी (पिता स्वर्गीय राजू भुइयां) की मृत्यु हो गई। जिसके अग्नि संस्कार के लिए श्मशान घाट सेवा समिति का अध्यक्ष दिनेश सिंहा के नेतृत्व में निशुल्क लकड़ी दिया गया है। और साथ में मुखाग्नि देने वाला व्यक्ति को अंग वस्त्र तथा अन्य सहयोग दिया गया। शमशान घाट सेवा समिति अध्यक्ष दिनेश सिंहा व मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ने कहा शमशान घाट सेवा समिति के द्वारा सभी वर्गों के लिए सामान्य रूप से मदद किया जाता है लेकिन असहाय लोगो, गरीब तपते के लोग को विशेष रूप से निशुल्क लकड़ी देकर सहयोग किया जा रहा है। श्मशान घाट सेवा समिति ने अब तक कुल 175 लाशों के जलाने के लिए लकड़ी का वितरण किया है। मौके पर उपस्थित शमशान घाट सेवा समिति अध्यक्ष दिनेश सिंह,मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, सुरेन्द्र महतो, ललन भुईयां, पुषण भुईयां, करू भुईयां राहुल भुईयां, रोहित कुमार, मोती भुइयां, संजय भुईयां, सोमर भुईयां, किटकन भुईयां इत्यादि लोग उपस्थित थे।

शतचंडी महायज्ञ सह देवी भागवत कथा को लेकर निकाली झंडा शोभा यात्रा

हजारीबाग : ओकनी बड़ा शिव मंदिर काफी पुराना है कई 100 साल पुराना इतिहास इस मंदिर में छिपा है लोगों का आस्था इस मंदिर से काफी जुड़ा है मोहल्ले वासी यज्ञ को लेकर काफी खुश नजर आ रहे हैं पूरा मोहल्ला भक्ति मय हो चुका हैं यज्ञ की शुरूआत शनिवार को वधिवत पूजा अर्चना के साथ शुरू हुआ मोहल्ले के महिलाएं पुरुष बच्चे बूढ़े सभी बढ़ चढ़कर अपनी सभागी का इस मंदिर में निभा रहे हैं यथा संभव जिनसे जो हो पड़े वह सब कर रहे हैं 9 जुलाई से 16 जुलाई तक ओकनी बड़ा शिव मंदिर के प्रांगण में श्री श्री 108 श्री शतचंडी महायज्ञ सह देवी भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाना है जिसको लेकर शनिवार को बड़ा शिव मंदिर प्रांगण से भव्य झंडा शोभा यात्रा निकली गई। शोभायात्रा में बच्चे बूढ़े महिलाएं सभी मोहल्ले वासियों के ढोल नगाड़े व महाबीर झंडे के साथ पूरा मोहल्ला में शोभायात्रा पूरे गाजे बाजे के साथ निकली, ओकनी तालाब, गली नंबर चार, न्यू एरिया रोड से पंचमुखी मंदिर, पैगोडा चौक, ओकनी छोटा शिव मंदिर, ओकनी साई मंदिर होते हुए मंदिर परिसर पहुंची जहां पर भव्य झंडा का ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद सभी श्रद्धालुओं के बीच शरबत का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में समस्त ओकनी वासी समिलित रहे।

पूर्व विधायक ने जनसंपर्क चलाकर लोगों के बीच बांटा आमंत्रण पत्र

चौपारण : श्री जगरनाथ रथयात्रा महोत्सव की तैयारियां अपने अंतिम दौर में चल रही है। आयोजक जोर शोर से प्रचार प्रसार व अतिथियो को आमंत्रित कर रहे है। वही ग्रामीण स्तर पर भी लोगों में रथयात्र को लेकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसी कड़ी में पूर्व विधायक मनोज यादव तथा आयोजन अध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह आदि ने सामूहिक रूप से मानगढ़, नगवां, पवई, रामपुर आदि गाँवो में जाकर लोगों के बीच आमंत्रण पत्र सौंपा। पूर्व विधायक ने कहा कि रथयात्रा का आयोजन ऐतिहासिक हो रहा है। आने वाले सालों में चौपारण की पहचान भगवान जगरनाथ रथयात्रा से होगी। ग्रामीण स्तर पर लोगों में रथयात्र को लेकर उत्साह का माहौल है। वहीं अध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह ने कहा कि भगवान जगरनाथ को गरीबों का भगवान कहा जाता है। भगवान की महिमा अपरंपार है। ईश्वर की कृपा से इस क्षेत्र में इतना वृहद आयोजन हो रहा है। इस दौरान भाजपा नेता राजदेव यादव, संतेन्द्र सिंह, रामचन्द्र सिंह, पैक्स अध्यक्ष अशोक सिंह, जगदीश यादव, सुनील सिंह, व्यास यादव, बहादुर सिंह, गणेश गुप्ता, छत्रधारी यादव, चंद्रमणि साहु, नगवां में पूर्व मुखिया रेवाशंकर साव, पप्पू साव, अछेवट सिंह सहित कई मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● रविवार ● 30.06.2024 ● वर्ष : 14 ● अंक : 337 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

स्वास्थ्य मंत्री ने जेनेटिक अस्पताल मामले में विभागीय जांच का दिया आदेश

रांची : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने जेनेटिक अस्पताल के अमानवीय कृत्य का संज्ञान लिया है। उन्होंने शनिवार को स्वास्थ्य सचिव को तीन दिनों के अंदर मामले की जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। विभागीय रिपोर्ट के आधार पर जेनेटिक अस्पताल पर कार्रवाई की जायेगी। इसके पहले झारखंड हाई कोर्ट ने मामले में संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट के जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य सचिव को मामले की जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों बूटी मोड़ स्थित जेनेटिक अस्पताल में महिला को नवजात शिशु से अलग करते हुए बंधक बनाने का मामला सामने आया था। महिला के पति की शिकायत पर सीआईडी और सदर अस्पताल की टीम ने महिला को अस्पताल से मुक्त कराया था। खूंटी की रहने वाली महिला ने 28 जून को जेनेटिक अस्पताल में नवजात को जन्म दिया था। तीन मई को अस्पताल प्रबंधन ने नवजात बच्चे को पिता को सौंप दिया और सुनीता को अस्पताल में रख लिया। पीड़ित परिवार के पास अस्पताल की फीस चुकाने के लिये पैसे नहीं थे, जिसके बदले में अस्पताल ने महिला को बंधक बना लिया था।

राज्य के सरकारी सेवकों को 15 जुलाई तक देना होगा संपत्ति का विवरण

रांची : राज्य सरकार के सभी सरकारी सेवकों (ग्रुप डी को छोड़कर) को अपनी चल-अचल संपत्तियों का विवरण देना होगा। कार्मिक विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि सरकारी सेवकों को एचआरएमएस पोर्टल के जरिए 15 जुलाई तक संपत्तियों का विवरण जमा करना अनिवार्य है। पांच साल की परफॉरमेंस रिपोर्ट भी जमा करनी होगी। राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021-22, एवं 2022-23 का परफॉरमेंस स्वमूल्यांकन प्रतिवेदन जमा करना होगा। इसमें प्रतिवेदक पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून रखी गयी है जबकि समीक्षी पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन मूल्यांकन की अंतिम तिथि 10 जुलाई और स्वीकरण पदाधिकारियों के स्तर से ऑनलाइन मूल्यांकन की अंतिम तिथि 20 जुलाई रखी गयी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कांके स्थित आवास से जेएमएम कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का राज्य से होगा सफाया : हेमंत सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेल से बाहर निकलने के बाद शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांके स्थित आवास से जेएमएम कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के खिलाफ कोई भी खड़ा ना हो पाये, इसकी जुगत भिड़ाई जा रही है। इसी का परिणाम है कि आज दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल में बंद हैं। विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जानकारी मिल रही है कि राज्य में जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने की योजना बनायी जा रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को चुनौती है कि चुनाव की घोषणा जल्द से जल्द करें। राज्य से भाजपा का सफाया कर दिया जायेगा। पार्टी ने संकल्प लिया है कि मनुवादी सामंती सोच को जवाब देंगे। लोकसभा में जवाब मिला है। आगे भी विधानसभा चुनाव में ऐसे लोगों को जवाब दिया जायेगा।

सोरेन ने कहा कि मुझे सुनियोजित तरीके से षड्यंत्र में फंसाकर पांच महीने तक जेल में रखा गया। झारखंड गरीब-गुरबा राज है। हमें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। इसीलिए मुझे पांच महीने जेल में रहना पड़ा। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने मुझे बाहर निकाला और हमें न्याय मिला। इस पांच महीने में राज्य शायद और आगे बढ़ सकता था। उन्होंने कहा कि उनको हमसे डर है। उनकी समय से पहले झारखंड विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी चल रही है लेकिन मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि यदि वो कल चुनाव कराते हैं तो परसो उनका सफाया हो जायेगा। हेमंत सोरेन ने कहा कि मोदी सरकार में नीट व यूपीएससी पेपर लीक के साथ ट्रेन व एयरपोर्ट दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन लोगों ने सीरिंज से लोगों का खून चूस लिया है। इन लोगों ने संविधान की कई संस्थाओं को अपनी मुट्ठी में कर लिया लेकिन जनता की अदालत सबसे बड़ी अदालत है। इस दीया को हम कभी नहीं बुझने देंगे। कई ऐसे वीर शहीद हैं, जो हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

भाजपा के सपने मुंगेरीलाल के हसीन सपने साबित होंगे

हेमंत सोरेन ने कहा कि आपके आशीर्वाद से सबसे पहले देश में आदिवासी मुख्यमंत्री बना है। मजबूरन मोदी सरकार को पड़ोसी राज्यों में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाना पड़ रहा है लेकिन वो रबर स्टैंप है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों के सपने को पूरा करने का हम काम करेंगे। साथ ही कहा कि भाजपा वाले विधानसभा चुनाव में जीत का जो सपना देख रहे हैं, वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने साबित होंगे। इस राज्य में झारखंडी का ही शासन रहेगा।

बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को रांची के बिरसा चौक स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, राज्यसभा सदस्य महुआ माजी सहित अन्य नेता मौजूद थे। इसके बाद हेमंत ने पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। हेमंत सोरेन करीब 10 मिनट तक बिरसा चौक में रहे। इस दौरान राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे कार्यकर्ता मौजूद थे।

हेमंत सोरेन की रिहाई के बाद समर्थन में रांची की सड़कों पर लगे बैनर-पोस्टर

रांची : राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल से रिहा होने के बाद झामुमो कार्यकर्ता उत्साहित हैं। वे उनके आगमन पर जश्न मना रहे हैं। अदालत से जमानत मिलने के बाद से ही रांची की सड़कों पर उनके पोस्टर लगने शुरू हो गये थे। राजधानी रांची की सड़कों पर शनिवार को उनके समर्थन में बैनर-पोस्टर लगे दिखाई पड़े। उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी की रात को ईडी ने जमीन घोटाले के आरोप में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था। तब से वे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद थे। करीब पांच महीने बाद 28 जून को झारखंड हाई कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। इसके बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था।

हेमंत सोरेन ने भाजपा को दी चुनौती

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार के खिलाफ कोई भी खड़ा ना हो पाये, इसकी जुगत भिड़ाई जा रही है। उसी का परिणाम है कि आज दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल में बंद हैं। उन्होंने कहा कि मुझे सुनियोजित तरीके से अपने षड्यंत्र में फंसाकर पांच महीने तक जेल में रखा गया। झारखंड गरीब गुरबा राज है। हमें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। इसीलिए मुझे पांच महीने जेल में रहना पड़ा। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने मुझे बाहर निकाला और हमें न्याय मिला। इस पांच महीने में राज्य शायद और आगे बढ़ सकता था। सोरेन शनिवार को धरती आबा बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित करने से पहले अपने आवास के पास भारी बारिश के बीच कार्यकर्ताओं को संबोधित के रहे थे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उनको हमसे डर है। उनकी समय से पहले झारखंड विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी चल रही है। लेकिन मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि अगर वो कल चुनाव कराते हैं तो परसो उनका सफाया हो जायेगा।

आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा : चम्पाई

रांची : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से शनिवार को फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स तथा सोना-चांदी व्यवसायी समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मुख्यमंत्री को राजधानी रांची में हो रही लूट, छिनैती एवं डकैती जैसी आपराधिक घटनाओं से अवगत कराते हुए उसे नियंत्रित करने के लिए समुचित कदम उठाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक को अपराध नियंत्रण के लिए कड़े निर्देश दे दिए गए हैं। उन्हें घटित आपराधिक घटनाओं का खुलासा कर उसमें संलिप्त अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विधि-व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री, महासचिव परेश गट्टानी, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया औ? रोहित पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष कुणाल आजमानी तथा सोना-चांदी व्यवसायी समिति के डॉ दिलीप सोनी, रवि कुमार पिंटू और जितेंद्र कुमार वर्मा शामिल थे।

संजय झा बने जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष मोदी सरकार के समक्ष रखी दो मांगें

एजेंसी

नयी दिल्ली : जेडीयू के राज्यसभा सदस्य संजय झा को शनिवार को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह निर्णय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। बैठक में पार्टी ने बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की अपनी सालों पुरानी मांग भी दोहराई।

जेडीयू नेता नीरज कुमार ने पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकिरिणी की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, कार्यकारिणी में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गए। पहला, राजनीतिक और दूसरा संगठनात्मक। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) ने राज्यसभा में पार्टी के संसदीय दल के नेता संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया। कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य को एक विशेष पैकेज देने के विकल्प पर भी विचार कर सकती है। कार्यकारी अध्यक्ष पद पर अपनी नियुक्ति के बाद झा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार पर हमेशा ध्यान देते हैं और उम्मीद है कि विशेष दर्जे या पैकेज की (राज्य की) मांग पूरी होगी।

बिहार सरकार में जल संसाधन मंत्री रह चुके झा ने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत भाजपा से की थी। बाद में, वह जेडीयू में शामिल हो गए। वह जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और राज्य योजना परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं।

हर दिन लोग जेल जाते हैं, जमानत मिलती है, यह देखना भाजपा का काम नहीं : हिमंत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को झारखंड पहुंचे। उन्होंने हेमंत सोरेन की जमानत पर कहा कि हर दिन कई लोग जेल जाते हैं और हर दिन कई लोगों को जमानत मिलती है। इसका अकाउंटिंग करना भाजपा का काम नहीं है। यहां तो भ्रष्टाचार चरम पर है। आपराधिक घटनाएं बढ़ीं हैं। पेपर लीक हो रहे हैं। हिमंत ने कहा कि झारखंड में हुए लोकसभा चुनाव में लोगों ने भाजपा के पक्ष में वोट देकर आखिर क्या मैसेज दिया। लोगों ने बताया कि वह यहां की सरकार से खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि संथाल में घुसपैठ और लव जिहाद को रुकवाना भाजपा की प्राथमिकता है। कोई गलत तरीके से घुसपैठ कर यहां की आदिवासी लड़कियों से शादी ना करे। इसे रोकना है। भाजपा के मेनिफेस्टो में इस मुद्दे को शामिल किया जायेगा।

लद्दाख में टैंक दुर्घटना में जेसीओ समेत पांच सैनिकों की मौत

एजेंसी

लद्दाख : लद्दाख में क्रॉसिंग टैंक अभ्यास के दौरान नदी के उफान में आने से 5 जवानों के मारे जाने की जानकारी सामने आई है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि यह घटना एलएसी के पास नदी पार तड़के सुबह 3 बजे हुई। बताया जा रहा है कि ये घटना अचानक नदी में जलस्तर बढ़ने से हुई।

डिफेंस ऑफिशियल ने बताया कि घटना के वक्त टैंक में जेसीओ समेत 5 जवान थे। इस एक जवान का पता लगा लिया गया है जबकि अन्य की तलाश अभी भी जारी है। जवानों की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रक्षा अधिकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने के अभ्यास के दौरान हुए हादसे में एक जेसीओ और चार जवान समेत भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए। सभी पांचों शव बरामद कर लिए गए हैं।

राजनाथ सिंह ने एक्स पर शेयर किया पोस्ट

राजनाथ सिंह ने लिखा, 'लद्दाख में नदी पार कराते समय हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में भारतीय सेना के पांच बहादुर जवानों की जान जाने से मैं बहुत दुखी हूं। हम देश के लिए अपने वीर जवानों की अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'लद्दाख में एक नदी पार करते समय एक जेसीओ सहित 5 भारतीय सेना के बहादुरों की जान जाने से हम बहुत दुखी हैं। इस दर्दनाक त्रासदी के शिकार हुए सैन्य कर्मियों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं।

शराब घोटाला : सीबीआई की अर्जी मंजूर, केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली शराब घोटाले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक और बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की सीबीआई की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सीबीआई ने कोर्ट से केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजने की अपील की थी। सीबीआई ने अपने आवेदन में कहा था कि केजरीवाल पूछताछ के दौरान जानबूझ टालमटोल कर रहे थे, लेकिन वर्तमान स्थिति में हिरासत में लेकर आगे पूछताछ की आपश्यकता नहीं है। सीबीआई ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजा जाए क्योंकि वह एक प्रमुख राजनेता हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री होने के साथ बहुत प्रभावशाली हैं। सीबीआई ने कहा कि अगर उन्हें न्यायिक हिरसत में नहीं भेजा गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं और पूछताछ के दौरान उनके सामने आए सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं।

12 जुलाई तक सीबीआई की न्यायिक हिरासत में रहेंगे केजरीवाल

कोर्ट ने सीबीआई की अपील को स्वीकार करते हुए 12 जुलाई तक केजरीवाल को सीबीआई की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बता दें, हाल ही में सीबीआई ने केजरीवाल को दिल्ली शराब घोटाले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें तीन दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। शनिवार को हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। फैसला सुनाने से पहले कोर्ट ने केजरीवाल को उनके परिवार से मिलने के लिए 10 मिनट का समय भी दिया था। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकील विक्रम चौधरी ने अदालत 5 मिनट तक दलीलें पेश करने का अनुरोध किया। अदालत ने कहा के आप एक या दो दिन बाद संबंधित अदालत में जमानत के लिए आवेदन दायर कर सकते हैं।

कोर्ट ने कहा- न्यायिक हिरासत के अलावा कोई विकल्प नहीं

केजरीवाल के वकील विक्रम चौधरी ने कहा, केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि केस डायरी में जो कुछ भी है, वह अदालत के पास होना चाहिए। अदालत ने कहा कि हालांकि यह देखना अदालत का दायित्व है कि जांच अधिकारी ने मामले की जांच के दौरान क्या कदम उठाए है, यह अदालत और जांच अधिकारी के बीच का मामला है।

अलकतरा घोटाले के 25 साल पुराने मामले में तीन दोषियों को तीन-तीन साल की सजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अलकतरा घोटाला के 25 साल पुराने मामले में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने शनिवार को फैसला सुनाया। मामले के आरोपी तत्कालीन जूनियर इंजीनियर विवेकानन्द चौधरी, कुमार विजय शंकर और विनोद कुमार मंडल को सीबीआई की विशेष कोर्ट ने दोषी पाते हुए तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने सभी पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर सभी को तीन-तीन माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

ये है पूरा मामला

यह घोटाला तत्कालीन बिहार सरकार में वर्ष 1992-93 से लेकर 1997 तक जारी रहा। घोटाला प्रकाश में आने के बाद इसकी जांच सीबीआई से कराई गई। सीबीआई ने छह दिसंबर, 1999 को प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रारंभ की। जांच पूरी करते हुए सीबीआई ने पांच लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। इनमें दो की मृत्यु ट्रायल के दौरान हो गई।

आरोपियों ने 12 सड़क की मरम्मत का कार्य दिखाकर उसी के अनुसार अलकतरा की मांग की। इन्होंने 11 सड़क की मरम्मत का कार्य फाइलों में दिखाकर सरकारी राशि का गबन कर लिया था। लगभग 1500 मिट्रिक टन अलकतरा आइओसीएल से ट्रांसपोर्टर के माध्यम से आरोपितों ने प्राप्त किया। ट्रांसपोर्टर को चालान भी दिया लेकिन स्टाक रजिस्टर में प्राप्ति से काफी कम मात्रा दिखाई गई। इस गबन को छिपाने के लिए एक फर्जी एकाउंट जनवरी 1997 में तैयार किया गया था। इस एकाउंट में न आपूर्ति आदेश और न ट्रक नंबर अंकित था।

मामले में ट्रायल फेस कर रहे दो आरोपी आरईओ वर्क्स डिवीजन के तत्कालीन जूनियर विवेकानन्द चौधरी और कुमार विजय शंकर सेवानिवृत हो चुके हैं।

एक नजर

झामुमो नेता कारु यादव ने हेमंत सोरेन से मिलकर दी बधाई

कतरास (बाघमारा) : बाघमारा के झामुमो नेता कारु यादव अपने दर्जनाधिक समर्थकों के साथ रांची में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर 5 माह बाद होटवार जेल से बाहर निकलने पर बुके देकर बधाई देते हुये बाघमारा की समस्याओं व पार्टी के मजबूती पर चर्चा करते हुये कहा कि उनको दूसरे दल की साजिश का आगामी चुनाव में राज्य की जनता जरूर देगी। मौके पर कारु यादव, सन्नी गुप्ता,रमन विश्वकर्मा,भुदु मिया,मुमताज आलम सहित अन्य समर्थक मौजूद थे।

अमरेश सिंह ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत हरि मंदिर में किया पौधरोपण

धनबाद : पर्यावरण को हरा भरा रखने लिए एक पेड़ माँ के नाम के मुहिम के तहत शनिवार को भुली मंडल अंतर्गत सार्वजनिक हरि मंदिर प्रांगण खरिकाबाद में वरिष्ठ भाजपा नेता अमरेश सिंह द्वारा पौधरोपण किया गया। मौके पर अमरेश सिंह ने कहा धनबाद के पर्यावरण को हरा भरा बनाने के लिए एक पेड़ मां के नाम लगाने का सभी संकल्प लें एवं युवाओं को अनिवार्य रूप से पौधरोपण की प्रेरणा दे जिससे भविष्य में धनबाद एवं पूरे देश में पर्यावरण की दृष्टि से बहुत ही सुखद अनुभूति होगी। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनोज प्रमाणिक,अशोक गुप्ता, गुरु चरण सिंह,कमल कुमार, नीरज शर्मा,अरुण सिंह,कृष्णा यादव,बबलू चौहान, उपेंद्र चौहान,लखन भुइयां,मुकेश मुंडा,मंजू किस्कू, संगीता किस्कू, बजरंगी रवानी,मुकेश रवानी,जितेंद्र रवानी, अरुण प्रमाणिक उपस्थित थे एवं सभी ने अपने-अपने घरों एवं क्षेत्रो में पौधरोपण की शपथ ली।

किशोरियों का लाइफ स्किल पर प्रशिक्षण संपन्न

बोकारो: बाल विवाह समाप्त करने को लेकर के किशोरियों का लाइफ स्किल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सहयोगिनी संस्था द्वारा आज बहादुरपुर में आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि लड़कियों का बेहतर भविष्य के लिए लाइफ स्किल पर विशेष सत्र स्कूलों में चलाने की जरूरत है। लड़कियों का कैरियर तथा भविष्य को संवारने के लिए जीवन कौशल के गुर सीखने की जरूरत है। साथ ही विशेष ध्यान देना है कि अपना पर्सनालिटी डेवलपमेंट किशोरियां कैसे कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि सहयोगिनी द्वारा बोकारो जिले के कसमार में विगत 5 वर्षों से बाल विवाह के खिलाफ विशेष तौर पर अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें 11 गांव की किशोरियों का नेतृत्व क्षमता का विकास के साथ-साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं से उन्हें जोड़ने के कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि गांव स्तर पर किशोरी क्लब का गठन करके उनके साथ बाल विवाह तथा जल्दी होने वाले विवाह को रोकने के लिए उनके नेतृत्व क्षमता तथा कौशल विकास को लेकर के कार्य किया जा रहा है ।

डीपीएस बोकारो में मेधा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

सफलता बच्चों की लगन, समर्पण और अभिभावकों के त्याग का परिणाम : सीआरपीएफ डीआईजी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से विद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में शनिवार को मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शैक्षिक सत्र 2023-24 के दौरान 10वीं एवं 12वीं के टॉपरों के साथ-साथ विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक पाने वाले तथा समूहवार खेलकूद, वाक-पटुता, पठन-दक्षता, लेखन, कला-संगीत, कंप्यूटर साइंस, पर्यावरण-मैत्री, क्विज, छायांकन, नृत्य, अनुशासन व अन्य क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ रहे कुल 144 छात्र-

छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, उक्त सत्र के छात्र परिषद के हेड बॉय व हेड गर्ल को भी सम्मानित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीआरपीएफ बोकारो रेंज के उप-महानिरीक्षक ब्रजेश सिंह अपनी सहधर्मिणी मंजू सिंह के साथ उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री सिंह ने सम्मानित किए गए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता एक दिन का प्रयास नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सतत कठिन परिश्रम, समर्पण, उनकी लगन व निरंतरता तथा उनके अभिभावकों के त्याग का परिणाम है। यह प्रयास आगे भी जारी रहे, क्योंकि आनेवाले समय में अभी और चुनौतियां आएंगी, जिसे समझना होगा। उन्होंने उपलब्धियों के लिए डीपीएस बोकारो परिवार को बधाई देते हुए यहां आना अपने लिए गर्व का विषय बताया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने डीपीएस बोकारो की शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मेधा सम्मान समारोह के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय हर बच्चे की प्रतिभा को निखारने के लिए कटिबद्ध है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ नवाचार व रचनात्मकता को बढ़ावा देकर भावी नेतृत्वकताओं का निर्माण यहां किया जा रहा है। उन्होंने बच्चों से इसी प्रकार अपने लक्ष्य के प्रति लगनशील बने रहने तथा सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया।

रोटरी क्लब ऑफ मिडटाउन कपल्स ने जीता बेस्ट क्लब एवं बेस्ट लेडी प्रेसिडेंट का अवार्ड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 द्वारा आयोजित समारोह में रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स को सत्र 2023-24 में किए गए सामाजिक कार्यों के आधार पर बेस्ट क्लब चुना गया। यह पुरस्कार समारोह जमशेदपुर के होटल क्रूज में किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल को रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 के बेस्ट लेडी प्रेसिडेंट का पुरस्कार भी दिया गया। इस कार्यक्रम में रोटरी बोकारो मिडटाउन कपल्स को कुल 10 अवार्ड दिए गए। रोटेरियन शिव अग्रवाल को 3 पुरस्कार दिए गए जिसमे स्टार रोटेरियन का पुरस्कार शामिल है। रोटेरियन मोहित अग्रवाल को बेस्ट न्यू रोटेरियन का पुरस्कार मिला। क्लब अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल ने सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा की यह सफलता क्लब के सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास का ही फल है। उन्होंने सेक्रेटरी मिनी कपूर एवं सजन कपूर को भी धन्यवाद देते हुए कहा की उन दोनों के निस्वार्थ साथ के कारण ही हम इतने सारे सामाजिक कार्यक्रम कर सके। अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल का कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है इसलिए क्लब के सभी सदस्यों ने अध्यक्ष अमीषा अग्रवाल की सफलता पर उनका भव्य बिदाई समारोह होटल हंस रीजेंसी में किया।

स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ताओं की तीन दिवसीय राष्ट्रीय परिषद बैठक पिछले दिनों लखनऊ में शुरू हुई । एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन बीकेटी में शुरू हुई राष्ट्रीय परिषद बैठक में भारत के सभी राज्यों से स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी भाग ले रहे हैं । प्रांत, क्षेत्र एवं राष्ट्रीय स्तर के कार्यकर्ता तीन दिन तक विभिन्न विषयों पर चिंतन मंथन करेंगे । राष्ट्रीय परिषद के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मंच के अखिल भारतीय संयोजक मदुरई तमिलनाडु के आर सुंदरम ने स्वदेशी जागरण मंच द्वारा संचालित गतिविधियों का वर्ष भर का लेखा-जोखा लिया तथा स्वावलंबी भारत अभियान के माध्यम से देश भर में युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करने हेतु किए जा रहे जन जागरण अभियान की समीक्षा भी की । मंच की इस राष्ट्रीय परिषद में शुक्रवार को जनसंख्या और अर्थव्यवस्था विषय पर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया । मंच का मानना है कि भारत की बढ़ती हुई जनसंख्या बोझ नहीं है बल्कि वह हमारी अर्थव्यवस्था को विश्व की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने के लिए कारगर सिद्ध हो सकती है बशर्ते 37 करोड़ युवा शक्ति को उद्यमिता की ओर जोड़ा जा सके। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए एसआर इंस्टीट्यूट के निर्देशक पवन सिंह चौहान ने कहा कि देश की समृद्धि स्वदेशी से ही संभव है, यदि हम विदेशी और आयातित वस्तुओं पर निर्भर रहे तो हमारे उद्यम समाप्त हो जाएंगे और हम केवल विदेशी कंपनियों के ट्रेडर्स बनकर रह जाएंगे । स्वदेशी जागरण मंच इस राष्ट्रीय परिषद बैठक में उद्यमिता के जैविक पथ२ विषय से देश को जैविक उद्यमिता के रूप में नई संकल्पना पर विचार कर रहा हे । स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख डॉ धर्मेंद्र दुबे ने जानकारी दी की राष्ट्रीय परिषद बैठक में 45 प्रांतों के 300 से अधिक पदाधिकारी भाग ले रहे हैं स्वदेशी जागरण मंच के अलावा लघु उद्योग भारती, अक्षय कृषि परिवार, वनवासी कल्याण आश्रम, सहकार भारती, सेवा भारती, गायत्री परिवार, हिंदू जागरण मंच, विश्व हिंदू परिषद और पर्यावरण गतिविधि के राष्ट्रीय प्रमुख गोपाल जी सहित प्रमुख पदाधिकारी भी इस चिंतन मंथन में सक्रियता से भाग ले रहे हैं।

जल संचयन के तहत ग्राउंडवाटर रिचार्ज से संबंधित योजनाओं पर विशेष ध्यान दें अधिकारी : डीडीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : शनिवार को उप विकास आयुक्त श्री सादात अनवर की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता पेयजल1 एवं 2, राज्य समन्वयक, स्वच्छ भारत मिशन संजय कुमार पांडेय के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से डीडीसी सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को धनबाद जिले में ओडीएफ एवं ओडीएफ प्लस के तहत अब तक हुए कार्यों की जानकारी दी गई वहीं उनके द्वारा ओडीएफ प्लस के अंतर्गत धनबाद जिले में एस्पायरिंग, राइजिंग व मॉडल के अंतर्गत गांव की हुई रेटिंग की भी जानकारी दी गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति का अनुश्रवण, ग्राम स्तर पर स्वच्छता,ठोस, तरल कचरा प्रबंधन के क्रियान्वयन के लिए ग्राम कार्य योजना तैयार करने, फाइव स्टार श्रेणी में गांव को ओडीएफ प्लस घोषित करने माहवार लक्ष्य का निर्धारण आदि बिंदुओं पर समीक्षा की गयी। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर स्वच्छता ,ठोस, तरल कचरा प्रबंधन के क्रियान्वयन के लिए ग्राम कार्य योजना तैयार करें और फाइव स्टार श्रेणी में गांव को ओडीएफ प्लस घोषित करने शत-प्रतिशत लक्ष्य का निर्धारण करें। बैठक में प्रखंडवार ओडीएफ प्लस सहित अन्य बिंदुओं पर बारी-बारी से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दी जाए। बैठक के दौरान डीडीसी ने प्रखंडवार विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही ज्यादा से ज्यादा ओडीएफ प्लस संरचनाओं यथा सामुदायिक सोकपिट, कम्पोस्ट पीट, ट्रेंच का निर्माण स्वच्छता प्रबंधन करने के निर्देश दिए।

क्रॉस कंट्री रेस, रस्साकसी तथा हैंडबॉल प्रतियोगिता संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : इंटरनेशनल ओलिम्पिक डे के उपलक्ष में झारखण्ड ओलिम्पिक संघ के तत्वाधान में धनबाद जिला ओलिम्पिक संघ द्वारा गत 23 जून से जिले में जारी सप्ताह- व्यापी खेल का आज क्रॉस कंट्री रेस, रस्साकसी तथा हैंडबॉल की स्पर्धा के साथ शनिवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन आज सर्वप्रथम जिला एथलेटिक्स संघ के देख-रेख में क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन डीएवी कोयला नगर में प्रारम्भ हुआ। प्रतियोगिता के दौरान बालक तथा बालिकाओं के उम्र के आधार पर 6 अलग अलग वर्ग निर्धारित की गई थी। सभी वर्ग के प्रथम तीन विजेताओं के नाम इस प्रकार हैंझ्र प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला एथलेटिक्स संघ की अध्यक्ष सह जिला ओलिम्पिक संघ की उपाध्यक्ष किरण रानी नायक द्वारा स्वागत भाषण से प्रारम्भ हुआ। तत्पश्चात धनबाद जिला ओलिंपिक संघ के महासचिव रंजीत केशरी द्वारा फ्लैग ऑफ करते हुए रेस का उद्घाटन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले भर से 150 से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया जिनके बीच बालक तथा बालिकाओं के लिए विभिन्न आयु वर्ग के कुल 6 अलग-अलग स्पधाएं आयोजित हुई। सभी वर्ग के विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं -14 वर्ष (बालक): आदित्य कुमार तिवारी (प्रथम), अंकित कुमार राम (द्वितीय) तथा सुधांशु राज (तृतीय). -14 वर्ष (बालिका): शालिनी कुमारी (प्रथम) आरुषि कुमारी (द्वितीय) तथा अनन्या कुमारी (तृतीय). तनु कुमारी (प्रथम), आशा कुमारी (द्वितीय) तथा अनु कुमारी (तृतीय). प्रतियोगिता के अंत में डीएवी कोयला नगर के प्राचार्य एन. एन. श्रीवास्तव द्वारा सभी वर्ग के विजेताओं के बीच पदक तथा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

लोक अदालत में एक अरब 66 करोड़ 34 लाख 63 हजार की परिसंपत्तियों का हुआ वितरण

- हाथी द्वारा कुचले गए युवक की पत्नी को मिला मुआवजा
- बिजली के पोल में सटने से गाय की हुई थी मौत, डालसा ने दिलाया मुआवजा
- 44 लोगों को मिला ऑनस्पाट नियुक्ति पत्र
- 30 दिनों के भीतर हो मुआवजा संबंधी विवादों का निस्तारण : न्यायाधीश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा बीसीसीएल सामुदायिक भवन, कोयला नगर धनबाद मे एक दिवसीय भू अधिग्रहण, राजस्व संग्रहण, पुनर्वास से संबंधित मुकदमों के निपटारे के लिए स्पेशल लोक अदालत का आयोजन हुआ। विशेष लोक अदालत में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सह झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद न्यायाधीश आनंदा सेन, न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिनके द्वारा विभिन्न तरह के विवादों का ऑन स्पॉट निस्तारण कर एक अरब 66 करोड़ 34 लाख 63 हजार रुपए की परिसंपत्तियों,व नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। वहीं एक लाख 63 हजार 441 विवादों का ऑनस्पॉट निष्पादन कर दिया गया । कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई, जिसके बाद नालसा का थीम सोंग हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा द्वारा स्वागत भाषण किया गया। जिसके बाद न्यायमूर्ति आनंदा सेन ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित किया अपने संबोधन मे न्यायाधीश श्री सेन ने कहा कि भू अधिग्रहण से संबंधित विवाद के मामले में ज्यादा बढ़ते जाते हैं जल्द से जल्द उन्हें पुनर्वासित करने तथा उसे समुचित मुआवजा दिलाना हम लोगों का सामाजिक दायित्व और कर्तव्य है। विशेष लोक अदालत में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि मुआवजा का अर्थ केवल यह नहीं कि उन्हें रुपए का भुगतान कर दिया जाए परंतु बल्कि मुआवजा का अर्थ यह भी है कि सामाजिक सुरक्षा के तहत उनके परिवार के जीवन यापन और उन्हें रहने के लिए छत की व्यवस्था करना जस्टिस श्री नारायण ने डीसी धनबाद एवं सीएमडी बीसीसीएल से अनुरोध किया कि वह मुआवजा संबंधित विवादों का निस्तारण तीस दोनों के अंदर करें।

संक्षिप्त खबरें

कैरियर विकास से बच्चों का होगा सर्वांगीण विकास : सुधीर कश्यप

तेतुलमारी (धनबाद) : हीरक रोड नगरीकला के पास संचालित सर्वमगला पब्लिक स्कूल में कैरियर विकास केन्द्र (उऊ) में कक्षा 9 से 12 वी तक के विधार्थी को कैरियर विकास के नये क्षेत्र एवं अवसर के बारे में मुख्य अतिथी प्रो डॉ सुधीर कश्यप पूर्व मुख्य वैज्ञानिक सी एमआरआई धनबाद ने विस्तारपूर्वक बताया। डॉ० कश्यप ने विधार्थी को सतत पढाई करने की सलाह दिया जिससे उनके भविष्य में सफलता मिले। बदलते समय में नए कौशल, ज्ञान, अनुभव तथा निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाना होगा ताकी जीवन का लक्ष्य हासिल कर सके । कार्यक्रम का को ऑर्डिनेटर डॉ० हरदेव प्रसाद ने कैरियर विकास केन्द्र के द्वारा भविष्य में विधार्थी के लिए उपयोगी साबित होगी। डॉ० श्रीमती प्रभा सक्सेना एवं इ० महेंद्र प्रसाद ने सयुक्त रूप से स्कूल को 0 9001 : 2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रमाण पत्र मिलने पर प्रसन्ता व्यक्त किया। इससे विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान होगी। वैधानिक निमयांक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी । मौके पर उप प्रधानधपीका कल्याणी नायर, बिंदु कुमारी, प्रबंधक मृत्युंजय मंडल, विकास कुमार ,जितेन्द्र कुमार ,उपेन्द्र कुमार,गोविंद कुमार, ममता कुमारी,दीपिका कुमारी,शशीलता कुमारी,रितु कुमारी,राकेश कुमार, सौरभ सिंह, दीपू कुमार, अशोक कुमार,अभिनाश कुमार, सुमन कुमारी राहुल कुमार, संगीता झा, आकांशा कुमारी शिक्षकगण,अभिभाकगण स्कूल के सदस्यगण एवं सैकड़ों विधार्थी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पलायन की भेंट चढ़ा एक और युवक, शव घर पहुंचते हीं मचा कोहराम

बोकारो : पलायन का भेट चढ़ा एक और युवक बोकारो के पेटरवार का रहने वाला आसिफ आलम काम के सिलसिले मे महाराष्ट्र के पुणे स्थित चकन में कार्य के दौरान बीते 27 जून को मौत हो गई। मालूम हो कि आसिफ आलम उम्र 25 वर्ष पेटरवार थाना क्षेत्र के अंगवाली के रहने वाले फल व्यवसायी मो सलीम अहमद के पुत्र हैं काम के दौरान आसिफ आलम का 27 जून को महाराष्ट्र के पुणे में मौत हो गई। आलम के मौत की खबर सुनकर परिजन व मुहल्ले में कोहराम मच गया। उसकी मौत से गांव में मातम पसर गया । बताया जाता है कि युवक आसिफ बीते 24 मई को पहली बार कार्य करने के उद्देश्य से घर से अन्य राज्य रोजगार के लिए निकला था। परिजनों ने बताया कि वह वहां डायमेटिक कंपनी में कार्य कर रहा था। उक्त कंपनी में जेसीबी मशीन के पार्ट, पुर्जे बनते हैं। परिजनों के अनुसार कार्य के दौरान मशीन के चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। उसका शव प्रातः आठ बजे प्लेन से रांची पहुंचा। वहां से एंबुलेंस द्वारा ग्यारह बजे पैतृक स्थान अंगवाली पहुंचा। युवक का शव आते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक के मां जुबेदा खातून का रो-रोकर बुला हाल था पिता, चाचा-चाची, बहन, बड़े भाई सहित पूरा मुहल्ला एवं रिश्तेदार सभी गमजदा देखे गये। इस अवसर पर झामुमो बोकारो जिलाध्यक्ष हीरालाल मांझी, प्रखंड सचिव ललन सोनी, मुकेश रविदास, दीपक कुमार, भुनेश्वर महली, मुखिया धर्मेंद्र कपरदार, उप मुखिया रियाज अहमद, कांग्रेस के गौरीनाथ कपरदार, गौतम पाल आदि मृतक के घर पहुंचकर परिवार वालों को ढाढस बंधाते हुए संकट की घड़ी में धैर्य रखने को कहा। बताया गया कि सहायक श्रमायुक्त बोकारो प्रवीण कुमार की अनुशंसा पर कार्यालय की ओर से विभागीय प्रावधान के अनुसार मृतक के आश्रित को पचास हजार रुपए का चेक दिया जाएगा। कार्यालय की ओर से कागजी प्रक्रिया उज्ज्वल कुमार ने किया। कहते हैं, जिस कंपनी में मृतक कार्यरत था, वहां से भी क्षतिपूर्ति व मुवाबजे की राशि दी जाएगी। अपराह्न जनाजे को सुपुर्द-ए-खाक के दौरान स्थानीय सहित अन्य दर्जनों ग्राम से सैकड़ो की संख्या में मृतक के परिजन जुटे हुए थे।

पेड़ से झूलता मिला एक युवक का शव जांच में जुटी पुलिस

बोकारो: थर्मल स्थित डीवीसी निदेशक भवन पहाड़ी मंदिर के समीप पेड़ से गमछा के सहारे एक युवक लटका पाया गया, मृतक की पेहचान बेरमो प्रखंड के सीसीएल गोविंदपुर कॉलोनी निवासी उम्र 36 वर्षीय युवक उमेश महतो के रुप में की गई है। मृतक ने गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस हत्या अथवा आत्महत्या को लेकर मामले की जांच में जुटी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया गया हैं। बताया जाता है कि मृतक युवक का सीसीएल कथारा क्षेत्र के गोविंदपुर कॉलोनी में जेनरल दुकान था। उसका पिता चिंतामन महतो डीवीसी का सेवानिवृत कर्मी है। मृतक की पत्नी मीनाक्षी देवी ने बताया कि उसके दो पुत्री तथा एक पुत्र कुल तीन छोटे छोटे बच्चे है। जो पिता के बिना बेसहारा हो गए है। मृतक की पत्नी ने बताया कि उसका पति बीते रात्रि से ही घर नही आया, जिसकी तलाश परिजन पूरी रात भर किए। अगले दिन की सुबह घर से लगभग आधा किलोमीटर दूर पहाड़ी मंदिर समीप उसका शव जंगल में पेड़ से लटका हुआ बरामद किया गया। जिसकी सूचना बोकारो थर्मल पुलिस को दी गई। वही उक्त घटना के बाद बोकारो थर्मल थाना की पुलिस मौत के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गई विदाई

बोकारो : स्टील प्लांट से जून '2024 माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए लर्निंग & डेवलपमेंट विभाग के मेन ऑडिटोरियम में एक विदाई समारोह का आयोजन महा प्रबंधक सोनी कुमारी के नेतृत्व में किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महा प्रबंधक आइ बंकिरा उपस्थित थे। समारोह के आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया तथा सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से सम्बंधित जानकारी दी। प्रबंधक कल्पना ने प्रत्येक सेवानिवृत हो रहे कर्मियों का बायोडाटा प्रस्तुत किया। मुख्य महा प्रबंधक श्री आइ बंकिरा ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किये। जून '2024 में बी.एस.एल. से कुल 07 अधिशासी तथा 17 अनाधिशासी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ नन्दा प्रियदर्शिनी, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने किया।

एक नजर

मैनहर्ट घोटाला मामले में केस दर्ज करायेंगे सरयू राय

रांची : मैनहर्ट घोटाला मामले में विधायक सरयू राय डोरंडा या धुर्वा थाना में केस दर्ज करायेंगे। ये जानकारी देते हुए राय ने बताया कि हाईकोर्ट से मिले आदेश के बाद वे केस दर्ज कराने जा रहे हैं। कहा कि हाईकोर्ट में उनकी ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। 26 जून को इस संबंध में उनको आदेश दिया गया। कहा इस आदेश के आलोक में घोटालाबाजों के खिलाफ शीघ्र ही प्राथमिकी दर्ज करायेंगे। सरयू राय ने कहा कि उनकी याचिका को खारिज करते हुए तीन विकल्प दिये गये हैं। राय ने कहा कि अपने वकीलों से परामर्श के बात उन्होंने दूसरा विकल्प चुना है। वे शीघ्र ही रांची के डोरंडा या डोरण्डा अथवा धुर्वा थाना में उच्च न्यायालय के निदेशानुसार प्राथमिकी दर्ज कराएंगे। गौरतलब है कि सरयू राय ने मैनहर्ट को रांची में सीवरेज ड्रेनेज के डीपीआर का कार्य दिए जाने में 21 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। इस मामले को वे विधानसभा में भी उठा चुके हैं। राज्य सरकार के निर्देश पर दिसंबर 2020 में एसीबी में पीई दर्ज की गई थी। लेकिन, उसकी रिपोर्ट अब तक प्राप्त नहीं होने पर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है।

हूल दिवस पर सिद्धू-कान्हू को श्रद्धांजलि देगी आजसू

रांची : हूल दिवस पर रविवार को आजसू पार्टी सिद्धू-कान्हू पार्क, रांची स्थित शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर प्रातः दस बजे माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करेगी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में आजसू पार्टी केंद्रीय समिति, रांची जिला समिति, रांची जिला महिला समिति, रांची महानगर समिति, रांची महानगर महिला समिति, युवा आजसू, आजसू छात्र संघ, आजसू बुद्धिजीवी मंच तथा अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी शामिल होंगे।

विशेष लोक अदालत में 1.41 लाख से अधिक मामलों का हुआ निबटारा

रांची : सिविल कोर्ट के साथ जिले के अंचल कार्यालयों, सीसीएल में भूमि और राजस्व संबंधित मामले को लेकर आयोजित विशेष लोक अदालत में शनिवार को एक लाख 41 हजार 559 वादों का निपटारा किया गया। इसमें दाखिल खारिज के 23,499 मामले भी शामिल है। साथ ही मौके पर 45 करोड़ 91 लाख 70 हजार 121 रुपए का सेटलमेंट हुआ। मामलों के निष्पादन के लिए 13 बेचों का गठन किया गया था। इसमें दो बेंच न्यायिक पदाधिकारियों का और 11 बेंच कार्यपालक दंडाधिकारियों के लिए बनाया गया था। इसमें भूमि और राजस्व, भूमि अधिग्रहण, विस्थापन, मुआवजा एवं इससे संबंधित अन्य मामलों के त्वरित निष्पादन किया गया। विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए प्री-लोक अदालत की बैठकें 24 से 28 जून तक चली थी। 25 जून को जिले के सभी अंचल कार्यालय एवं सीसीएल में कैंप लगाया गया था। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा)सचिव कमलेश बेहरा ने बताया कि लोक अदालत में भूमि अधिग्रहण से संबंधित 53 मामलों में क्षतिपूर्ति की राशि 8,19,82,302 रुपए लाभूकों के बीच वितरित की गयी। कोल बियरिंग से संबंधित 15 वादों में करीब 90 लाभुकों के बीच 2,55,95,680 रुपए का चेक का वितरण भी किया गया। सीआरपीसी की धारा 107, 144, 145, 147 से संबंधित 1032 वाद, साथ ही एसएआर एवं परमिशन के 515 वादों एवं सर्टिफिकेट के 14 वादों का निष्पादन किया गया।

अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने का डीसी ने दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शनिवार को अवैध खनन के रोकथाम के लिए जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपायुक्त ने अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम के लिए की गई कार्रवाई की समीक्षा की । जिला खनन पदाधिकारी के जरिये बताया गया कि रांची जिलान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 26 जून तक अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण को लेकर विभिन्न थानों में 75 अभियुक्तों के विरुद्ध 13 प्राथमिकी दर्ज की गई है और 31.55 लाख जुमार्ना भी वसूला गया है। इस दौरान उपायुक्त ने बालू खनिज के अवैध खनन, भण्डारण, परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने अनुमण्डल पदाधिकारी सदर एवं बुण्डू को निर्देश दिया कि जिला के सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित थाना प्रभारी के सहयोग से विशेष अभियान चलाकर अंचलों में अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर पूर्णतः रोक सुनिश्चित करें। जिलान्तर्गत विभिन्न विभागों से अवैध खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्राप्त शिकायत पत्रों एवं विभिन्न समाचार पत्रों में अवैध खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्रकाशित समाचार के बाबत जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र सघन छापामारी अभियान चलाते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी के जरिये समिति को बताया गया कि जिलान्तर्गत अवैध रुप से कुल 395000 घनफीट बालू जब्त किया गया है। बुढ़मू अंचल से 200000 घन फीट, बुण्डू अंचल से 150000 घनफीट एवं नगड़ी अंचल से 45000 घनफीट अवैध भंडारित बालू जब्त किया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि उक्त बालू का संबंधित अंचलाधिकारी के देख-रेख में नियमानुसार यथाशीघ्र नीलामी की कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिलान्तर्गत चिन्हित बालूघाटों के बाबत ग्राम सभा से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की समीक्षा भी की गयी। उपायुक्त ने प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बुण्डू, तमाड़, सोनाहातु, सिल्ली, राहे एवं खलारी को यथाशीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के लिए निदेशित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

रांची बनी अपराध की राजधानी, आपराधिक घटनाओं में हो रही वृद्धि

रांची: उपरोक्त बातें आज संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विजय शंकर नायक ने आज रांची राजधानी में आए दिन हो रहे ज्वेलरी सोना चांदी दुकानों में लगातार लूट की घटनाओं पर आज अपनी प्रतिक्रिया में उक्त बातें कहीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए आगे कहा कि कल ही बिरसा चौक ज्वेलर्स में दिनदहाड़े लूट पाट की घटना और एक व्यक्ति को गोली मारने की घटना,15 जून बरियातू थाना अंतर्गत बरियातू रोड के पास जेवर व्यवसाय महिला सुजाता गुप्ता से बाइक सवार दो अपराधियों ने 5 लाख और करीब 12 13 लख रुपए मूल्य की लूट, पंडरा ओपी क्षेत्र में दिनदहाड़े 45 लाख के जेवरात और नगदी 45 हजार की लुट, 14 फरवरी कटहल मोड़ स्थित ज्वेलरी दुकान से हथियार के बल पर करीब 6 लाख की लुट यह साबित करता है की राजधानी में कानून का राज और पुलिस का डर अपराधियों के बीच समाप्त हो चुका है। अपराधी दिन दहाड़े अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रही है और पुलिस अभी तक मुक दर्शक बनकर बैठी हुई है जिसकी संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी कड़े शब्दों में इसकी निंदा करती है और राज्य के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से यह मांग करती है राज्य के सोना चांदी व्यवसाईयों को व्यवसाय करने की सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित करें अन्यथा इसके गंभीर परिणाम आने वाले दिनों में हो सकते हैं। नायक ने आगे कहा की सोना चांदी व्यापारियों के द्वारा किए गए आंदोलन का संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी नैतिक रूप से पूर्ण समर्थन करती है। इन्होने यह भी कहा कि हद तो तब हो गई है की सीआईडी की महिला डीएसपी सरिता मुर्मू से दो दिन पूर्व उनके गले से चेन छीन लिया गया। फरवरी 2024 से लेकर मई तक राजधानी में 57 चैन लूट की घटनाएं हुई है जबकि जून में चार चैन की लूट की घटनाएं घटित हुई है गैंगरेप की घटनाओं हत्या, बलात्कार, चोरी, छिनतई में लगातार वृद्धि हो रही है जो चिंता का विषय है। नायक ने आगे कहा कि राज्य खासकर रांची में अब विधि व्यवस्था फेल हो गई है। अब तुरंत केंद्र सरकार और राज्य सरकार को तुरंत इस पर हस्तक्षेप कर इस दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि राज्य में विधि व्यवस्था बना रहे और कानून का राज स्थापित हो सके तथा जनता एवं व्यापारी अमन चैन शांति से भय मुक्त होकर रह सके तथा व्यापार कर सके।

रिम्स में सफाई एजेंसी के 121 कर्मचारी कर रहे थे काम, पेमेंट मांगा 188 कर्मचारियों का, डायरेक्टर ने की कार्रवाई

रांची: रिम्स डायरेक्टर डॉ राज कुमार ने हॉस्पिटल में काम करने वाली सफाई एजेंसी पर कार्रवाई की है। वहीं एजेंसी को गलत रिपोर्ट देने को लेकर चेतावनी भी दी गई है। उन्होंने बताया कि सेवा प्रदाता द्वारा सफाई कर्मचारियों के बिल में कई प्रकार की अनियमिताएं पाई गई हैं। जिस वजह से बिल भुगतान में विलम्ब हुआ। उन्होंने कहा कि रिम्स में 121 कर्मचारी कार्यरत थे। जबकि सफाई एजेंसी ने 188 कर्मचारियों का बिल दिया था। जांच में अनियमितता पाए जाने पर बिलिंग क्लर्क को शोकॉज नोटिस किया गया। फाइल में भी कई तरह की अनियमितता देखने को मिली। उन्होंने कहा कि इसकी जांच के लिए कमिटी का गठन किया गया था। कमिटी ने भी बताया कि फाइल में काफी अनियमितताएं है। इसके बाद 121 कर्मियों का पेमेंट रिलीज करने का आदेश दे दिया गया। डायरेक्टर डॉ राजकुमार ने कहा कि सफाई करने वाली एजेंसी जितने लोगों से काम करा रही है और उससे अधिक का बिल उन्होंने दिया था। इस पर कहा कि ऐसा रिम्स में अब नहीं चलेगा। जो जेन्यून था उनलोगों के बिल पेमेंट का आदेश दे दिया गया है। ठेकेदार के कहने पर कुछ कर्मचारी मेरे पास शिकायत लेकर पहुंचे। उन्हें भी हमने फाइल दिखाई। जिसे वे समझ गए है कि कैसे सफाई एजेंसी अनियमितताएं कर रही थी। डायरेक्टर ने कहा कि सभी कांट्रैक्टर और सप्लायरों के लिए एसओपी जारी किया गया है। जिसके तहत महीने के अंत में फाइल और बिल जमा कर दे। जांच के बाद ये फाइलें मेरे पास भेजी जाएगी। अगर कोई कर्मचारी या क्लर्क फाइल को रोकता है या फिर जानबूझकर गड़बड़ी करता है तो ऐसे लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हर योजना में गड़बड़ी, नौकरशाहों और सरकार की मनमानी चरम पर : आजसू

रांची : आजसू पार्टी ने सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी और सत्ता व्यवस्था में मनमानी के खिलाफ चौथे दिन शनिवार को भी हल्ला बोल कार्यक्रम जारी रखा। अलग-अलग जगहों पर कार्यकर्ताओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी की और पब्लिक के काम को लेकर सरकार का ध्यान खींचा। आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि सबसे ज्यादा प्रखंड और अंचल कार्यालयों में नौकरशाही-बिचौलिया गठजोड़ के चलते आम आदमी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अफसरों ने हर काम के लिए रेट फिक्स कर रखा है। अबुआ आवास योजना में पारदर्शिता नहीं है और यह योजना बाबूगीरी की भेंट चढ़ रही है। छात्रों को जाति, आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अफसरों तथा कर्मचारियों के सामने चिरौरी करनी पड़ती है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा की तमाम योजनाओं में अनियमितता व्याप्त है। न समय पर राशन मिलता है और न ही जरूरतमंदों को पेंशन। सरकार की किसी भी योजना पर पकड़ नहीं है और सब कुछ झूठे वादे और कोरी घोषणाएं साबित हो रहे हैं। आजसू कार्यकताओं ने कहा कि जो सरकार लोगों को पीने का पानी तक मुहैया कराने में विफल है, वह झारखंड का हितैषी होने के दावे करती रही है। लूट और करप्शन का पैसी नीचे से ऊपर तक बंट रहा है और आम आदमी अपने हक अधिकार के लिए पिस रहा है। हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत देवघर जिले के प्रखंड मनोहरपुर, प. सिंहभूम के प्रखंड खुटपानी, गुमला जिले के प्रखंड चैनपुर, धनबाद जिले के प्रखंड बलियापुर समेत कई प्रखंडों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा।

श्याम भंडारा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक शनिवार को होने वाला 118 वा श्री श्याम भंडारा भक्तिमय रंग में सम्पन्न हुआ। श्री विजय जी महाराज के प्रेरणा से आज का 118 वा श्री श्याम भंडारा बड़े ही भक्तिमय रंग में सम्पन्न हुआ। पूरा मंदिर परिसर हारे के सहारे की जय खाटूनरेश की जय लखदातार की जय जयकारों से गूंज रहा था। श्री श्याम मित्र मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया एवम उपमंत्री अनिल नारनोली के नेतृत्व में अजय जैन बरखा जैन ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश रिद्धि सिद्धि शिव परिवार बजरंगबली लड्डू गोपाल शालिग्रामजी गरुडजी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित किया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के लोकप्रिय भजन का गायन करके जैन परिवार ने खाटूनरेश की मनोहर की। भोग अर्पित करने के समय पूरा मंदिर श्रध्दा में डूबा हुआ था। भोग लगे प्रसाद को जैन परिवार ने विशाल वृहद भंडारे में मिश्रित करके सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के साथ मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में यजमान परिवार ने श्री श्याम भंडारे का प्रसाद का वितरण प्रारंभ किया। 118 वे श्री श्याम भंडारा का समय होते-होते मंदिर परिसर भक्तों से अट गया एवं हरमू रोड में लंबी-लंबी कतारे लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था।

रांची से पटना जा रही इंडिगो की फ्लाइट पहुंची वाराणसी, यात्री परेशान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची से पटना जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ए 925 वाराणसी पहुंच गई है। प्लेन में सवार यात्री काफी परेशान है। यात्रियों को खबर लिखे जाने तक आगे का कोई अपडेट नहीं दी गई है। न ही कोई वैकेल्पिक साधन उपलब्ध नहीं कराया गया है। इस बात की जानकारी राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने दी है। उन्होंने द फॉलोअप से बात करते हुए कहा कि पटना एयरपोर्ट पर आधे घंटे तक प्लेन मंडराती रही लेकिन लैंड नहीं हो सकी। इसके बाद फ्लाइट को वाराणसी के लालबहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिग कराया है। कैलाश यादव ने आगे कहा कि प्लेन में कुल 180 यात्री सवार हैं। रांची से यह फ्लाइट दोपहर 1: 40 में उड़ान भरी थी। जिसे विमान को दोपहर 2:35 पर पटना पहुंचना था लेकिन फ्लाइट लखनऊ पहुंच गई। कैलाश यादव ने बताया कि प्लेन पटना पहुंची लेकिन लैंड नहीं हो पाई। फिलहाल वो सभी लखनऊ में हैं और फ्लाइट पर ही बैठे हैं। उन्हें प्लेन से उतरने की भी इजाजत नहीं है। यात्री काफी परेशान हैं। कारण पूछने पर कैलाश यादव ने बताया कि बारिश के कारण यह फैसला लिया गया है। बता दें कि देशभर में अब मानसून एक्टिव हो गया है। आज पटना समेत राज्य को कई जिलों में बारिश हुई। पटना में करीब 1 घंटे तक बारिश हुई। इस दौरान 3 फ्लाइट्स को डायवर्ट कर दिया गया है। इंडिगो के अलावा दो एयर इंडिया के फ्लाइट को डायवर्ट किया गया है।

रांची स्टेशन में ट्रेन पर चढ़ने के दौरान नीचे गिरी लड़की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची रेलवे स्टेशन पर एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। यहां ट्रेन पर चढ़ने के दौरान एक लड़की नीचे गिर गई। गनीमत की बात यह है कि लड़की ठीक है। उसे बस कुछ मामूली चोटें आई हैं। लड़की को गिरते देख आरपीएफ जवान तुरंत एक्शन में आए। उन्होंने ट्रेन रुकवाकर लड़की को बाहर निकाला। मौके पर मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल हो गया। लोग लड़की के बच जाने को किसी चमत्कार कह रहे हैं। यहा पूरा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया। रांची आरपीएफ से मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रेन संख्या 13351 एक्सप्रेस में एक लड़की चलती ट्रेन पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी। इसी बीच लड़की ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच में गिर गई। आरपीएफ के मुताबिक जिस लड़की की जान बचाई गई उसका नाम मोनिका कुमारी है। लड़की ने बताया कि वह ट्रेन संख्या 13351 से तमिलनाडु जाने के लिए रांची आयी थी। इस दुर्घटना में उसके पैर में हल्की खरोंच आयी है। रेलवे के डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद लड़की को स्वस्थ घोषित कर दिया। आरपीएफ द्वारा उसके पिता बिरसा उरांव को मोबाइल नंबर पर सूचना दी गयी, बाद में समुचित सत्यापन के बाद लड़की को उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

तीन नये कानून पर मंथन, रांची सिविल कोर्ट के सभी न्यायिक पदाधिकारी रहे मौजूद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : देश में एक जुलाई से तीन नये आपराधिक कानून (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम) लागू होने वाले हैं। रांची के जज कॉलोनी स्थित मल्टी पर्पस हॉल में झारखंड न्यायिक एकादेमी के दिशा-निर्देश पर आज बैठक कर इन तीनों आपराधिक कानून पर गहन चर्चा की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे ने की। बैठक में उपस्थित सभी न्यायिक पदाधिकारियों को 10 अलग-अलग समूहों में बांटा गया था और सभी को नये कानून से संबंधित एक-एक खंड दिया गया था। जिस पर न्यायिक पदाधिकारियों ने गहन मंथन किया और उक्त विषय पर अपने-अपने मंतव्य देकर एक-दूसरे से जानकारी साझा की। इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय के दो महत्वपूर्ण निर्णयों पर भी चर्चा की गयी, जिनमें टरसेम लाल बनाम डायरेक्टोरेट इंफोरर्समेंट और जलंधर जोनल ऑफिसर व बाबू साहेबागौड़ा बनाम स्टेट ऑफ कर्नाटक है। अभियुक्तों के कोर्ट में बेल एवं उनकी उपस्थिति से संबंधित प्रावधानों पर चर्चा की गयी। न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय ने भी न्यायिक पदाधिकारियों को नये आपराधिक कानून के बदले हुए प्रवधानों के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान रांची सिविल कोर्ट के सभी माननीय न्यायिक पदाधिकारियों के साथ-साथ विधि के छात्र- छात्राएं और न्यायालयकर्मी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री आलमगीर के ओएसडी संजीव की बेल पर अब 6 जुलाई को होगी सुनवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : टेंडर घोटाला मामले में आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल की ओर से पीएमएलए कोर्ट में दायर जमानत याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई । इस दौरान ईडी ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए 6 जुलाई की तिथि निर्धारित की। संजीव लाल ने रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है। बता दें कि ईडी ने छह मई 2024 को टेंडर घोटाला मामले में कार्रवाई करते हुए कई इंजीनियर ठेकेदारों और आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम के आवास पर छापेमारी की थी। उस दौरान संजीव लाल के सहायक जहांगीर आलम के आवास से करीब 32.2 करोड़ रुपये बरामद किए गए थे। वहीं संजीव लाल के आवास से 10.5 लाख रुपये बरामद किए गए थे। साथ ही सचिवालय स्थित उनके कार्यालय से 2.3 लाख रुपये बरामद किए गए थे। आपको बता दें कि 6 मई को ईडी ने रांची में संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के आवास, अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू स्थित सर सैयद रेजीडेंसी, पीपी कंपाउंड स्थित मुन्ना सिंह, सेल सिटी स्थित पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर विकास कुमार के आवास के अलावा बरियातू, मोरहाबादी और बोड़िया इलाके में तलाशी ली थी। जिसके बाद ईडी ने संजीव लाल और जहांगीर आलम को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया था। वहीं मामले पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को दो दिनों (14 और 15 मई) की पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें 15 मई को गिरफ्तार किया। मामले में गिरफ्तारी के बाद से सभी होटवार जेल में बंद हैं।

बच्चों की बुनियादी शिक्षा में मातृभाषा के प्रति समझ और बहुभाषी शिक्षा महत्वपूर्ण : महेंद्र मिश्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन तथा इससे जुड़े अपेक्षित उच्चतम लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अपनायी जाने वाली शिक्षण प्रक्रिया तथा इस बहुउद्देशीय शिक्षण कार्यक्रम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराने के लिए शनिवार से प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरूआत हुई। राज्य के आठ जिलों के 45 चयनित शिक्षकों के लिए रातू स्थित झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में एलएलएफ संस्था के सहयोग से छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरूआत हुई। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला में दुमका, गुमला, खूंटी, लोहरदगा, पश्चिमी सिंघभूम, साहिबगंज, लातेहार, सिमडेगा के मास्टर ट्रेनर शामिल हो रहे हैं। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर बहुभाषी शिक्षा के लिए राज्य-स्त्रोत-समूह के रूप में कार्य करेंगे तथा इनके द्वारा भविष्य में संबंधित जिलों के चयनित विद्यालयों के बहुभाषी शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को समयक रूप से प्रशिक्षित तथा अनुसमर्थन किया जाएगा। भारत में मातृभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए उनके आजीवन योगदान के लिए यूनेस्को द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा पुरस्कार-2023 से सम्मानित प्रख्यात भाषाविद् और लोकगीतकार डॉ महेंद्र कुमार मिश्रा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए बुनियादी शिक्षा में बहुभाषी शिक्षा के महत्त्व पर कहा कि मातृभाषा में पढ़ने से बच्चों की भाषाई विकास में सुधार होता है। यह उनकी शब्दावली, वाक्य रचना, और वाक्यों का अर्थ समझने की क्षमता को बढ़ावा देता है। बच्चे अपने परिवार, मित्र और समाज के साथ संवाद आसानी से कर पाते है। साथ ही बच्चों को शिक्षा की सुगमता मिलती है, जिससे उनकी शिक्षा में रुचि बनी रहती है। इससे उनके विचार और सोचने की क्षमता का भी विकास होता है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नयी दिल्ली के तकनीकी विशेषज्ञ स्मृति मिश्रा ने कहा कि प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों की बुनियादी शिक्षा में मातृभाषा के प्रति उनकी समझ और बहुभाषी शिक्षा सीखना महत्वपूर्ण है। बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाई कराने से उनकी शिक्षा में गहराई और समग्रता बढ़ती है। इसके साथ बहुभाषी शिक्षा उन्हें अन्य भाषाओं के साथ भी संवाद करने की क्षमता प्रदान करती है। इससे उनकी सोचने की क्षमता और सामाजिक जीवन में सहयोग बढ़ता है। उल्लेखनीय है कि विगत वर्षो से राज्य के 259 विद्यालयों में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

नीट पेपर से लेकर छत्तों तक लीक ही लीक...

राकेश अचल

देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए।

हम जब बच्चे थे तब जिस लीक के बारे में जानते थे,वो आजकल के पेपर लीक और छत लीक से एकदम अलग थी । अंग्रेजी की लीक और हिंदी की लीक में जमीन -आसमान का अंतर होता है। अंग्रेजी की लीक को हमारे यहां हिंदी में ही नहीं बल्कि बुंदिलखंडी में भी टपकना या चूना कहते है । हमारे यहां लीक का दूसरा अर्थ पगडण्डी भी होता है और एक अर्थ सिर में पड़ने वाले जुओं के बच्चे भी होते हैं। ये सफेद रंग के होते हैं। कहावत है कि-

लीक लीक कायर चले और लीक चले कपूत,
लीक छोड़ तीन ही चलें शायर, सिंह , सपूत।

आज दुर्भाग्य से कहिये या सौभाग्य से लीक यानि लीकेज एक राष्ट्रीय समस्या है । सड़क से लेकर संसद तक इस लीक की चर्चा हो रही है। लेकिन संसद में लीक पर चर्चा की इजाजत देने के बजाय बहस की मांग करने वाले विपक्ष के नेता का माइक तक बंद किया जाने लगा है। अर्थात अभिव्यति की स्वतंत्रता या अधिकार का गला घोंटा जा रहा है। गला घोंटना एक जुलाई से लागू होने वाली भारतीय न्याय संहिता के तहत तहत किस धारा में अपराध होता है ये अभी मुझे पता नहीं ,क्योंकि मैंने जो संहिता अपने पाठ्यक्रम में पढ़ी थी वो भारतीय दंड संहिता थी।

सबसे पहले अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर की छत से होने वाली लीकेज की बात की जाये । चूंकि हम अयोध्या से सैकड़ों किमी दूर बैठे हैं इसलिए हमें सच्चाई का पता नहीं है, लेकिन जो तस्वीरें वायरल हुईं हैं उनकी बिना पर हम कह रहे हैं कि राम जी के मंदिर की छत लीक हो रही है । लेकिन मंदिर के ट्रस्टी कह रहे हैं कि -ये अफवाह है। अब हम तस्वीरों को सही मानें या ट्रस्टियों की बात को ये भी हमें पता नहीं है कि इन दोनों में से कौन सा साक्ष्य नए साक्ष्य संहिता की किस धारा के तहत आता है ?

वैसे अयोध्या में राम मंदिर के लीकेज से पहले यहां भाजपा की छत में भी लीकेज हुआ है और राम जी ने इसकी सजा भाजपा को यानी मंदिर निर्माण करने वाली राष्ट्रहितैषी पार्टी को चुनाव हारकर दे दी है। ये बात और है की भाजपा इस सजा को भी राम जी का प्रसाद और अनुकम्पा मानती है। ये भाजपा की और चम्पत राय की दरियादिली है। आजकल की अदावत की राजनीति में दरियादिली की सख्त जरूरत है। विपक्ष ने भी लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतदान न कराकर दरियादिली का मुजाहिरा किया ही है।

अयोध्या से यदि आप दिल्ली आएं तो यहां अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गाँधी हवाई अड्डे पर टर्मिनल -1 की छत लीक हो रही है

और पार्किंग की छत तो टपक ही गयी। मेरा मानना है कि इसके लिए इंदिरा गाँधी ही जिम्मेदार निकलेंगी । यदि उनके नाम की वजाय ये हवाई अड्डा किसी भाजपा नेता के नाम पर होता तो शायद न छत लीक होती और न छत टपकती। वैसे पीने के पानी को लेकर हाय ! हाय !! कर रही पूरी दिल्ली ही इस समय लीक हो रही है । आम आदमी से लेकर खास आदमियों के घर में पानी घुस चुका है । सड़कें यमुना की सगी बहनों की तरह सड़कों पर बह रही है। किसी की क्या मजाल की कोई इस पानी को रोक सके । पानी को रोकने के लिए तो कोई स्विच भी नहीं होता अन्यथा सरकार ओम बिरला ने जिस तरह से राहुल गांधी की बोलती बंद कर दी ठीक उसी तरह पानी की बोलती भी बंद करा देती।

लीकेज और टपका-टपकी केवल दिल्ली का ही मसला नहीं है। हमारे मध्यप्रदेश में जहां डबल इंजिन की सरकार है वहां भी जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च एक कर के ऊपर आ गिरा। कार का कचूमर निकल गया ठीक उसी तरह जिस तरह देश की जनता का कचूमर पिछले एक दशक से निकल रहा है और जनता है कि मुस्कराये जा रही है ,फिर से पुरानी सरकार को सत्तारूढ़ देखकर। अब जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च टपकने के लिए हमारे पहलवान मुख्यमंत्री डॉमोहन यादव को तो जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता । इसके लिए तो पूर्व के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ही दोषी माना जाना चाहिए ,लेकिन कर-चोर मौसेरे भाई होते है। कौन -किसे जिम्मेदार ठहराए इसको लेकर भी विवाद खड़ा हो सकता है।

अब आइये बिहार चलते हैं। यहां नालंदा विश्व विद्यालय को नव जीवन दिया गया है। यहां से ही नीट का पेपर लीक हुआ है जो हमारी मोशा सरकार के गले की हड्डी बन गया है। चूंकि बिहार सरकार की बैशाखी पर मोशा की सरकार टिकी है इसलिए नीट पेपर लीक को लेकर सरकार संसद में बहस करने से कन्नी काट रही है। कन्नी होती ही काटने के लिए है। बिहार में पेपर ही लीक नहीं होते बल्कि पूरे के पूरे पुल ही बह जाते है। अभी तक तीन-चार पुल तो बह चुके हैं। अब भाजपा और जेडीयू के बीच जो नया पुल बना है वो कितने दिन टिकेगा इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। माननीय गारंटी महोदय भी नहीं। बिहार का और गारंटी का कोई रिश्ता नहीं है। बिहार न नीतीश कुमार की गारंटी दे सकता है और न तेजस्वी यादव की। चिराग पासवान हों या जीतन माझी। कोई भी गारंटी देने का खतरा मोल नहीं ले सकते। पता नहीं कब,किसे ,किसके साथ खड़ा होना पड़े? वैसे लीकेज सचमुच है ही विश्वव्यापी समस्य । आपको याद है न कि एक विकीलीक्स हुआ करती है ,जो दुनिया भर की सरकारों के बारे में न जाने क्या-क्या लीक करती रहती है। विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे हैं। वे अक्सर जेल आते-जाते रहते हैं। पिछले दिनों अमेरिका ने उन्हें अपनी जेल से रिहा कर दिया। अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुई डील के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक्योरिटी जेल से छोड़ दिया गया है। रिहाई के बाद असांजे अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया चले गए। लेकिन हमारे देश में किसी भी लिक्बाज को न पकड़ा जाता है और न सजा होती है ,क्योंकि हमारे यहां लीक करना एक कुटीर उद्योग है। ये यूपी,बिहार,मध्यप्रदेश,राजस्थान ही नहीं बल्कि दिल्ली तक में बाकायदा सरकारी संरक्षण में पनपता है ,भले ही सरकार कांग्रेस की हो या भाजपा की। लीकेज का धंधा बिना सरकारी सारंक्षण के चल ही नहीं पाता ,लेकिन इस हकीकत को हमारी संसद सुनना नहीं छति और सरकार स्वीकार करना नहीं चाहती।

मेरा तो मशवरा है कि न सिर्फ केंद्र में बल्कि राज्य में लीकेज की समस्या को देखते हुए एक पृथक मंत्रालय की स्थापना कर देना चाहिए। एक अलग मंत्री लीकेज के मामले को देखे । रोज-रोक सीबीआई कहाँ तक लीकेज के मामले दिखेगी ? सीबीआई के पास विपक्षियों की धर-पकड़ का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण काम पहले से ही है। मै तो कहता हूँ कि उन्हें भी लीकेज के मामले में संसद पर बहस करने पर जोर नहीं देना चाहिए,उन्हें सड़कों पर उत्तर कर पीड़ितों के बीच खड़े होकर संसद के बाहर लीक काण्ड पर बहस करना चाहिए। संसद भीतर की बहस से नहीं बल्कि बाहर होने वाली बहस से हिलती है। भीतर तो उनका माइक सरकार बंद करा सकती है किन्तु बाहर ऐसा करना सरकार के लिए भी मुमकिन नहीं है।

आपकी हो या न हो किन्तु मेरी स्पष्ट धारणा है कि देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए। 240 पार वाली सरकार ये सब नहीं कर सकती। बहरहाल हम देश के नौजवानों के लिए प्रार्थना ही कर सकते हैं कि उनकी परीक्षाओं के पेपर लीक न हों। हम देश के हवाई अड्डों ,पुलों, मंदिरों और नई नवेली संसद के लिए भी प्रार्थना ही कर सकते हैं कि वे न लीक हों और न टपकें और न बहें। हम नहीं जानते कि प्रार्थनाओं में कितना दम होता है ,लेकिन हमें इसके अलावा कुछ और आता ही कहाँ है ?

संपादकीय

राष्ट्रपति के अभिभाषण का सार

भारत के संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण की परंपरा वर्षों पुरानी है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, लोक सभा के प्रत्येक आम चुनाव के बाद, पहले सत्र में सदस्यों के शपथ ग्रहण करने और सदन का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करता है। यह अभिभाषण सरकार का नीति वक्तव्य होता है। इसमें सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख रहता है, इसलिए सरकार के द्वारा ही इसके मसौदे को तैयार किया जाता है। परंपरा तो यह रही है कि इस सबसे गरिमापूर्ण औपचारिक कार्यवाही के दौरान विपक्ष शांतिपूर्ण ढंग से इसे सुनता है। अभिभाषण के बाद जब सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है तो विपक्षी सांसदों को अपनी आपत्तियों और असहमतियों को दर्ज कराने का अवसर मिलता है लेकिन देखा जा रहा है कि कुछ वर्षों से राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्षी दलों के सांसद सदन में शोरगुल करते हैं और हंगामा बरपाते हैं। अठारहवीं लोक सभा में जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के पिछले दस वर्षों के कामकाज और उपलब्धियों का जिक्र किया तो विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में शोरगुल मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति को निवेदन करना पड़ा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से उनके अभिभाषण को सुनें। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस समय के सबसे ज्वलंत राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में पेपर लीक की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं को बहुत गंभीरता से लिया है और इसे रोकने के लिए कड़े उपाय कर रही है। जाहिर है कि पेपर लीक का मामला सीधे-सीधे देश के छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। निश्चित रूप से सरकार को ऐसे सख्त कदम उठाने चाहिए कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं।

कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है।

होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति।

आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूंढ रहे हैं।

डेटा-संचालित प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की चुनौती

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सालाना 29 जून को सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रोफेसर पीसी महालनोबिस के अतुलनीय योगदान को ध्यान में रखकर उनके सम्मान में मनाया जाता है। ये विषय राष्ट्रीय सांख्यिकीय प्रणालियों में आमजनों द्वारा विश्वास करने, सरकार व निजी क्षेत्र का आधिकारिक डेटा को सुरक्षित करने, नवाचार और सार्वजनिक डेटाबेस प्रबंधन के महत्व को दर्शाता है। प्रो. महालनोबिस को भारतीय सांख्यिकी का जनक माना गया है। पहला राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सन 2007 को मनाया गया था। पिछले वर्ष-2023 की थीम थी ह्यसतत विकास लक्ष्यों की निगरानी के लिए राज्य संकेतक ढांचे को राष्ट्रीय संकेतक ढांचे के साथ संरेखित करनाह्न। सरकारी स्तर पर सांख्यिकी दिवस समसामयिक राष्ट्रीय महत्व के विषय वस्तु पर मनाया जाता है।

राष्ट्रीय विकास में आधिकारिक सांख्यिकी के महत्व को उजागर करने के लिए ये दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। आज कई जगहों पर सेमिनार, चर्चाएं और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगे, जहां लोगों को सांख्यिकी के संबंध में जागरूक किया जाएगा। किसी भी प्रतिष्ठान या व्यावसायिक गतिविधियों की पारदर्शी कार्यशैली की नींव उसके सांख्यिकी या डाटा से पहचानी जाती है। नागरिक समाज, निजी क्षेत्र, परोपकारी निकायों, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय एजेंसियों, भू-स्थानिक समुदाय, मीडिया जैसे तमाम पेशेवर निकायों की विश्वसनीयता उनकी सांख्यिकीय पर निर्भर करती हैं। डिजिटल डेटा और प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं में खपलेबाजी आधुनिक समय की बड़ी समस्याओं में गिनी जाने लगी है।

इस दिवस के महत्व की जहां तक बात है, तो रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी के उपयोग को लोकप्रिय बनाना और देशवासियों को इस बाबत जागरूक करना की सांख्यिकी नीतियों को आकार देने और तैयार करने में कैसे मदद करती है। 29 जून को प्रोफेसर महालनोबिस की जयंती भी होती है जिनका सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में योगदान अमूल्य रहा है। महालनोबिस का जन्म 29 जून 1893 को कलकत्ता में एक धनी और शैक्षणिक रूप से उन्मुख बंगाली परिवार में हुआ था। उन्होंने भौतिकी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए लंदन चले गए थे। उन्होंने भौतिकी में अपना ट्रिपोस पूरा किया और मानव विज्ञान और मौसम विज्ञान में समस्याओं को हल करने में सांख्यिकी की प्रभावकारिता की खोज की थी। उनका निधन 28 जून 1972 को कलकत्ता में 78 वर्ष की आयु में हुआ था। सांख्यिकी दिवस पर सामाजिक-आर्थिक नियोजन में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में जन जागरुकता बढ़ाना, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच रिपोर्ट, कार्यक्रम, कार्यान्वयन, निगरानी आदि सभी का प्रबंधन सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन की प्रस्तुति देना भी होता है।

सांख्यिकी दिवस-2024 की थीम है ह्यनिर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोगह्न। केंद्रीय बजट में सांख्यिकी की सबसे बड़ी भूमिका होती है। बजट निमार्ण में केंद्र सरकार तमाम प्रख्यात सांख्यिकीविदों को इसलिए शामिल करती हैं ताकि उनके अनुभव से डेटा एक विश्वसनीय प्रारूप तैयार किया जाए। जिसे वित्त मंत्री द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाता है। सांख्यिकी शब्द का दो प्रकार से प्रयोग होता है। बहुवचन के स्वरूप में यह परिमाणात्मक जानकारी या आंकड़ों को व्यक्त करता है। वहीं, एकवचन के स्वरूप में ये शब्द सांख्यिकीय विधियों का दूसरा नाम है। यहां इसका अर्थ आंकड़ों के संकलन, संगठन, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण और निर्वचन का शास्त्र या विज्ञान भी होता है। भारत में सांख्यिकी के वर्तमान अध्यक्ष प्रो. राजीव लक्ष्मण करंदीकर हैं, जिन्हें 30 नवंबर 2022 को तीन साल की अवधि के लिए केंद्र सरकार ने आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

सांख्यिकी दिवस मनाने से सांख्यिकीविदों, सरकारी संगठनों, नीति निमार्ताओं और अन्य एजेंसियों को वर्तमान डेटा-संचालित दुनिया में उच्च गुणवत्ता वाले डेटा और सांख्यिकी के मूल्यों को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है। सांख्यिकी स्वास्थ्य सेवा, अर्थशास्त्र, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में एक शानदार भूमिका निभाती है। यह न केवल दुनिया की जटिलताओं को समझने में मदद करती है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी नीतियों के विकास में भी मदद करती है। सांख्यिकी साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

- डॉ. रमेश ठाकुर(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्दा : संसद में बेमतलब के नारे

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवतः जान बूझकर गलत दर्शायी गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अखेका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए हाल में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए।

सबसे पहले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रास्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थित इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार करके पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है।

इसी प्रकार, भारत में हाल में संपन्न हुए लोक सभा चुनाव पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है आदि, परंतु भारतीय मतदाताओं ने चुनाव में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ संपन्न हो गए। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है, जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है।

दरअसल, पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरोद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोर कसर नहीं छोड़ती हैं। कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था। इस सूचकांक में बताया गया था कि भारत की तुलना में श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान, इथियोपिया, नेपाल, भूटान आदि देशों में भुखमरी की स्थिति बेहतर है अर्थात सर्वे में शामिल किए गए 121 देशों की सूची में श्रीलंका का स्थान 64वां, म्यांमार का 71वां, बांग्लादेश का 84वां, पाकिस्तान का 99वां, एथीयोपिया का 104वां एवं भारत का 107वां स्थान बताया गया था जबकि पूरा विश्व जानता है कि श्रीलंका, पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी है। फिर किस प्रकार ऐसे सूचकांक बनाकर वैश्विक स्तर पर जारी किए जा रहे हैं। आभास हो रहा है कि भारत की आर्थिक तरक्की को विश्व के कई देश अब सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत के बारे में ऐसे सूचकांक जारी कर भारत की साख को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। सवाल पैदा होता है कि अब कौन इस प्रकार के सूचकांकों पर विश्वास करेगा।

यह भी बताया जा रहा है कि इस सूचकांक को आंकने के लिए भारत के 140 करोड़ नागरिकों में से 3000 नागरिकों को ही इस सर्वे में शामिल किया गया था। इस प्रकार सर्वे का सैम्पल बनाते समय भारत जैसे विशाल देश के लिए अपर्याप्त संख्या का उपयोग किया गया। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था 'स्टैंडर्ड एंड पूअर' ने हाल में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकलन करते हुए भारत के संबंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक करते हुए कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास संबंधी विभिन्न पैमानों आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं राजकोषीय घाटे को कम करने से संबंधित आंकड़ों एवं प्रयासों का गंभीरता से लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रही है। वैश्विक पटल पर पश्चिमी देशों की विभिन्न संस्थानों द्वारा भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव रखने के चलते समय आ गया है कि भारत विभिन्न पैमानों पर अपनी रेटिंग तय करने के लिए अपने सूचकांक विकसित करने पर विचार करे क्योंकि वैश्विक स्तर पर पश्चिमी देशों द्वारा जितने भी सूचकांक तैयार किए जा रहे हैं, उनमें भारत के संदर्भ में वस्तुस्थिति का सही वर्णन नहीं किया जा रहा है।

जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक में अधिकारियों को निर्देश

अवैध कोयला खनन वाले हॉट स्पॉट पर करें छापेमारी : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद की डीसी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक हुई। बैठक बैठक में डीसी व एसएसपी एचपी जनार्दनन ने कोयला समेत अन्य खनिजों के अवैध खनन, परिवहन, भंडारण की रोकथाम के लिए धंधे में लिप्त लोगों के खिलाफ केस दर्ज का निर्देश दिया। डीसी ने पदाधिकारी से कहा कि अवैध कोयला खनन के जितने भी चिह्नित हॉटस्पॉट हैं उन स्थानों पर लगातार छापेमारी । धंधेबाजों पर एफआईआर दर्ज करने के साथ ही अवैध मुहानों पर डोजरिंग सुनिश्चित कराएं। जॉइंट टीम को इस दिशा में तत्परता के

साथ काम करे। अवैध धंधे में लगे वाहनों का ब्लैक लिस्टेड करें। सभी सीओ से कहा कि जहां भी अवैध खनन व कोयला तस्करी की सूचना मिले पुलिस के साथ जाकर वहां छापेमारी ।सड़कों पर भी जांच अभियान चलाएं. कार्रवाई के बाद इसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय को अवश्य दें।

खनन क्षेत्र में अनाधिकृत प्रवेश पर लगाएं रोक

बैठक में डीसी ने खनन क्षेत्र में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने इसके लिए बीसीसीएल के पदाधिकारियों को उन इलाकों में सीसीटीवी, हाई मास्क लाइट, एरिया बाउंडरी समेत अन्य व्यवस्था करने को कहा। वहीं, एसएसपी एचपी जनार्दनन ने कहा कि सभी सीओ हर 15 दिन पर अपने-अपने क्षेत्र के थाना प्रभारी के साथ बैठक करे खनिज संपदाओं के अवैध कारोबार रोक लगाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी डीएसपी को निर्देशित किया कि अवैध कारोबार से संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करें। बैठक में सीआईएसफ व स्पेशल ब्रांच के पत्रों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की गई। बैठक में सीआईएसएफ के डीआईजी, सीनियर कमांडेंट, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी, डीटीओ, जिला खनन पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जमीन विवाद में झड़प चाकू मारकर दो युवकों को किया घायल

कोडरमा : जिले में जमीन विवाद के मामला में झड़प के बाद चाकू मारकर दो युवकों को घायल कर दिया गया। मामला जयनगर थाना क्षेत्र के सोनपुरा का है, जहां शुक्रवार रात जमीन विवाद में झड़प और मारपीट हुई। जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हुई और फिर मारपीट चाकूबाजी में बदल गई। इस घटना में दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों के बीच पिछले कई सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में जमकर मारपीट हुई। एक ही दिन में दो बार मारपीट हुई और दोनों बार चाकूबाजी हुई। रात को यह विवाद झुमरीतिलैया शहर तक पहुंच गया। विवाद में झुमरीतिलैया के व्यस्ततम इलाके पूर्णिमा टॉकीज के पास चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया गया। बताया गया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के दो लोगों को बीच बाजार में चाकू मारकर घायल कर दिया। चाकू मारने की घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई, वहीं किसी ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर चाकूबाजी में शामिल पांच लोगों को घटनास्थल से पकड़ लिया, वहीं घायल दोनों युवकों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने वहां से चाकू भी बरामद किया है।

सीमा बल ने पशु चिकित्सा शिविर लगाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रांची के सचिन कुमार द्वितीय कमान अधिकारी के निदेर्शानुसार ईसमवाय डोंगीडीह के द्वारा गांव तमराना में डा. जे. के. शर्मा, की अध्यक्षता में लोक काल्याण कार्यक्रम के तहत पशु चिकित्सा शिविर चलाया गया जिसमें तमराना गांव के पशुओं को मुफ्त इलाज के साथ दवा भी वितरित की गई। इस पशु चिकित्सा शिविर में सशस्त्र सीमा बल के डा. जे. के. शर्मा, (कमांडेंट वेटेरिनरी) व उनकी टीम के अलावा समवाय कमांडर श्री सोमेन गोराई व अन्य 15 कार्मिक मौजूद रहे। इस पशु चिकित्सा शिविर से लगभग 25से 35 ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। सशस्त्र सीमा बल द्वारा समय - समय पर चिकित्सा शिविर लगाये जाते हैं जिससे कि स्थानीय ग्रामीणों को लाभ मिल सके।

झारखण्ड सरकार

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा।

शुद्धि पत्र

PR 327608 Fish (24-25)D द्वारा प्रकाशित जाल की अति अल्पकालीन निविदा खोलने का समय 11:30 बजे अपराह्न को सुधार करते हुए 11:30 बजे पूर्वाह्न पढ़ा जाए। इसे इस हद तक संशोधित समझा जाए।

PR 328138 Fish (24-25)D

जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, लोहरदगा।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार के दिन रांची पुरुलिया मुख्य पथ पर सिल्ली थाना से महज दो सौ मीटर की दूरी पर एक बुलेट जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जे एच 01ई वाई 3670 और डिस्कवर मोटरसाइकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जे एच 01 एडी 7839 की आमने-सामने टक्कर हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डिस्कवर मोटरसाइकिल चलाने वाले युवक सुदेश महतो उम्र 19 वर्ष पिता राजेश महतो मैसूडीह निवासी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। डिस्कवर पर पीछे बैठे युवक मंशाराम महतो, उम्र 17 वर्ष, पिता बसंत महतो, टुटकी नवाडीह निवासी का एक पैर टूट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक अपने घर से मुरी की ओर किसी काम के लिए जा रहे थे।बुलेट में सवार बंता निवासी कपिलदेव गोप,उम्र 25 वर्ष, पिता शीतल अहीर एवं पीछे बैठी युवती नीलू कुमारी, उम्र 19 वर्ष, पिता बेनी सिंह मुंडा तथा परी कुमारी, उम्र 15 वर्ष, पिता मोती सिंह मुंडा भी घायल हो गए। सिल्ली पुलिस को सूचना मिलते ही थाना के अवर निरीक्षक पंकज कुमार यादव घटनास्थल पहुंचे और सभी घायलों को सिल्ली सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया जहां सुदेश महतो को डॉक्टर विवेक कुमार के द्वारा मृत घोषित किया गया और अन्य घायलों को बेहतर इलाज हेतु रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बेहतर इलाज हेतु घायलों को सिंगपुर नर्सिंग होम ले गए।

जेबीकेएसएस/जेएलकेएम की हुई सिल्ली विधानसभा स्तरीय बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति समर्पित पार्टी झारखंडी लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का सिल्ली विधानसभा स्तरीय पूर्व घोषित तिथि 28 जून को बैठक किया गया। जिसकी अध्यक्षता गुहीराम स्वांसी और संचालन हरेकृष्ण महतो ने की। इस बैठक में सिल्ली विधानसभा चुनाव क्षेत्र में प्रत्याशी के नाम के प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया गया। सभी ने सिल्ली विधानसभा प्रत्याशी के रूप में राजू महतो को ज्यादा से ज्यादा समर्थन दिया और कहा कि राजू महतो दिन रात पार्टी के काम में लगे रहते हैं और सिल्ली की जनता की आवाज हमेशा बनते है। कुछ लोगो ने उसे एक छोटा टाइगर कहा और बताया कि राजू महतो हमलोगो की

समस्या के साथ रात हो या दिन हमेशा खड़ा रहते हैं। चाहे वो अस्पताल की बात हो, सड़क दुर्घटना की बात हो या फिर झारखंड में बंदी के समर्थन की बात हो सभी जगह उभरकर सामने खड़ा हुए हैं। जेबीकेएसएस पार्टी के केंद्रीय आदेश को भी बखूबी निभाया है जैसे रामगढ़ प्रभारी का काम हो या गिरिडीह लोकसभा प्रभारी की बात हो। सभी कार्यों में चुपचाप अपना खून, पसीना, पैसा और समय के साथ साथ दिन रात मेहनत करके पार्टी को सींचने का काम किया है। इसीलिए पहला दावेदारी सिल्ली विधानसभा चुनाव में राजू महतो का ही होना चाहिए। इसी बीच रितेश महतो जी ने भी अपनी विचार दिया और कहा कि इन सभी के बीच हम सभी को साथ साथ प्रखंड विस्तार भी करना होगा और आगे केंद्रीय टीम को सूची भेज दिया जाए जिसमें उन्होंने अपना भी प्रस्ताव दिया।

झारखण्ड सरकार

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला।

SP आवास के पास, करमटोली रोड, गुमला–7209721521 Email Id- fisheriesgumla2018@gmail.com

मत्स्य जीवी सहयोग समितियाँ अथवा उनके सदस्यों के लिए आम सूचना

एतद् द्वारा गुमला जिले के सभी मत्स्यजीवी सहयोग समितियों अथवा उनके सदस्यों को सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग), झारखण्ड सरकार के राज्यादेश सं0– 07/रा0(वि0), दिनांक 19.06.2024 द्वारा राज्य योजनान्तर्गत मत्स्य विपणन योजना के द्वारा गुमला जिला को शीर्ष–796–जनजातीय क्षेत्र उपयोजना अन्तर्गत 02 मछली परिवहन हेतु चार पहिया भार वाहक वैन के लिए लक्ष्य प्राप्त है । इस योजना के लाभ हेतु विहित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किया जाता है ।

नियम एवं शर्तें :–

1. लाभुकों का चयन जिला स्तर पर इस प्रयोजनार्थ गठित समिति के द्वारा किया जाएगा।
2. लाभुक द्वारा कम से कम मो0 06.00 (छः लाख) रू0 का भार वाहक वैन खरीदने का आवेदन दिया गया हो ।
3. आवेदक/आवेदक समिति मछली विपणन कार्य अथवा मछली के बीज का परिवहन करती हो ।
4. आवेदक/आवेदक समिति अपना अंशदान लगाने में सक्षम हो ।
5. आवेदक मत्स्य जीवी सहयोग समिति का सदस्य हो ।
6. दिव्यांग होने की स्थिति में आवेदक को असैनिक शल्य चिकित्सक द्वारा निर्गत दिव्यांगता का प्रमाण पत्र हो ।
7. वैस लाभुक जिन्हें चारपहिया भार वाहक वैन अनुदान पर दिया जायेगा, उन्हें अन्य उपकरणों के कय पर कोई अनुदान देय नहीं होगा ।
8. योजना के तहत् चयनित प्रत्येक लाभुकों का escrow account संबंधित जिला मत्स्य पदाधिकारी के द्वारा अनिवार्य रूप से खोला जाएगा एवं अनुदान की राशि escrow account में ही हस्तांतरित की जाएगी । अंतिम रूप से चयनित होने के उपरान्त लाभुकों को भी अपना अंशदान escrow account में 01(एक) माह के अन्दर जमा करना अनिवार्य होगा । लाभुक अंशदान जमा होने के उपरांत ही लाभुकों को वाहन/उपकरण के कय/प्राप्त करने की अर्हता प्राप्त होगी । लाभुक अंशदान जमा होने के उपरान्त ही लाभुकों को वाहन/उपकरण के कय/प्राप्त करने की अर्हता प्राप्त होगी । आवेदक/आवेदक समिति के द्वारा लाभुक अंशदान संबंधित escrow account में जमा कराना सुनिश्चित् किया जाएगा । वाहन/उपकरण इत्यादि के आपूर्ति के उपरान्त लाभुक अंशदान एवं अनुदान की राशि एकमुश्त आपूर्तिकर्त्ता के बैंक खाता में हस्तांतरित की जाएगी।
9. अनुदान की राशि नियमानुसार चयनित लाभुकों के बैंक खाते में DBT के माध्यम् से हस्तांतरित किया जाएगा ।

आवेदन प्रपत्र प्राप्ति (निःशुल्क) का स्तोत – जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला ।
आवेदन प्रपत्र जमा करने का स्थान – जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला (कार्यालय अवधि में)
आवेदन प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि – 10.07.2024.

PR.NO.328208 Fish(24-25):D

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला

आजसू पार्टी ने 11 सूत्री मांगों को लेकर बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : आजसू के जिला सचिव सह गुमला विधानसभा प्रभारी बोनिफास कुजूर के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने 11 सूत्री मांग को लेकर चैनपुर बीडीओ यादव बैठा को ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि जमीन संबंधी दाखिल खारिज हेतु अंचल कार्यालय में जमा आवेदन का अभिलंब निष्पादन किया जाए। साथ ही पंजी 2 में दर्ज जीरो प्लॉट की समस्या का जल्द से जल्द उचित एवं आवश्यक कार्रवाई की जाए। वर्तमान में अबूवा आवास हेतु चयन में पारदर्शिता लाई जाए तथा जरूरतमंद एवं निर्धन परिवार को इसका समुचित लाभ मिल सके।मनरेगा अंतर्गत संचालित सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन एवं भुगतान यथाशीघ्र किया जाए ताकि वर्षा से पहले कार्य को पूर्ण किया जा सके। ज्ञापन में कहा गया है कि सभी राशन कार्ड धारी को राशन समय पर आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा राशन में कटौती बंद किया जाए। छात्र-छात्राओं के छात्रवृत्ति हेतु आय एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनाने में शीघ्रता लाई जाए ताकि गरीब एवं निर्धन परिवार के छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति से वंचित न हो। प्रखंड में बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है अतः भीषण गर्मी को देखते हुए प्रखंड में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में पदस्थापित समस्त कर्मियों की उपस्थिति सरकारी नियम अनुसार सुनिश्चित किया जाए ताकि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोगों को परेशानी ना हो। सरकारी योजनाओं में झारखंड आंदोलनकारी एवं उनके परिवारों को प्राथमिकता दी जाए। सभी पेंशनधारियों का भुगतान नियमित एवं निर्बाध रूप से किया जाय। प्रखंड के खराब पड़े सभी चपकालों को जल्द से जल्द ठीक करने की मांग की है ज्ञापन में कहा गया है कि समस्या का समाधान नहीं होने पर पार्टी द्वारा आंदोलन किया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से केंद्रीय सचिव सह गुमला विधानसभा प्रभारी बोनीफास कुजूर, जिला सचिव सद्दाम, जिला उपाध्यक्ष पवन तिग्गा , महिला जिला उपाध्यक्ष जीविता बड़ा पिंक्की कुजूर प्रखंड महिला अध्यक्ष माधूरी एक्का, प्रखंड महिला सचिव जन्नतुन खातून दिलबाग कुमार, अमित एक्का मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सरिया में मंगल प्रवेश, महिलाओं ने कलश लेकर की आगवानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया(गिरिडीह): जैन मुनि 108 श्री सुयश सागर जी महाराज का सरिया में मंगल प्रवेश शनिवार की सुबह 8:00 बजे हुआ। सरिया के दिगंबर जैन समाज के युवा उनके साथ जंगल मार्ग होते हुए कोसों दूर से सरिया पहुंचे। जहां आनंद भवन आश्रम के पास समाज की दर्जनों स्त्रियों द्वारा कलश लेकर उनकी अगवानी की गई। इस दौरान जैन मुनि देख लो प्यार करना सीख लो, जय जिनेंद्र, जियो और जीने दो,अहिंसा परमो धर्मः, जैन धर्म की जय जयकार विश्व धर्म की जय जयकार आदि नारे लगाए जा रहे थे.सरिया में जगह-जगह मुनि जी का पद पर छाले हुआ. इसके पश्चात बड़े मंदिर की तथा छोटे मंदिर की में महाराज सुयश सागर जी के द्वारा शांति धारा करवाया गया संध्या 3:00 बजे से प्रवचन तथा शाम को णमोकार मंत्र का पाठ महाराज जी के द्वारा कराया गया. विमल नाथ भगवान का मोक्ष कल्याण भी माना इस दौरान जैन मंदिर में लड्डू चढ़ाया गया। जैन समाज के राजेश जैन ने बताया कि महाराज सुयश सागर जी का सरिया में 5 दिनों तक कार्यक्रम चलेगा। महाराज जी के मंगल प्रवेश के दौरान अगवानी में राजेश जैन,सचिन जैन, विक्की जैन, निक्कू जैन,सुनील झांझरी, पवन जैन,संजू जैन, मिंटू जैन, अंबर जैन, प्रवीण जैन,अजीत जैन, मोनिला जैन, अनामिका जैन, सरिता जैन, राजीव जैन, रेनू जैन, नेहा जैश, रीतु जैन, सुशीला देवी जैन, रूपल जैन,सोमा जैन आदि शामिल थे।

झारखण्ड सरकार

कार्यालय जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची

फीड बेस्ड फिशरीज

वर्ष 2024–25 अंतर्गत सूचना

एतद् द्वारा राँची जिला के मत्स्यकृषकों/केज मत्स्यपालकों को सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0 04, दिनांक 30.05.2024 के द्वारा निर्गत तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना वर्ष 2024–25 अंतर्गत राँची जिला के मत्स्य कृषकों के लिए फीड बेस्ड फिशरीज के लिए मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालकों/आर0ए0एस0/बॉयोफ्लॉक/बॉयोफ्लॉक तालाब के मत्स्य पालकों को अतिरिक्त मछली के उत्पादन हेतु अनुदान पर फ्लोटिंग फिश फीड के कय पर निम्नांकित तालिका के अनुरूप अनुदान उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान किया गया है। योजना का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है :–

क्र0 सं0	कय किये जाने वाले फीड का प्रकार	ईकाई वार लक्ष्य (टन में)		सुसंगत विवरण
		796	789	
1	झास्कोफिश/टैगोनीय फिश फीड मिल/P.M.M.S.Y. अंतर्गत निर्मित फिश फीड मिल से फ्लोटिंग फीड का कय	10	05	1) मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालकों को मछली के उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत् अथवा 25/– रू0 प्रति कि0ग्रा0 अधिकतम अनुदान पर कम–से–कम 24% प्रोटिन गुणवत्तायुक्त 2 एम0एम0 से बड़े 4 एम0एम0 तक का फिश फीड उपलब्ध कराया जाएगा। 2) विभाग द्वारा स्थापित फिश फीड मिल अथवा झास्कोफिश से उत्पादित फिश फीड अथवा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत सरकारी अनुदान से स्थापित फिश फीड मिल से उत्पादित फीड पर ही चयनित कृषकों को फीड के रूप में ही दिया जाएगा।
2	2 एम0एम0 अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फिश फीड का कय	55	–	1)राँची जिला के मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालकों को 24% प्रोटिन गुणवत्तायुक्त 2 एम0एम0 अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फिश फीड (खुले बाजार से) कय पर अधिकतम 50 प्रतिशत अथवा 25/– रू0 प्रति किलोग्राम फिश फीड के दर से अनुदान देय होगा। 2) एक लाभुक को अधिकतम कुल 700 किलोग्राम फिश फीड के कय पर अधिकतम 17,500/– रू0 का समानुपातिक लाभ देय होगा। जिसका भुगतान डी0बी0टी0 के माध्यम से किया जाएगा।
3	2 एम0एम0 से बड़े एवं 4 एम0एम0 तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फिश फीड का कय	75	–	1) राँची जिला के केज मत्स्य पालकों को दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए 24% प्रोटिन गुणवत्तायुक्त 2 एम0एम0 से बड़े 4 एम0एम0 तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) के कय पर अधिकतम 1200 कि0ग्रा0 के लिए 50 प्रतिशत् अथवा अधिकतम 25/– रू0 प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अधिकतम 30,000/– रू0 अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जाएगी।
4	4 एम0एम0 तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फिश फीड का कय	क्रमांक 2 एवं 3 के अंतर्गत	–	1) रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम में दूसरे (Second) crop के मछली उत्पादन हेतु एक लाभुक को 90m[3] के 1 टैंक (अधिकतम 08 टैंक) के लिए अधिकतम कुल 650 कि0ग्रा0 प्रति टैंक 4 एम0एम0 तक साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के कय पर 50 प्रतिशत् अथवा 25/– रू0 प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी। 2) बॉयोफ्लॉक टैंक में दुसरे (Second) crop के मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को 10m[3] के प्रति टैंक (अधिकतम 50 टैंक) के लिए अधिकतम 100 कि0ग्रा0 प्रति टैंक के दर से 4 एम0एम0 तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के कय पर 50 प्रतिशत् अथवा 25/– रू0 प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जाएगी। 3) बॉयोफ्लॉक तालाब (0.1 हे0) में दुसरे crop के मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को अधिकतम 2000 कि0ग्रा0 प्रति तालाब (0.1हे0) के दर से 4 एम0एम0 तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के कय पर 50 प्रतिशत् अथवा 25/– रू0 प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जाएगी।

दुसरे Crop के लिए अनुमान्य अनुदान के लिए लाभुक को अपने पिछले Crop के आंकड़े यथा मत्स्य बीज संचयन का विवरण संचित मत्स्य बीज की संख्या मछलियों की वृद्धि एवं उत्तरजीविता तथा उपलब्ध एवं बिक्री की गई मछलियों के आंकड़े प्रस्तुत करने होंगे।

अनुदान का लाभ (जहाँ अनुदान नगद भुगतान के रूप में देय है) G.S.T. Billing के माध्यम से वास्तविक रूप से फिश फीड कय के पश्चात् ही देय होगा।

उक्त योजना का लाभ लेने के इच्छुक राँची जिला के मत्स्य कृषक/केज मत्स्य पालक विहित प्रपत्र में जिला मत्स्य कार्यालय, राँची में किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय अवधि में आवेदन जमा कर सकते है।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि – 15.07.2024 (कार्यालय अवधि तक)
आवेदन जमा करने का स्थान – जिला मत्स्य कार्यालय, राँची।
आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, राँची में निःशुल्क उपलब्ध है।

PR.NO.328146 Fish(24-25):D

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, राँची।

नुक्कड़ नाटक जागरूक करने का माध्यम : प्राचार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मादक पदार्थों के सेवन पर रोक के उद्देश्य से शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, बरकाकाना की ओर से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नयानगर तीन नंबर गेट के समीप छात्र-छात्राओं ने नशीले पदार्थ से होने वाले नुकसानों के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दौरान मुख्य रूप से बरकाकाना ओपी प्रभारी मो. अख्तर अली व उनकी टीम शामिल थी। नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य छात्रों और समुदाय के सदस्यों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें इस बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। बच्चों ने नाटक में अपने प्रभावशाली अभिनय कौशल से नशीले पदार्थों के उपयोग से होने वाली शारीरिक, मानसिक और सामाजिक हानियों

को दशार्या। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मो मुस्तफा माजिद ने कहा कि नाटक जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल मनोरंजन का माध्यम होते हैं, बल्कि सामाजिक संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रसारित करने का भी एक महत्वपूर्ण जरिया भी होते हैं। उन्होंने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक होती हैं और समाज को जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता की इस पहल को सभी ने सराहा और इसमें शामिल सभी बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बरकाकाना ओपी प्रभारी मो अख्तर अली ने कहा कि इस आयोजन ने न केवल छात्रों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराया, बल्कि उनके परिवार और समुदाय के सदस्यों को भी इस गंभीर समस्या के प्रति जागरूक किया।

अर्ध निर्मित घर से मिला अधजला शव

बोकारो : पुलिस ने आज एक और शव एक नवनिर्मित घर से बरामद किया है। शव बरामद होने से इलाके में एक बार फिर दहशत फैल गई है। बरामद शव किसी महिला की है। जिसकी हत्या के बाद जलाने का प्रयास किया गया है।यह शव बोकारो के झोपरो गांव स्थित मुख्य सड़क किनारे अर्धनिर्मित घर में फेंका हुआ था।जो अधजला स्थिति में है। घटना बोकारो जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र के झोपड़ों गांव स्थित दूधीमाटी की है। पुलिस के मुताबिक शव का शिनाख्त नहीं हो सका है,पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज रही है। गृह मालिक किसको बाउरी ने बताया कि जब वे अपने गांव से लौटे तो उन्होंने अपने नवनिर्मित घर को देखने आया तो उसमे शव पड़ी थी जिसके बाद उन्होंने मुखिया के सहयोग से सूचना पुलिस को दी।पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है,करवाई शुरू कर दी है।

एक नजर

पोक्सो एक्ट के आरोपी को तालझारी पुलिस ने भेजा जेल

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र की पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी युवक दीनदयाल मंडल पिता साधु मंडल को थाना क्षेत्र के बालापोखर गांव से गिरफ्तार करने के बाद मेडिकल जांच करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार ने आरोपी युवक का शारीरिक जांच किया जिसके बाद युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसको लेकर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने कहा कि नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी युवक के खिलाफ बीते दिनों 14 जून 2024 को केस दर्ज कराया गया था जहां आरोपी युवक फरार चल रहा था जिसे गुप्त सूचना के आधार पर उसके घर से गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप पर अरशद नसर पर केस दर्ज

साहिबगंज : जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू के द्वारा जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए कहा गया है कि अरशद नसर के द्वारा उनके कार्यालय कक्ष में बैठकर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न किया गया है साथ ही साथ कार्यालय परिसर में झूठमुठ का मजमा लगाकर आंदोलन किया जा रहा है। जहां इस मामले में डीएमओ ने थाना प्रभारी से कानूनी कार्यवाही करने की मांग की थी। उधर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय ने बताया कि डीएमओ के द्वारा दिए गए आवेदन पत्र के आधार पर अरशद नसर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है जहां पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सांप काटने से कुलीपाड़ा निवासी हुआ मूर्छित

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के कुलीपाड़ा निवासी व्यक्ति अहमद अली को सांप काट लेने से मूर्छित हो गया जहां परिजनों की मदद से उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार ने फौरन इलाज किया। उधर मिली जानकारी अनुसार सांप काटे हुए व्यक्ति घर से चाय दुकान जा रहा था तभी अचानक उसके पैर में सांप ने काट लिया जिससे वो मूर्छित हो गया।

संत पीटर उच्च विद्यालय का स्थापना दिवस धूमधाम से मना

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के तुंगा गांव स्थित सेंट पीटर उच्च विद्यालय का स्थापना दिवस समारोह शनिवार को विद्यालय में काफी धूमधाम के साथ मनाया गया बैट और मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि जिसने भी सोचा इस स्कूल की स्थापना के लिए वह बधाई के पात्र हैं इतनी सुंदर स्कूल की स्थापना कर शिक्षा के उत्थान के लिए कार्य किया है उन्होंने कहा कि जिस ऊर्जा से विद्यालय मैनेजमेंट विद्यार्थियों के उत्तर विकास के लिए कार्य कर रहा है परिणाम हम सब के समक्ष है सुदूर गांव कस्बों से आकर छात्र छात्राएं यहां वर्षों से शिक्षा ग्रहण कर उच्च शिक्षा हेतु बड़े-बड़े संस्थानों में चयनित होते हैं यह गर्व का विषय है।

पेयजल के लिये भाजपा ने किया निगम कार्यालय का घेराव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

आदित्युपर : आदित्युपर नगर निगम क्षेत्र में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता और तमाम नागरिकों ने पेयजल की समस्या को लेकर हजारों की संख्या मे बर्तन-बासन और ढोल-नगाड़ों के साथ जनाक्रोश रैली निकाल कर नगर निगम कार्यालय का घेराव किया। आदित्यपुर फुटबाल मैदान में इनका महजुटान हुआ। उसके बाद रैली के रूप मे पैदल मार्च कर सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ नारा लगाते हुए जनसैलाब ने नगर निगम कार्यालय पहुंच कर कार्यालय का घेराव और धरना-प्रदर्शन किया।

सीएम अपने ही क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं देने में विफल : सुबोध

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए रांची से आए भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री एवं वर्तमान जिला संगठन प्रभारी सुबोध कुमार गुड्डू ने कहा कि इस आक्रोश प्रदर्शन में मौजूद जनसैलाब दशार्ता है कि यहां के विधायक सह प्रदेश के मुख्यमंत्री कितने नकारा साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति मुख्यमंत्री रहते हुए अपने गृह क्षेत्र में पानी, बिजली, साफ-सफाई, कानून-व्यवस्था जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता वह झारखंड प्रदेश का क्या भला करेगा।

होल्डिंग टैक्स बढ़ रहा, सुविधाएं घटती जा रहीं : उदय सिंहदेव

जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव ने कहा निगम बार बार होल्डिंग टैक्स बढ़ा रहा है लेकिन सुविधाएं घटती जा रही हैं। आज निगम में जो भी कुछ कार्य होते हुए दिख रहा है वह केंद्र के पैसे से हो रहा है, चंपाई सोरेन सरकार निगम में काम न हो और अपने अधिकारियों के सहारे लूट खसोट करती रहे, इस कारण से नगर निगम का चुनाव ही नहीं करवा रही है।

जनहित के मुद्दे पर संघर्ष हमेशा जारी रहेगा : गणेश महाली

भाजपा नेता गणेश महाली ने कहा कि भले ही वह चुनाव हार गये लेकिन जनहित के मुद्दे पर संघर्ष हमेशा जारी रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि चंपाई सोरेन का झुकाव एक मजहब विशेष के साथ हमेशा रहा है, आज सुबह भी मजहब विशेष के बस्ती में पानी आया लेकिन कालोनी में पानी की सप्लाई नहीं हुई। जबकि भाजपा सबका साथ सबका विकास की बात करती है।

नगर निगम के कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो भाजपा करेगी तालाबंदी

प्रदर्शन को संबोधित करते हुये भाजपा नेता सह पूर्व उपमहापौर बॉबी सिंह ने कहा हमारे समय में गर्मियों मे निगम के छह टैंकर चलते थे आज सिर्फ एक टैंकर चल रहा है। आज जनता की आवाज सुनने वाला निगम में कोई नहीं है, उन्होंने कहा अगर निगम के कार्यशैली मे सुधार नहीं होता है तो भाजपा कार्यकर्ता निगम में तालाबंदी करने का काम करेंगे, भाजपा नेता रमेश हांसदा ने सवाल खड़ा करते हुये कहा मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले जिंदल के अधिकारियों से क्या बात की थी। अगर पानी पर बात की थी तो परिणाम क्यू नहीं निकला। चंपाई सोरेन द्वारा जनता के बीच केवल भेदभाव किया जाता है जो ठीक नहीं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में इनका रहा सहयोग

सभा का संचालन सुनील श्रीवास्तव ने किया, कार्यक्रम को सफल बनाने मे राकेश सिंह, मधू गोराई, मनोज तिवारी, राकेश मिश्रा, मनोज चौधरी, बीरेंद्र सिंह,अमितेश अमर, संजय सरदार, कृष्णा प्रधान, संजीव रंजन, बरजोराम हंसदा, ललन शुक्ल,अजय सिंह, रंजन सिंह, भोगेंद्र झा, देवेश महापात्रा,उषा दीदी, रिंकू राय, प्रभासिनी कालुंडिया, अभिजीत महतो, नीलपद्धम बिश्वास,नथुनी सिंह, जुली महतो, राजरानी महतो, कृष्ण मुरारी झा, कुमुद रंजन,अशोक सिंह, बिजय सोनार, दुर्गा दास,लक्ष्मण राय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पटमदा के हॉल में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : साउथ प्वाइंट स्कूल पटमदा के हांल में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में सीबीएसई के द्वारा रिसोर्स पर्सन के रूप में सिटी कॉ ऑर्डिनेटर व एस डी एम स्कूल के प्राचार्या मौसमी दास और केपीएस स्कूल की प्राचार्या गुरमीत कौर ने भाग लिया। मौके पर विद्यालय के चेयरमैन शिव प्रकाश शर्मा, डायरेक्टर शिवम शर्मा, प्राचार्य अरुण कुमार सिंह के द्वारा अतिथियों को पौधा एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। विधालय के चेयरमैन ने सभी को शुभकामनाएं दी। विद्यालय के प्राचार्य ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि सीबीएसई के द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराया जाता है। इस तरह के आयोजन से शिक्षकों के अंदर आत्मविश्वास के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई की कला विकास होती है। प्रशिक्षण शिविर में अन्य दो विद्यालयों हॉली क्रोर्स की प्राचार्या सिस्टर बिनेटा, काकुली गुहा , चंचल शर्मा के साथ-साथ रांची धनबाद और जमशेदपुर से आए शिक्षकों ने रिसोर्स पर्सन से स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

हेमंत सोरेन को झारखंड हाई कोर्ट से जमानत मिलने की खुशी में झामुमों कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाइयां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : झारखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो के केंद्र कार्यकारिणी अध्यक्ष हेमंत सोरेन शुक्रवार को 5 महीने बाद न्यायालय से जमानत मिलने पर बरहरवा नगर झामुमो कार्यकताओं ने बरहरवा स्टेशन चौक में लोगों के बीच मिठाईयां बांटी एवं एक दूसरे को गुलाल लगाए इस दौरान कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए आतिशबाजी की। इस दौरान स्टेशन चौक में नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो के नेतृत्व में मिठाई बाटकर खुशियों का इजहार किया। नगर अध्यक्ष महतो ने कहा हेमंत सोरेन को जमानत मिलने से कार्यकर्ता में नई ऊर्जा का संचार हुआ है चुनाव आयोग जब चाहे चुनाव करवा ले हम तैयार हैंआगामी विधानसभा चुनाव में भी हेमंत सोरेन की सरकार बनेगी इसका पूर्ण विश्वास व्यक्त करता हूँ। कार्यकत्ताओं ने झारखंड हाई कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो जिला कोषाध्यक्ष शक्ति नाथ अमन मौजूद थे। अमन ने कहा सच्चाई की जीत हुई है कोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जमानत देकर न्याय देने का काम किया है उन्होंने कहा भाजपा द्वारा संठयंत्र रच कर हेमंत सोरेन को जेल में भेजा गया था लेकिन सत्य की जीत हमेशा होती है और आज भी सत्य की जीत हुई है। वहीं मौके पर नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो, नगर सचिव मोहम्मद इकबाल, नगर कोषाध्यक्ष दिनेश सेन, नगर उपाध्यक्ष अजय गुप्ता, बपन साव, नीलकंठ शाह, सुशील सेन, वरुण मंडल, सना ऊल शेख, एनामुल शेख, नीरज महतो, मुन्ना साव, विवेक कुमार, मंगल शर्मा, मुकेश कुमार, मुन्ना यादव, प्रशांत मंडल, अजय पासवान, दिवाकर कुमार महतो, बामा दास, कंचन दे, बाबू साहा, चंदन रजक, कौशल कुमार, सहीत अन्य झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रोफेसर के द्वारा लिखित पुस्तक को प्राचार्य ने किया प्रकाशित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शनिवार को साहिबगंज महाविद्यालय, साहिबगंज के प्राचार्य एस आर आई रिजवी, डॉ प्रमोद, डॉ ध्रुव ज्योति सिंह, डॉ चंद्रशेखर प्रसाद, डॉ अवस्थी, डॉ धर्मेंद्र यादव, चंद्रशेखर प्रमाणिक ने डॉ अनिल कुमार, विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर रसायन शास्त्र विभाग को उनके द्वारा लिखित पुस्तक एडवांसेस इन केमेस्ट्री रिसर्च, फंडामेंटल कॉन्सेप्ट्स ऑफ बायोकेमेस्ट्री, इंट्रोडक्शन टू मेडिसिनल केमेस्ट्री, ए टेक्स्टबुक का इनॉर्गेनिक पॉलीमर केमेस्ट्री, ए टेक्स्टबुक ऑफ ग्रीन केमेस्ट्री, ए टेक्स्टबुक का डेयरी केमिस्ट्री, आदि के प्रकाशित होने पर शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी। प्राचार्य ने कहा कि डॉ अनिल कुमार की यह उपलब्धि उनके कड़ी मेहनत, लगन एवं शैक्षणिक रुचि के कारण संभव हो पाया है।साथ ही डॉड्ड अनिल को इंडियन एकेडमीसियन एंड रिसर्च एसोसिएशन के द्वारा आउटस्टैंडिंग साइंटिस्ट एवं आउटस्टैंडिंग डॉक्टोरल रिसर्च के अवार्ड से नवाजा गया। डॉ धर्मेंद्र ने कहा कि केमिस्ट्री विभाग के लिए यह गर्व की बात है और साहिबगंज के लिए एक मिसाल है। डॉ अनिल ने कहा उपयुक्त पुस्तक स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए विभिन्न सेमेस्टर में उपयोगी होगी साथ ही साथ नई शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम के लिए भी यह पुस्तक सर्वोत्तम होगी। केमिस्ट्री के छात्रों एवम् शोधार्थी के लिए एडवांसेस इन केमेस्ट्री रिसर्च माध्यम से केमिस्ट्री के क्षेत्र में नए-नए आयाम पर अपना शोध करने के लिए उत्प्रेरित होंगे। डॉ कुमार की पुस्तकें ऑनलाइन कमर्शियल साइटों पर उपलब्ध है। ज्ञातव्य हो कि डॉ अनिल कुमार के द्वारा यूट्यूब चैनल ₹हॉटस्पॉट केमिस्ट्री बाई डॉ अनिल कुमार₹ के माध्यम से वे केमिस्ट्री के प्रैक्टिकल एवं थियोरेटिकल ज्ञान गरीब बच्चों में बांट रहे हैं। इन्होंने विभिन्न इंटरनेशनल जनरल में लगभग 80 से ज्यादा पत्र प्रकाशित किए हैं।

वृद्ध व्यक्ति के साथ 12 लोगों ने घर में घुसकर की मारपीट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के महादेवगंज मुस्लिम टोला निवासी वृद्ध व्यक्ति को उसके ही घर में घुसकर 10 से 12 लोगों ने लाठी, डंडे व बांस से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां घायल वृद्ध व्यक्ति की पहचान महादेवगंज मुस्लिमटोला निवासी मो. असीम (60) के रूप में हुई है। उधर मारपीट की घटना में घायल वृद्ध व्यक्ति को आनन फानन में परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. विवेकानंद मंडल ने प्राथमिक इलाज करने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है। उधर घायल वृद्ध व्यक्ति की पत्नी ने जमाल उर्फ ओमा के पुत्र दिलबर पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसके भाई का पुत्र जमाल की बेटी से 20 दिन पूर्व शादी किया है। जहां दोनो में किसी बात पर विवाद होने पर जमाल के पुत्र समेत 10 से 12 लोग घर में घुसकर गाली गलौज कर तोड़फोड़ कर रहा था। वही इसका विरोध करने पर सभी लोग बांस व ईंट से मारकर घायल कर दिया। उधर इस घटना में घायल के बायां हाथ में बांस घुस गया है। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने बताया कि गंभीर रूप से घायल रहने पर वृद्ध व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। उधर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल व हत्या के पांच दोषी को आजीवन कारावास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सोनुआ थाना कांड के दो अलग-अलग मामलों में छह लोगों को कोर्ट ने शनिवार को सजा सुनाई है। सोनुवा थाना कांड संख्या-14/2022 धारा-376(3), भादवि 4/6 पोक्सो एक्ट के अभियुक्त मनोज जामुदा पिता स्व. नाइकी जामुदा, ग्राम खारीमाटी, पोटकासाई के विरूद्ध नाबालिग से दुष्कर्म करने का आरोप दर्ज किया गया था। 27 मई 2022 को रात्रि में अभियुक्त पीड़िता को शादी करने के बहाने अपने घर ले गया और बहला-फुसलाकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया। अनुसंधान के क्रम में चाईबासा पुलिस द्वारा अभियुक्त मनोज जामुदा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था. अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम, चाईबासा के न्यायालय द्वारा अभियुक्त मनोज जामुदा को धारा-4(1) पोक्सो में 10 साल की कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपये जुमार्ना की सजा दी गई ह।

अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय ने हत्या मामले में सुनाई सजा

सोनुआ थाना काण्ड संख्या-26/2020, धारा-302, 201, 34, भादवि के अभियुक्त कोन्दा गोप पिता सिंघराय गोप, दशरथी हेम्ब्रम एवं माझी हेम्ब्रम पिता पातर हेम्ब्रम, गोमिया होनहागा पिता मसकी होनहागा एवं पातो होनहागा पिता मुकरू होनहागा, सभी ग्राम भुतनासा के विरूद्ध घर में सोये व्यक्ति की लाठी डंडे से मारपीट कर हत्या करने का मामला दर्ज किया गया था. इस मामले में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय, चाईबासा ने अभियुक्तों को धारा-302, 201, 34, भादवि में आजीवन कारावास एवं 10 हजार रुपये जुमार्ना की सजा दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड को अविलंब सुखाड़ क्षेत्र घोषित करे राज्य सरकार : परेश मुखी

पटमदा : पटमदा और बोड़ाम प्रखंड क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परेश मुखी ने किसानों की चिंतनीय स्थिति देखकर गंभीरता दिखाते हुए ।वर्तमान झारखंड सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए मुख्यमंत्री से राज्य को जल्द से जल्द सुखाड़ घोषित करने की मांग की हैं ।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में किसानों के समक्ष वर्षा का ना होना बड़ा चिंता का विषय बन गया हैं। किसानों के द्वारा हजारों की राशि खर्च कर धान का बीज खेतो में डालने के बाद भी बिछड़ा तैयार नहीं हो रहा है। जिससे उनके सामने खेती करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस विषय में उन्होंने राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री को राज्य की कृषि क्षेत्र की दयनीय स्थिति को देखते हुए सुखाड़ राज्य घोषित करने की मांग की।

भोगनाडीह में होने वाले हूल दिवस समारोह की तैयारी का उपायुक्त ने लिया जायजा

साहिबगंज : भोगनाडीह में आयोजित हूल दिवस समारोह की तैयारी को लेकर उपायुक्त हेमंत सती एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से जायजा लिया। उपायुक्त ने उपस्थित पदाधिकारियों से हूल दिवस की तैयारी की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उपायुक्त ने पचकठीया में स्थित अमर शहीद सिद्धो -कान्हू मुर्मू स्मृति स्थल, भोगनाडीह के सिद्धो -कान्हू पार्क एवं सिद्धो -कान्हू के वंशजों से मिलकर उनसे आवश्यक जानकारी ली। उपायुक्त ने विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जिन पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां दी जा रही हैं, वे लोग सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त ससमय करना सुनिश्चित करेंगे ।इस बीच पेयजल की व्यवस्था, टेंट, पंडाल, एलइडी स्क्रीन, लाभार्थियों के लिए व्यवस्थाएं, वीर शहीद सिद्धो-कान्हू के वंशजों को दी जाने वाली सुविधाएं आदि की व्यवस्था संबंधित आवश्यक और उचित निर्देश दिए। वहीं मौके पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी जयवर्धन कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, मुख्यालय डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, सदर एसडीपीओ, एवं संबंधित थाना प्रभारी आदि उपस्थित थे।

भूमि एवं राजस्व मामले से सम्बंधी स्पेशल लोक अदालत का हुआ आयोजन

साहिबगंज: झारखण्ड विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज भूमि एवं राजस्व मामले को लेकर स्पेशल लोक अदालत एवं मासिक लोक अदालत का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया। मासिक लोक अदालत में कुल 682 मामलों का निष्पादन किया गया वही 14 करोड़ 82 लाख 18 हजार 679 का सेटलमेंट हुआ है ।प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया की इन लोक अदालत के लिए कुल चार बेंचों का गठन किया गया। प्रथम बैच को धीरज कुमार, जिला सह अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम साहिबगंज, द्वितीय बेंच को धर्मेंद्र कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी साहिबगंज, तृतीय बेंच को राहुल कुमार रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी एवं चतुर्थ बेंच को सुमित कुमार वर्मा, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी, प्रमोद आनंद कार्यपालक दंडाधिकारी, अरविंद गोयल, चिफ डिफेंस काउंसिल के द्वारा संचालित किया गया। चतुर्थ बेंच के माध्यम से स्पेशल लोक अदालत के तहत भूमि एवं राजस्व से संबंधित मामले का निपटारा किया गया। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रेम नाथ तिवारी व अधिवक्तागण, पीएलवी उपस्थित थे।

संभावित बाढ़ को देखते हुए उपायुक्त ने किया दियारा क्षेत्र का भ्रमण

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती ने संभावित बाढ़ को देखते हुए रामपुर दियारा क्षेत्रों में पड़ने वाले गांव का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने दियारा क्षेत्रों में ग्रामीणों से बातचीत की। साथ ही उन्होंने सभी ग्रामीणों से बाढ़ के समय तैयारी के लिए अस्वस्थ किया। ग्रामीणों ने बाढ़ से होने वाली समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। ग्रामीणों की समस्या से रूबरू होते हुए उनकी सभी समस्याओं के निपटारे के लिए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनके पशुओं की सुरक्षा के लिए भी जिला प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की जाएगी। पशुओं के लिए चारे, दवा इत्यादि की व्यवस्था भी की जाएगी गई। वहीं मौके पर अंचलाधिकारी, साहिबगंज रामबालक कुमार एवं राजस्व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमसीए उम्मीदवार शिल्पा कुमारी बनी तिरुलडीह की आंगनबाड़ी सेविका

कुकडू : शनिवार को कुकडू प्रखंड के तिरुलडीह आंगनबाड़ी केंद्र का सेविका का चयन आमसभा के माध्यम से संपन्न हुआ। इस आमसभा में कुकडू के प्रभारी अंचलाधिकारी सह प्रभारी सीडीपीओ दीपक प्रसाद, आईसीडीएस की सुपरवाइजर संगीता कुमारी, तिरुलडीह के मुखिया सुधीर सिंह मुंडा, प्रधानाध्यापक कमल कुमार महतो, सहायक सब इंस्पेक्टर रंजीत प्रसाद समेत दर्जनों लोग मौजूद थे। आंगनबाड़ी सेविका चयन में पोषक क्षेत्र के कुल दस उम्मीदवारों ने अपना आवेदन दिया था। आंगनबाड़ी सेविका चयन में मैट्रिक, इंटर, बीए, बीएससी, एमए, एमकॉम, एमएससी तक पढ़ी महिला उम्मीदवारों ने आवेदन दिया था। वहीं स्कूटनी एवं मेरिट के आधार पर सर्वाधिक 34 अंक लाने पर आमसभा के माध्यम से शिल्पा कुमारी, पति प्रीतीश कुमार महतो को तिरुलडीह आंगनबाड़ी केंद्र का सेविका के रुप में चयन किया गया।

एक नजर

मासिक लोक आदालत में 12 मामलों का हुआ निष्पादन

खूंटी : खूंटी के प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष संजय कुमार जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय खूंटी में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। मासिक लोक अदालत में विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए चार बैंचों का गठन न्यायालय में लंबित मामलों और प्रीलिटिगेशन से संबंधित मामलों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में दीवानी एवं फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय प्रकृति के मामले एनआई एक्ट के मामले और बिजली संबंधित मामले प्रस्तुत किए गए। डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में चार बैंचों के माध्यम से 12 मामलों का निष्पादन किया गया। इस अवसर पर प्रथम बेंच- जिला जज प्रथम संजय कुमार, जिला जज द्वितीय राकेश कुमार मिश्रा, जिला जज तृतीया प्राची मिश्रा, द्वितीय बेंच मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार, अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक और कविता कुमारी, तृतीय बेंच में एसडीजेएम, कुमारी विद्यावती, पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार और सुमित कुमार कश्यप, चतुर्थ बेंच में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह एवं सदस्य मधु चंदा कुमारी, पैनल अधिवक्ता शशि कला कुमारी आदि शामिल थे।

बारिश से उमस व गर्मी से लोगों को मिली राहत

पलामू : पलामू जिले में बढ़ती गर्मी व तपिश से लोगों को शनिवार को राहत मिली। पिछले दो दिनों से शहर के लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल लग रहे थे। सुबह से लेकर दोपहर तक लोग भीषण गर्मी का अनुभव कर रहे थे। शनिवार की दोपहर बारिश के बाद लोगों को राहत मिली। साथ ही दिन भर रुक रुककर धूप देखने को मिल रहा था। लेकिन, उमस भरी गर्मी आमजन के पसीने छुड़ाती रही। शनिवार की दोपहर तेज हवा के साथ झमाझम बारिश होना शुरू हो गई, जिसके बाद उमस भरी गर्मी से बेहाल हो रहे लोगों को राहत मिल गई।

स्वस्थ बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं: लोकश मिश्रा

खूंटी : जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन शनिवार को आरसी बालक मध्य विद्यालय खूंटी, लोयोला उच्च विद्यालय, खूंटी तथा लोयोला छात्रावास खूंटी के खेल मैदान में किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उपस्थित सभी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें प्रतियोगिता को खेल की भावना से खेलते हुए विजयी होने कें लिए प्रेरित किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के न्दकमत 15 बालक वर्ग में विजेता उत्क्रमित उच्च विद्यालय अनिगड़ा, खूंटी और उप विजेता संत जोसेफ उच्च विद्यालय तोरपा की टीम रही। अंडर 17 बालिका में जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, खूंटी की टीम विजेता और $2 उच्च विद्यालय, कर्रा की टीम उप विजेता रही। अंडर 17 बालिक वर्ग में राउ मध्य सह उच्च विद्यालय चुरदाग, तोरपा की टीम ने निर्मला उच्च विद्यालय पिडुल, रनिया को हराकर सुब्रतो कप पर अपना कब्जा जमाया। तीनों श्रेणी में विजेता खिलाडियों की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। प्रतियोगिता में भाग लेन वाले सभी प्रतिभागियों को उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किया। उपायुक्त ने उपस्थित सभी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी परिश्रम करने को कहाा। उन्होंने कहा कि शारीरिक स्वस्थता का हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और स्वस्थ बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं।

डालटनगंज में हो रहा विकास कार्य मील का पत्थर साबित होगा : विधायक आलोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : डालटनगंज के विकास के लिए शनिवार का दिन महत्वपूर्ण रहा। विधायक आलोक चौरसिया ने वार्ड संख्या 34 में सूर्य मंदिर तालाब के पुनर्जीवन, वार्ड 17 में सामदह तालाब के पुनर्जीवन, और वार्ड 18 में गुरियाही तालाब के पुनर्जीवन कार्य हेतु शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का कुल लागत लगभग 5.26 करोड़ रुपये है। शिलान्यास कार्यक्रम के शुभ अवसर पर विधायक आलोक चौरसिया ने डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने अपने जनप्रतिनिधित्व के लिए जिम्मेदारी को पुनः स्थापित किया और जनता के विश्वास को टूटने नहीं देंगे ऐसी बातें कहीं। आगे उन्होंने कहा कि डालटनगंज विधानसभा वासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वह ईमानदारी से प्रयासरत हैं।

शिलान्यास हुए परियोजनाएँ केवल बुनियादी सूचना की सेवाओं को मजबूत बनाने के साथ-साथ सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार करने का भी उद्देश्य रखती हैं। सूर्य मंदिर, सामदह तालाब, और गुड़ियाही तालाब की पुनर्जीवन से पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित किया जाएगा और साथ ही हमारे महान पर्व छठ पूजा के समय श्रद्धालुओं के लिए सहूलियत होगी। क्षेत्र में जिस तरह से शिलान्यास कार्यक्रम हो रहे हैं, यह डालटनगंज के लिए प्रगति और समृद्धि की एक नई यात्रा का प्रतीक है। विधायक आलोक चौरसिया की सक्रिय दृष्टिकोण और उनके अथक प्रयासों ने इन परियोजनाओं को वास्तविकता में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विधायक आलोक ने जनता से आगे भी समर्थन और सहयोग बनाए रखने की अपील की है ताकि बिना कोई रुकावट डालटनगंज विकास की नई गाथा लिखता रहे।

नए कानून में जीरो एफआईआर की शुरुआत, पीड़ित किसी भी थाना में दर्ज करा सकता है एफआईआर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पहली जुलाई से लागू हो रहे तीन नए आपराधिक कानूनो में जांच, मुकदमे और अदालती कार्यवाही में प्रधौगिकी पर जोर दिया गया है। एक बातें लीगल एडडिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहीं। वे शुक्रवार को केंद्रीय कारा मेदिनीनगर में बन्दियों के बीच तीन नए आपराधिक कानून के बारे में जानकारी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नए कानून के तहत एक व्यक्ति सशरीर पुलिस स्टेशन में उपस्थित हुए बगैर भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से घटना के रिपोर्ट कर सकता है। इससे पुलिस को भी त्वरित कार्रवाई में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि नए कानून में जीरो एफआईआर की शुरूआत की गई है। पीड़ित किसी भी थाना में अपनी एफ आई आर दर्ज करा सकता है । पीड़ित को एफ आई आर की निःशुल्क कॉपी भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि सशक्त जांच के लिए गंभीर आपराधिक मामलों में सबूत जुटाने के लिए क्राइमसीन पर फॉरेंसिक विशेषज्ञों का जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सबूत एकत्र करने की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी अनिवार्य होगी। साथ ही महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध में जांच एजेंसी को दो महीने के अंदर जांच पूरी करनी होगी। 90 दिनों के अंदर पीड़ितों को केस में प्रगति की नियमित अपडेट देनी होगी। इस कानून के तहत अपराध के शिकार महिला और बच्चों को सभी अस्पतालों में फर्स्टएड या इलाज निःशुल्क मिलने की गारंटी की गई है। उन्होंने कहा कि गवाहों की सुरक्षा व सहयोग के लिए विटने सप्रोटेक्शन प्रोग्राम लागू कीए जाने का प्रावधान हैं। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म पीड़िताओं को ऑडियो वीडियो माध्यम से पुलिस के समक्ष बयान दर्ज करने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि 15 साल से कम आयु व 60 साल से अधिक और दिव्यांग और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को पुलिस स्टेशन में पेश होने से छूट दी गई है। उन्हें पुलिस की मदद अपने निवास स्थान पर ही मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता में कौन सा कृत्य अपराध है और उसके लिए क्या सजा होगी आईपीसी कानून में 511 धाराएं थी जबकि नए बीएनएस में 358 धाराएं है। नए कानून में 21 नए अपराधों को भी सम्मिलित किया गया है। सीआरपीसी में 484 धाराएं थी जबकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएं हैं। नए कानून में सीआरपीसी की 177 धाराओ को बदल गया है और 9 नई धाराएं जोड़ी गई है। नए कानून में 14 धाराओं समाप्त की गई है । उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी जांच और मुकदमा चलाने की प्रक्रिया सीआरपीसी में होती है।

कांग्रेस ने की रांची लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा

रांची : लोकसभा आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने सात सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें केवल दो अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीटें खूंटी और लोहरदगा ही जीत सकीं। वहीं, एससी रिजर्व पांच लोकसभा सीटों पर कांग्रेस को भाजपा के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। सात में से पांच लोकसभा सीट हार जाने के बाद चुनाव परिणाम की समीक्षा के लिए पार्टी की ओर से पूर्व सांसद प्रदीप बलमुचू की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय चुनाव परिणाम समीक्षा समिति का गठन किया गया था। शनिवार को इसी समिति के नेतृत्व में राजधानी के बिहार क्लब सभागार में रांची लोकसभा क्षेत्र चुनाव परिणाम की समीक्षा को लेकर बैठक की गई।

बद इंतजामी एवं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पलामू की सिंचाई परियोजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : भारतीय जनता पार्टी पलामू के जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कहां की बद इंतजामी लाल फीताशाही एवं भ्रस्टाचार की भेंट चढ़ी पलामू कि सिंचाई परियोजना रख रखाव एवं मेंटेनेंस के अभाव में पलामू की सारी सिंचाई परियोजना दम तोड़ रही है। पलामू के किसान लगातार अकाल एवं सुखा से परेशान हो रहे हैं उनकी आर्थिक हालात बद से बदतर होती जा रही है लेकिन सरकार इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं कर रही है इसके साथ ही साथ समय पर ना खाद्य बीज झारखंड सरकार किसानों को उपलब्ध करा रही है। न ही उनके द्वारा उत्पादित अनाज को सरकार खरीद रही है उचित समय पर राशि का भुगतान नहीं हो रहा है। जिसका नाजायज फायदा बिचोलिये उठा रहे हैं केंद्र की योजना किसान सम्मन निधि से हजारों किसानों को जानबूझकर वंचित किया जा रहा है। प्रशासनिक पदाधिकारी बिना कारण बताएं सैकड़ो किसानों के खाता को बंद कर रहे हैं। जिससे कि इसके लाभ से किसानो को वंचित किया जा रहा है। पलामू में बने सैकड़ो सीरियल चेक डैमलिफ्ट इरीगेशन भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ चुके हैं। उससे किसानों को सिंचाई का लाभ नहीं मिल रहा है जानकारी लेने पर विभाग यह बताने की स्थिति में नहीं है की सीरियल चेक डैम से लिफ्टइरीगेशन से कितना जमीन का सिंचाई हो रहा है और कितना जमीन का सिंचाई होना था ठेकेदार और विभाग के इंजीनियरों से घालमेल के कारण सारी योजनाओं का निर्माण नहीं बल्कि लुट हो रहा है। सिंचाई योजनाओं को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। राज्य सरकार के द्वार खाद्य बीज का वितरण सरकार समय पर नहीं कर पा रही है जिससे कि सरकार की इस योजना से किसान लाभ से वंचित हो जा रहे हैं। इन सारी बातों को लेकर किसान और मजदूरों में व्यापक व्यापक आक्रोश है इन व्यवस्थाओं के कारण किसान जहां खेती नहीं कर पा रहे हैं। वही खेतीहर मजदूर बेरोजगारी की स्थिति में दूसरे राज्यों में पलायन करने पर मजबूर हो रहे है अभी खेती के समय में भी हर दिन राज्य से बाहर जाने वाले ट्रेनों में खेतिहर मजदूरों का भारी भीड़ देखने को मिल रहा है खेतिहर मजदूर इन अवस्थाओं के कारण रोजगार के अभाव में दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं ।

पलामू में दिखा मानसून का असर, 56.6 एमएम हुई बारिश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मानसून ने पलामू समेत पूरे झारखंड को कवर कर लिया है। इसका असर भी शनिवार दोपहर देखने को मिला। दोपहर तीन बजे घने बादलों के छाने से शाम सात बजे का नजारा दिखा। मेदिनीनगर और आस पास के क्षेत्रों में दोपहर तीन बजे से बारिश हो रही है। इस बीच मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटे (शुक्रवार शाम 5.30 बजे से शनिवार शाम 5.30 बजे तक) के दौरान 56.06 एमएम बारिश रिकार्ड किया है। हालांकि जिले के हुसैनाबाद, छतरपुर इलाके में बारिश नहीं हुई। बादल छाए हुए हैं। बता दें कि मानसून का असर राज्य के कई हिस्सों में दिखने लगा है। मौसम विभाग ने 30 जून को राज्य के 13 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। इनमें पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, और लोहरदगा शामिल है। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां भारी वर्षा होगी। दोपहर 3 बजे बादलों के छाने के बाद बारिश शुरू हुई और शाम 6 बजे तक लगातार होती रही। बारिश से जहां तेज गर्मी से राहत मिली, वहीं नालियों का कचरा सड़क पर आ गया। जो नाले एवं नाली साफ नहीं थे, उसका गंदा पानी कई लोगों के घरों में घुस गया। बिजली गुल रही। शहर के पहाड़ी मोहल्ला स्थित गोसिया मदरसा के पास एक दर्जन घरों में नाले का पानी घुस गया। 2 से 3 फीट तक पानी सारे कमरे में जम गए। किचन, बैडरूम सहित अन्य कमरे में गंदा पानी घुसने से लोगों में अफरा तफरी मची रही। खाना से लेकर अन्य सामान बर्बाद हो गए। बदबू के कारण कमरे में टिक पानी मुश्किल हो रहा था। घर के लोगों ने किसी बाल्टी सहित अन्य संसाधन के गंदे पानी को बाहर निकाला। इसी तरह गम्हेल रोड में नूरी मस्जिद के पास 2 से 3 फीट तक सड़क पर पानी जम गया, जिससे आवागमन में परेशानी हुई।

सुभाष चंद्र मिश्रा की पुस्तक 'कोयल की धारा' का हुआ लोकार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू के वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सुभाषचंद्रमिश्रा जी की पुस्तक 'कोयल की धारा' का लोकार्पण स्थानीय जेएमपीकॉम्प्लेक्स में झारखंड के प्रथम विधान सभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी,पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी, पूर्व मेयरअरुणा शंकर और प्रो. केके मिश्रा के कर कमलों से हुआ। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता प्रो. दयाशंकर श्रीवास्तव ने की जबकि संचालन शिक्षक परशुराम तिवारी ने किया। लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि कोयल नदी पलामू का श्रृंगारहै। सुभाष जी मेरे छोटे भाई की तरह हैं इन्होंने अपनी पुस्तक में प्रकृति के सौंदर्य के साथ-साथ इससे जुड़ी समस्याओं को भी दिखाया है। अध्यक्षता करते हुए प्रो. दया शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि रचनाकार ने साहित्य के माध्यम से उन सभी विषयों को उठाया है जिसके लिए पर्यावरणविद संघर्ष करते रहे हैं। साहित्य समाज का दर्पण होता है इसे इस पुस्तक ने चरितार्थ किया है। पूर्व मंत्री के एन त्रिपाठी ने कहा कि कोयल की धारा देख-देख कर हम बड़े हुए हैं। पलामू वासियों के लिए इसकी पवित्रता गंगा और नर्मदा से कतई कम नहीं है। पुस्तक में कोयल को बाँधने की इच्छा जताई गई है। हम कोयल को जगह-जगह बाँधकर पलामू की प्यास बुझाएँगे। पूर्व मेयरअरुणा शंकर ने कहा कि 'कोयल की धारा' पढ़कर हम सबों को इसे पवित्र और स्वच्छ रखने की शिक्षा मिलेगी । प्रो. केके मिश्रा ने कहा की कोयल की धारा एक यात्रा वृतांत नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन है जिसे ध्यान से समझने की आवश्यकता है। जीवन का प्रारंभ और विकास नदी की ही भाँति होता है। कवि राकेश कुमार ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि पुस्तक में चार रेडियो रूपक हैं जिनमें इतिहास, भूगोल, साहित्य और दर्शन का समावेश है। साहित्यानुरागी आलोक तुलस्यान ने कहा कि इस पुस्तक में पलामू के बारे में बहुत ही रोचक जानकारी है। लोकार्पण समारोह में कलाकार प्रेम भसीन, कवि हरिवंश प्रभात, समाजसेवी अविनाश देव, पूर्व छात्र नेता अभय तिवारी, समाजसेवी अमित तिवारी, प्रियरंजन पाठक, पंकज श्रीवास्तव, अनुपमा तिवारी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में कवि राम प्रवेश पण्डित ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। प्रो. मिश्रा के पुत्र वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सुमन ने स्वागत उद्बोधन किया एवं शुभ्रा मिश्रा मानसी ने कोयल की धारा गीत की प्रस्तुति की। शालिनी श्रीवास्तव ने एक गीत के माध्यम से सुरीले स्वर में जन्मदिन की शुभकामनाएं। रेडियो उद्घोषिका अनुपमा तिवारी ने कोयल की धारा के रेडियो रूपांतरण से जुड़ी यादें साझा की। पुस्तक के लेखक प्रो. सुभाष चन्द्र मिश्रा ने कहा कि साहित्य में एक पंक्ति लिखकर अमरत्व प्राप्त किया जा सकता है। साहित्य की भाषा सरल होती है परंतु उसके अर्थ सरल नहीं होते। उन्होंने पुस्तक के निर्माण में सहयोग के लिए सबका आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन दिल्ली विश्वविद्यालय की शोध छात्रा एवं प्रो.मिश्रा की नतिनी वेदिका मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में प्रो मिश्र की अर्धांगिनी बसन्तीमिश्रा, बहू रागिनी मिश्रा व अलका मिश्रा, पुत्री प्रियंका मिश्रा, अशोक मिश्रा, संतोष मिश्रा, शैलेन्द्र पाठक, सतीश पाठक,अभय तिवारी, अनुज कुमार पाठक, अजय मिश्रा, रमेश सिंह, रमेश पांडेय, उमेश कुमार पाठक रेणु, रमेश पाठक, सुमन मिश्रा, विमल कुमार, अनुपमा तिवारी, रीना प्रेम दुबे, दिनेश कुमार शुक्ला, रविशंकर पांडेय, देवेंद्र पाठक, अजीत पाठक आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जा रहा है : अशोक पासवान

छतरपुर : छतरपुर प्रखंड के मुनकेरी पंचायत में शनिवार को पंचायत यात्रा दलित कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पासवान एवं मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सिंह द्वारा किया गया। इस यात्रा में आम लोगों को झारखंड सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। किस तरह झारखंड सरकार आम गरीब लोगों को आगे बढ़ाने में लगी हुई है और भाजपा के लोगों को यह सब अच्छा नहीं लग रहा है आरोप प्रत्यारोप झारखंड सरकार पर लगा रहे है। साथ ही लोगो को संबोधित करते हुए अशोक पासवान ने कहा कि छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में मूलभूत आवश्यकता लोगों को पूरा नहीं किया जा रहा है। छतरपुर विधानसभा के पूर्व एवं वर्तमान विधायक द्वारा लोगों को लूटा गया और अपना घर भरने का कार्य किया। विधानसभा चुनाव आते ही विधायक हमारे क्षेत्र की भोली भाली जनता को ठगने का काम शुरू कर देते हैं लेकिन इस बार क्षेत्र की जनता ने सारी बातों को समझ लिया है और गरीब विरोधी लोगों को मुंह तोड़ जवाब देने के लिए ठान लिया है। उक्त मौके पर संजय पासवान, संतोष रवि, सुनील राम, गणेश राम, संतोषी देवी, राकेश दुबेलव सिंह आदि उपस्थित रहे।

चैनपुर सेमरा मुख्य मार्ग की बदहाली पर रूचिर तिवारी ने जतायी चिंता

मेदिनीनगर (पलामू) : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिलासचिव सह डाल्टनगंज चैनपुर भंडरिया के भावी विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने चैनपुर सेमरा मुख्य सड़क मार्ग पर सड़कों में हुए गड्ढे पर चिंता व्यक्त की है उन्होंने कहा कि गढा में सड़क है कि सड़क में गड्ढा है यह पता ही नहीं चलता आम लोग, व्यवसाय वर्ग हमेशा परेशान रहते हैं लेकिन इस और प्रधानमंत्री सड़क योजना का भी कोई काम नहीं हुआ। तिवारी ने स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया को निकम्मा विधायक बताया तिवारी ने कहा कि आज चैनपुर से नेउरासेमरा जाने वाली सड़क की स्थिति पिछले 4 साल से ऊपर से बदहाल रही है। सड़क में इतने गड्ढे हैं कि कईएक यात्रियों की मौत हो गई और कईएक दुर्घटना के शिकार हो गए लेकिन इस ओर स्थानीय विधायक और संसद नें कोई ध्यान नहीं दिया। वह केवल अखबार में लोकप्रिय और युवा विधायक का झूठा तबका लगाकर प्रचार प्रसार कर रहे हैं जबकि स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया की अपनी कोई लोकप्रियता नहीं है पिता के नाम पर उन्होंने चुनाव जीता था और सुनाओ जीतने के बाद अमीरों के गोद में खेल रहे इस बार मध्यम वर्ग व्यवसायी वर्ग गरीब परिवार एवं मजदूर वर्गों में भी भाजपा विधायक आलोक चौरसिया के खिलाफ काफी गुस्सा है क्योंकि उन्होंने आम जनता के पक्ष में एक भी काम नहीं किया इस बार जनता बुरी तरह से उनको हर आएगी और सबक सिखाएगी।

नये डीडीसी ने लिया प्रभार, जिले के 54वें उप विकास आयुक्त बने शब्बीर अहमद

मेदिनीनगर (पलामू) : जिले के 54वें उप विकास आयुक्त के रूप में शनिवार को शब्बीर अहमद ने पदभार ग्रहण किया। वही निवर्तमान उप विकास आयुक्त रवि आनंद ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने सभी डीआरडीए व विकास शाखा के कर्मियों से परिचय प्राप्त किया। पदभार ग्रहण के बाद अहमद ने कहा कि निवर्तमान उप विकास आयुक्त के कार्य को आगे बढाना, विभाग से संबंधित योजना को जिला ग्रामीण विकास अभिकरण की टीम व प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ मिलकर गति देने का कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना के लक्ष्य को प्राप्त करना और उसे धरातल पर उतारना मेरी प्राथमिकता रहेगी।

झारखंड हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी नामांकन शुरू नहीं होना चिंताजनक : कमलेश

मेदिनीनगर (पलामू) : झारखंड अंगिभूत महाविद्यालय इंटर मीडिएट शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश पांडेय ने उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी रांची विश्वविद्यालय में इंटरमीडिएट में नामांकन न होना चिंताजनक है। पांडेय ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति के तानाशाही रवैया से छात्रहित का हनन हो रहा जो न ही सरकार के आदेश को मानते हैं न ही उच्च न्यायालय के आदेश को सरकार ऐसे तानाशाह कुलपति को तत्काल बर्खास्त करें और शिघ्र नामांकन प्रारंभ करें अन्यथा पुरे झारखंड के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी और विद्यार्थी सड़क पर उतरने को विवश होंगे।

उपायुक्त के निर्देश पर अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन को लेकर जिले में हो रही है छापेमारी

मेदिनीनगर (पलामू) ; जिले में अवैध उत्खनन भंडारण एवं परिवहन के रोकथाम को लेकर उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश के आलोक में पूरे जिले में छापेमारी की जा रही है, छापामारी के दौरान पिपरा से सीओ परितोष प्रियदर्शी के नेतृत्व में ओवरलोडचिप्स ले जाते ट्रक को पकड़ा, वहीं चैनपुर एवं नौडीहा में अवैध बालू ले जाते दो ट्रैक्टर को जप्त किया गया। डीएमओ आनंद कुमार ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर जिले भर में अवैध उत्खनन भंडारण एवं परिवहन को लेकर छापामारी जारी है। उन्होंने बताया कि पिपरा अंचल अधिकारी परितोष प्रियदर्शी द्वारा ट्रक BR-02-GB-4776 को ओवरलोडचिप्स ले जाते पकड़ा गया था, जबकि नौडीहा बाजार थाना प्रभारी एवं चैनपुर थाना प्रभारी के द्वारा छापेमारी कर अवैध रूप से बालू परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर समेत सौ-सौ सीएफटी बालू को जप्त किया गया था एवं कार्रवाई को लेकर खनन विभाग भेजा गया था इसके बाद विभाग के द्वारा जांच के उपरांत ट्रैक्टर एवं ट्रक मालिकों पर कार्रवाई की जाएगी। डीएमओ आनंद कुमार ने कहा है कि जिले में किसी भी कीमत पर अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण नहीं होने दिया जाएगा जिले भर में अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है एवं अवैध कारोबारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राजकुमारी और चांद खिलौना

एक राजा था उसकी एक छोटी सी बेटी थी। वह उसे बहुत प्यार करता था। एक बार राजकुमारी बीमार पड़ गई। कई डॉक्टर बुलाए गए लेकिन कोई भी उसका इलाज नहीं कर पाया। क्योंकि उसकी बीमारी का पता नहीं चल पा रहा था। एक दिन राजा उदास होकर राजकुमारी से बोला समझ में नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं? तुम्हारे इलाज के लिउ कुछ भी करने को तैयार हूं।

यह सुनकर राजकुमारी झट से बोली फिर मेरे लिए चांद मंगवा दिजीए। मैं उससे खेलूंगी तो मेरी तबियत ठीक हो जाएगी। राजा ने खुश होकर कहा ठीक है मैं तुम्हारे लिए चांद मंगवाने का प्रबंध करता हूं।

राजा के दरबार में बहुत से योग्य व्यक्ति थे। सबसे पहले उसने अपने प्रधानमंत्री को बुलवाया और उससे धीरे से कहा रानी बेटी को खेलने के लिए चांद चाहिए। आज नहीं तो कल रात तक जरूर आ जाना चाहिए।

चांद प्रधानमंत्री ने आश्चर्य से कहा। उसके माथे पर पसीना आ गया। थोड़ी देर बाद वह बोला महाराज मैं दुनिया के किसी भी कोने से कोई भी चीज मंगवा सकता हूं लेकिन चांद लाना मुश्किल है। राजा ने प्रधानमंत्री को तुरन्त दरबार से बाहर जाने का आदेश दे दिया। और प्रधान सेनापति को बुलवाया।

प्रधान सेनापति के आने पर राजा ने उनसे भी चांद लाने की बात कही सेनापति ने भी चांद लाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की और तर्क दिया कि चांद को कोई भी नहीं ला सकता। वह यहां से डेढ़ लाख मील दूर है।

राजा ने उसे भी चले जाने को कहा और अपने खजांची को बुलाया उसने भी राजकुमारी के लिए चांद लाने में असमर्थता जताई। जाओ यहां से जाओं राजा चीखा और बोला दरबारी जोकर को बुलाओ। जोकर ने आते ही झुककर सलाम किया और पूछा सरकार आपने मुझे बुलाया? हां राजा रो पड़ा जब तक रानी बेटी को चांद नहीं मिलेगा तब तक उनकी तबियत ठीक नहीं होगी क्या तुम चांद ला सकते हो?

हां क्यो नहीं पर राजकुमारी कितना बड़ा चांद चाहती है कोई बात नहीं मैं खुद उनसे जा कर पूछ लेता हूं। जोकर बोला और सीधे राजकुमारी में कमरे में चला गया। राजकुमारी ने जोकर को देखकर पूछा कि चांद लाए। जोकर ने कहा अभी नहीं लेकिन जल्द ला दूंगा। पहले ये बताओं कितना बड़ा चांद चाहिए। राजकुमारी ने कहा कि मेरे अंगूठे के नाखून बराबर क्योंकि जब मैं आंख के सामने अंगूठे का नाखून कर देती हूं तो वह दिखाई नहीं देता।

अच्छा यह और बता दो कि चांद किस चीज का बना है और कितनी ऊंचाई पर है? चांद सोने का बना है और पेड़ के बराबर ऊंचाई पर है राजकुमारी ने बोला।

ठीक है आज रात को मैं पेड़ पर चढ़कर चांद उतार लाऊंगा। जोकर ने कहा और राजा के पास चला गया और उसने राजा को बोला कि मैं कल राजकुमारी के लिए चांद का खिलौना ले आऊंगा। और उसने अपनी योजना राजा को बता दी। राजा योजना सुनकर बहुत खुश हुआ। अगले दिन दरबारी जोकर सुनार से एक सोने का चांद बनवा कर ले आया। उसने यह चांद राजकुमारी को दे दिया राजकुमारी बहुत खुश हुई। उसने चांद को जंजीर में डालकर गले में लटका लिया। उसकी तबियत ठीक हो गई। लेकिन राजा को चिन्ता खाय जा रही थी कि जब राजकुमारी जब खिड़की में से चांद को देखेगी तो क्या कहेगी। वह सोचेगी कि पिताजी ने उससे झूठा वादा किया था। रात को जब चांद निकला तो राजकुमारी उसे देखने लगी। राजा और जोकर उसके कमरे में खड़े थे। जोकर ने राजकुमारी से पूछा कि अच्छा राजकुमारी ये तो बताओ कि जब चांद तुम्हारे गले में लटका है तो आसमान में कैसे निकल आया?

राजकुमारी हंस कर बोली तुम मूर्ख हो जैसे मेरा जब दंत टूट जाता है तो दूसरा निकल आता है वैसे ही चांद भी दूसरा निकल आया है। यह सुनकर राजा ने राहत की सांस ली और खुशी खुशी राजकुमारी के साथ खिलौने से खेलने लगा।

गुरु नानकदेव की सीख

एक डाकू गुरु नानकदेवजी के पास आया और चरणों में माथा टेकते हुए बोला- मैं डाकू हूँ, अपने जीवन से तंग हूँ। मैं सुधरना चाहता हूँ, मेरा मार्गदर्शन कीजिए, मुझे अंधकार से उजाले की ओर ले चलिए। नानकदेवजी ने कहा- तुम आज से चोरी करना और झूठ बोलना छोड़ दो, सब ठीक हो जाएगा। डाकू प्रणाम करके चला गया। कुछ दिनों बाद वह फिर आया और कहने लगा- मैंने झूठ बोलने और चोरी से मुक्त होने का भरसक प्रयत्न किया, किंतु मुझसे ऐसा न हो सका। मैं चाहकर बदल नहीं सका। आप मुझे उपाय अवश्य बताइए।

गुरु नानक सोचने लगे कि इस डाकू को सुधरने का क्या उपाय बताया जाए। उन्होंने अंत में कहा- जो तुम्हारे मन में जो आए करो, लेकिन दिन भर झूठ बोलने, चोरी करने और डाका डालने के बाद शाम को लोगों के सामने किए हुए कामों का बखान कर दो। डाकू को यह उपाय सरल जान पड़ा।

इस बार डाकू पलटकर नानकदेवजी के पास नहीं आया क्योंकि जब वह दिनभर चोरी आदि करता और शाम को जिसके घर से चोरी की है उसकी चौखट पर यह सोचकर पहुँचता कि नानकदेवजी ने जो कहा था कि तुम अपने दिन भर के कर्म का बखान करके आना लेकिन वह अपने बुरे कामों के बारे में बताते में बहुत संकोच करता और आत्मग्लानि से पानी-पानी हो जाता। वह बहुत हिम्मत करता कि मैं सारे काम बता दूँ लेकिन वह नहीं बता पाता।

हताश-निराश मुँह लटकाए वह डाकू एक दिन अचानक नानकदेवजी के सामने आया। अब तक न आने का कारण बताते हुए उसने कहा-मैंने तो उस उपाय को बहुत सरल समझा था, लेकिन वह तो बहुत कठिन निकला। लोगों के सामने अपनी बुराइयाँ कहने में लज्जा आती है, अतः मैंने बुरे काम करना ही छोड़ दिया। इस तरह नानकदेव जी ने उसे अपराधी से अच्छा इंसान बना दिया।

शेख चिल्ली की चिट्ठी

बच्चो, तुमने मियाँ शेख चिल्ली का नाम सुना होगा। वही शेख चिल्ली जो अकल के पीछे लाठी लिए घूमते थे। उन्हीं का एक और कारनामा तुम्हें सुनाएँ।

मियाँ शेख चिल्ली के भाई दूर किसी शहर में बसते थे। किसी ने शेख चिल्ली को बीमार होने की खबर दी तो उनकी खैरियत जानने के लिए शेख ने उन्हें खत लिखा। उस जमाने में डाकघर तो थे नहीं, लोग चिट्ठियाँ गाँव के नाई के जरिये भिजवाया करते थे या कोई और नौकर चिट्ठी लेकर जाता था।

लेकिन उन दिनों नाई उन्हें बीमार मिला। फसल कटाई का मौसम होने से कोई नौकर या मजदूर भी खाली नहीं था अत- मियाँ जी ने तय किया कि वह खुद ही चिट्ठी पहुँचाने जाएँगे। अगले दिन वह सुबह-सुबह चिट्ठी लेकर घर से निकल पड़े। दोपहर तक वह अपने भाई के घर पहुँचे और उन्हें चिट्ठी पकड़ाकर लौटने लगे।

उनके भाई ने हैरानी से पूछा - अरे! चिल्ली भाई! यह खत कैसा है? और तुम वापिस क्यों जा रहे हो? क्या मुझसे कोई नाराजगी है?

भाई ने यह कहते हुए चिल्ली को गले से लगाना चाहा। पीछे हटते हुए चिल्ली बोले - भाई जान, ऐसा है कि मैंने आपको चिट्ठी लिखी थी। चिट्ठी ले जाने को नाई नहीं मिला तो उसकी बजाय मुझे ही चिट्ठी देने आना पड़ा।

भाई ने कहा - जब तुम आ ही गए हो तो दो-चार दिन ठहरो। शेख चिल्ली ने मुँह बनाते हुए कहा - आप भी अजीब इंसान हैं। समझते नहीं। यह समझिए कि मैं तो सिर्फ नाई का फर्ज निभा रहा हूँ। मुझे आना होता तो मैं चिट्ठी क्यों लिखता?

कैसे बनी आइसक्रीम

बच्चो हम सब आइसक्रीम तो खाते है पर कभी ये जानने की कोशिश पहले कैसे बनाया जाता था ? भारत में मुगल शासनकाल के दौरान आइस जाता है कि अरब जगत के लोगों ने सबसे पहले आइसक्रीम के उत्पादन में शुरूकिया। वे फलों की बजाय चीनी मिलाकर इसको मीठा करते थे। फालूद और अफगानिस्तान से मानी जाती है। करीब 200 ईसा पूर्व के आस-पार मिश्रण को जमाकर खाने की परंपरा मिलती है। रोम का शासक नीरो (37-6 को मंगाता था और उनमें फलों के ऊपरी हिस्से को मिलाकर खाता था।

18वीं सदी में ब्रिटेन और अमेरिका की रेसिपी में आइसक्रीम बनाने की आधु ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी के अनुसार 1744 में पहली बार आइसक्रीम शब्द का उल्लेख मिलता है।दुनिया के पहले आइसक्रीम पार्लर की शुरुआत 1776 में अमेरिका में हुई थी।20वीं सदी में ब्रिटेन में आइसक्रीम बनाने के आसान तरीके विकसित होने से बढोतरी हुई। उसी दौर में रेफ्रिजरेटर के अस्तित्व में आने के बाद इसको घरों में संरक्षित रखा जाना शुरूहुआ। साइकिल में लेकर इसे बेचने की शुरुआत लंदन में 1923 में हुई थी। जिसमें बेचने वाले डिब्बे पर लिखा होता था- स्टॉप मी ऐंड बाई वन। अमेरिका आइसक्रीम का दुनिया में सबसे बडा उपभोक्ता है। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया का नाम आता है।

सिर्फ 1 साल में 3 आईसीसी फाइनल, एक सुखद अंत की हकदार है रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़ की जोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यह भारत के कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का आखिरी दिन होगा। शनिवार, 29 जून को जब बारबाडोस में पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में एशियाई दिग्गज दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेंगे तो टी20ई क्रिकेट में भारत के कप्तान के रूप में यह शायद रोहित शर्मा का आखिरी दिन होगा। अरबों सपनों के साथ, सुपरहिट जोड़ी है एक सुखद अंत पर नजर। और यह एक का हकदार भी है! हालांकि, खेल में कोई भी किसी चीज का हकदार नहीं है। आपको उस दिन प्रदर्शन करके दिखाना होता है।

फिर भी, यह उचित होगा यदि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के ताज के लिए भारत का 11 साल का इंतजार रोहित और द्रविड़ के नेतृत्व समूह द्वारा समाप्त हो जाए। 2021 में साथ आने के बाद रोहित और द्रविड़ उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुजरे हैं, जिसने यकीनन भारतीय क्रिकेट को फलते-फूलते और ऊपर उठते देखा है। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ ने प्रक्रियाओं का अच्छा ध्यान रखा है, खासकर 2022 टी20 विश्व कप की हार के बाद। जब द्रविड़ ने 2021 में टीम के मुख्य कोच का पद संभाला, तो उन्हें एक मसीहा के रूप में देखा गया।

यह उस युग के अंत का प्रतीक है जिसमें सफेद गेंद वाली टीम कमजोर दिखती थी और उसमें अजेयता की भावना नहीं थी जो कि सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड द्वारा संचालित टीम में होनी चाहिए थी। टी20 विश्व कप 2021 में जल्दी बाहर होने और 2019 सेमीफाइनल की हार ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय सफेद गेंद क्रिकेट को पाठ्यक्रम में सुधार की जरूरत है। विराट कोहली के कप्तानी से दूर होने के बाद राहुल और रोहित ने टीम में कई सुधार की कोशिश की। धीरे-धीरे यह रंग लाता हुआ भी दिखाई देने लगा।

भारत के निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने कार्यकाल में अविश्वसनीय निरंतरता दिखाने के लिए राष्ट्रीय टीम की सराहना की। द्रविड़ के नेतृत्व में, भारत आईसीसी टूर्नामेंटों (टी20 विश्व कप 2024 सहित) में तीन फाइनल में पहुंचा है और खेल के तीनों प्रारूपों में शीर्ष टीम का दर्जा प्राप्त किया है। बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, द्रविड़ ने भारतीय पक्ष की सराहना की और अविश्वसनीय काम करने के लिए भारतीय क्रिकेटरों को श्रेय दिया।

रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट में बिना एक भी गेम हारे टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में पहुंच गई है। प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन 2023 में उनके घरेलू विश्व कप के समान है। भारत फाइनल में प्रबल दावेदार के रूप में आया है, उसने शिखर मुकाबले से पहले बारबाडोस में एक मैच खेला था।

ब्रैथवेट की कप्तानी में अगले माह टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी वेस्टइंडीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट जॉन्स (ईएमएस)। क्रैग ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज टीम अगले माह इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने 10 जुलाई से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की रिचर्ड्स बॉथम सीरीज के लिए 15 सदस्यीय जो टी घोषित की है। उसमें चोटिल तेज गेंदबाज केमर रोच की जगह पर सेंट किट्स एंड नेविस के तेज गेंदबाज जेरेमिया लुइस को शामिल किया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि टीम को रोच की कमी खलेगी पर अन्य खिलाड़ी इसके लिए पर्याप्त हैं। रिचर्ड्स बॉथम सीरीज सर विवियन रिचर्ड्स और इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर लॉर्ड इयान बॉथम के नाम पर रखी गयी है। इंडीज टीम 4 जुलाई से बेकेनहैम में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 3 दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। 19 वर्षीय तेज गेंदबाज इसाई थॉर्न को भी टीम में जगह मिली है।

टीम इस प्रकार है- क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), एलिक अथानाज़े, जोशुआ दा सिल्वा, जेसन होल्डर, केवम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, ज़ाचरी मैकास्की, किर्क मैकेंजी, गुडाकेश मोती, जेरेमिया लुइस, जेडेन सील्स, केविन सिंक्लेयर, और इसाई थॉर्न।

आने वाले समय में पारी की शुरुआत करेंगे फ्रेजर : वार्नर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले दिनों में टीम की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। फ्रेजर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में भी शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया था। टी20 विश्वकप में उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया था हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। ऑस्ट्रेलियाई टीम के टी20 विश्वकप से बाहर होते ही वार्नर का अंरतराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया था। वार्नर ने कहा कि टी20 और एकदिवसीय में आने वाले समय में फ्रेजर ही सलामी बल्लेबाज होंगे

वार्नर ने कहा कि 50 ओवर क्रिकेट कैसे खेलना है। यह एक चीज है जो मैंने ट्वेंटी 20 से सीखी है। मुझे सात मैचों के बाद बाहर कर दिया गया क्योंकि मैं वास्तव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। फिर मैंने समझा कि एकदिवसीय क्रिकेट कैसे खेलना है और टी20 क्रिकेट कैसे खेलना है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अभी स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं, ऐसे में फ्रेजर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आया है। इस साल की शुरूआत में इस युवा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान 2 मैचों में 23 गेंदों पर 51 रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने मार्श कप में मात्र 29 गेंदों में शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था और सबका ध्यान खींचा था। इसके अलावा आईपीएल में भी 36.66 की औसत और 234.04 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक शामिल थे।

भारतीय टीम ने महिला टेस्ट क्रिकेट में बनाया सबसे बड़ा टीम स्कोर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल पर्थ में यह स्कोर बनाया था लेकिन ऋचा घोष (86 रन) के एनेरी डर्कसन के 109वें ओवर की शुरूआती गेंद पर चौका लगाते ही भारत ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस उपलब्धि का श्रेय काफी हद तक भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (205 रन) और स्मृति मंधाना (149 रन) को जाता है जिन्होंने 292 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई जो महिला क्रिकेट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है। जेमिमा रोड्रिग्स (55 रना) के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर (69 रन) और ऋचा ने अर्धशतक बनाकर योगदान दिया। भारतीय महिला टीम ने पहले दिन चार विकेट पर 525 रन बनाए थे जो टेस्ट मैच में एक दिन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी था। इससे उसने श्रीलंकाई पुरुष टीम के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया जिसने 2002 में कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ नौ विकेट पर 509 रन बनाए थे।

अब कोच की भूमिका में नजर आएगें रिकी पोंटिंग

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड अब अमेरिकी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दूसरे सत्र में खेलेंगे। अब सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया का कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं है। इसी का लाभ उठाते हुए हेड ने अमेरिकी लीग में खेलने का फैसला किया है। हेड का कहना है कि वह मेजर लीग में वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से खेलेंगे। हेड के अलावा इसमें ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ फ्रीडम भी खेलेंगे। टीम के नए कोच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग रहेंगे। पोंटिंग को इस लीग के लिए ग्रेग शिपर्ड की जगह कोच बनाया गया है। फ्रीडम की ओर से न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र भी खेलेंगे। टीम ने 2023 सत्र के लिए माकर जेन्सन और अकील होसेन जैसे दो विदेशी खिलाड़ियों को भी रखा है। इस लीग में एडम जम्पा लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स, स्पेंसर जॉनसन नाइट राइडर्स और टिम डेविड एमआई न्यूयार्क भी खेलेंगे। शामिल हो गए हैं। उन्होंने एमएलसी के दूसरे सत्र के लिए अनुबंध की पुष्टि की है।

गुस्साएं राहूल द्रविड़ ने क्यों कहा.....ये मेरे उसूलों के खिलाफ

नई दिल्ली । टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद बढ़ाया गया था। इस टी20 विश्व कप के बाद उनका यह कार्यकाल खत्म हो जाएगा। सोशल मीडिया पर कोच द्रविड़ के लिए विश्व कप जीतने को लेकर कैंपेन चलाया जा रहा है। फैंस उनके लिए टूर्नामेंट का खिताब जीतने के लिए यह कैंपेन चला रहे हैं। लेकिन द्रविड़ इस बात से नाराज दिख रहे है। द्रविड़ ने कहा कि मैं जिस तरह का इंसान हूं, यह बिल्कुल उसके खिलाफ है। मैं इस तरह की चीजों में यकीन नहीं रखता कि किसी के लिए कोई ट्रॉफी जीतो। मुझे किसी की कही बात याद आती है कि जब पूछा गया, आप एवरेस्ट क्यों चढ़ना चाहते हैं, तब जवाब मिला। मुझे एवरेस्ट चढ़ना है क्योंकि वह वहीं है।

कैफ ने कोहली का समर्थन किया, कहा- धोनी का भी 2011 में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने विश्वास व्यक्त किया है कि विराट कोहली एमएस धोनी जैसा वीरतापूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जैसा उन्होंने 2011 वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में किया था। कैफ ने कोहली के मौजूदा फॉर्म और 2011 विश्व कप में धोनी के सफर के बीच तुलना की। उन्होंने प्रशंसकों को याद दिलाया कि धोनी ने एक असाधारण टूर्नामेंट नहीं खेलने के बावजूद श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मौके का फायदा उठाया, नाबाद 91* रन बनाए और लॉन्ग ऑन पर एक यादगार छक्का लगाकर जीत सुनिश्चित की। कैफ ने सुझाव दिया कि कोहली, जिन्होंने अभी तक इस टूर्नामेंट में कोई खास प्रदर्शन नहीं किया है, उनमें धोनी के वीरतापूर्ण प्रदर्शन की नकल करने की क्षमता है। कैफ ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'विराट कोहली को यह याद रखना चाहिए कि 2011 में धोनी का भी विश्व कप अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल कर ली। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, जो गेंद को अपनी योग्यता के अनुसार खेल सकते हैं और किसी भी गेंदबाजी आक्रमण पर हावी हो सकते हैं। कुलसेकरा की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर धोनी का छक्का सभी के दिमाग में बसा हुआ है। इसलिए मुझे लगता है कि विराट कोहली के पास हीरो बनने का शानदार मौका है।' पिछले आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के लिए अहम भूमिका निभाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं। हालांकि कैफ ने उन्हें वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके शानदार शतक की याद दिलाई और कोहली को उस पारी से आत्मविश्वास लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, 'उन्हें यह भूल जाना चाहिए कि वह खराब फॉर्म में हैं। उन्होंने तब शतक लगाया था, जब भारत ने आखिरी बार वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उस दिन वह शानदार थे और उन्होंने बहुत अच्छा खेला, लेकिन वह उस दिन शानदार प्रदर्शन नहीं कर रहे थे, बल्कि उचित क्रिकेट शॉट्स के साथ गेंद को योग्यता के अनुसार खेल रहे थे।'

रोहित शर्मा हमें न सिखाएं कि क्या कहना है और क्या नहीं

-टीम इंडिया के कप्तान के बयान से इंजमाम-उल-हक नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के गेंदबाजों पर गेंद से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक को रोहित शर्मा ने अपने दिमाग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। रोहित के इस बयान पर इंजमाम बहुत नाराज हुए। उन्होंने टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पर तीखे हमला करते हुए कहा है कि वह उन्हें न सिखाएं कि क्या कहना है और क्या नहीं।

बता दें कि इंजमाम ने टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्शदीप सिंह द्वारा फेंके गए 15वें ओवर में मिल रही गेंद रिवर्स-स्विंग पर सवाल उठाए थे। टीम इंडिया की 24 रनों से जीत के बाद इंजमान ने दावा किया था कि गेंद पर गंभीरता से काम किया गया, लेकिन रोहित ने धूप में रिवर्स-स्विंग की बारीकियां बताईं। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले इंजमाम के आरोपों पर कहा

था कि यहां के विकेट काफी शुष्क हैं। सभी टीमों को रिवर्स स्विंग मिल रही है। आपको अपना दिमाग खुला रखने की जरूरत है। यह ऑस्ट्रेलिया नहीं है।

इंजमाम ने कहा कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को कुछ नहीं सिखाते जिसने वास्तव में दुनिया को सिखाया हो। उसे बताएं कि ये बातें कहना सही नहीं है। हम निश्चित रूप से अपने दिमाग का इस्तेमाल करेंगे लेकिन पहली बात यह है कि रोहित स्वीकार ने किया कि ऐसा हो रहा है। तो इसका मतलब है कि हमने जो देखा वह सही है।

दूसरी बात रोहित शर्मा को हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि रिवर्स स्विंग कैसे काम करती है, कितनी धूप में काम करती है। मैंने अंपायरों को केवल सुझाव दिया था कि अपनी आंखें खुली रखें क्योंकि 15वें ओवर में गेंद घूम रही थी और मैं अभी भी अपनी बात पर अडिग हूं। मैं उनसे फिर कहूंगा अपनी आंखें खुली रखें। क्या हो रहा है?

इंजमान की बात का पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलीम मलिक ने भी समर्थन किया है। हालांकि उक्त मामले पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि इस मामले को रिपोर्टर को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं थी। हालांकि सहवाग ने यह भी कहा कि अगर वह रोहित की जगह होते तो ऐसी किसी भी टिप्पणी से बचते। बता दें कि भारत टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंच चुका है और आज 29 जून को बारबाडोस में ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका के साथ फाइनल मैच खेलेगा।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल कराने के लिए आईओए का किया समर्थन

नयी दिल्ली । खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के प्रस्ताव का समर्थन किया है। मांडविया ने एक बयान में कहा ,'' योग की अप्रतिम लोकप्रियता को देखते हुए इसे प्रतिस्पर्धी खेलों का दर्जा देकर एशियाई खेलों में शामिल किया जाना चाहिये।'' उषा ने एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह को 26 जून को पत्र लिखकर योग को एक खेल के रूप में एशियाई खेलों में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मांडविया ने कहा ,'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किये जाने के लिये काफी मेहनत की है। योग को लोकप्रिय बनाने में भारत अग्रणी रहा है और हमने इसे खेलो इंडिया युवा खेलों में प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया।

ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से सात जुलाई को पेरिस रवाना होंगी चानू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारोत्तोलक मीराबाई चानू की नजरें अब आगामी पेरिस ओलंपिक खेलों पर लगी हुई हैं। चानू ने पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था और इस बार उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना रहेगा। इसी कारण हालत से तालमेल बिठाने के साथ ही अभ्यास के लिए सात जुलाई को पेरिस जा रही है। वह वहां एक महीने तक अभ्यास करेंगे। ओलंपिक में उनका मुकाबला सात अगस्त को होगा।

चानू ने कहा कि वह इन खेलों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। वह ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की अकेली भारोत्तोलक है। 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए अपनी फिटनेस बनाये रखने पर ध्यान दे रही हैं।

इस खिलाड़ी ने कहा, 'पेरिस को लेकर उत्साहित हूं हालांकि थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल टोतोक्यो ओलंपिक के बाद हालात बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है पर अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं।

चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का रहा है। वह चोटों के साथ ही पीठ की समस्या के बाद भी इन खेलों की तैयारी करती रही हैं। एशियाई खेलों में वह कूल्हे

की चोट से परेशान थीं जिसके कारण वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। चोटों से उबरना उनकी बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि वह धीरे-धीरे वजन उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है।

मीराबाई ने कहा, 'मैं धीरे-धीरे वजन उठाने की अपनी क्षमता को बढ़ा रही हूं। अभी मैंने 80-85 फीसदी फिटनेस हासिल कर ली है और अभ्यास के दौरान स्नैच में 70 से 80 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 100 से 110 किग्रा का भार उठा रही हूं। हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे। उन्होंने अपने भार उठाने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'इस बारे में कुछ कहना कठिन पर मेरी कोशिश स्नैच में 90 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में पहले से बेहतर प्रयास करना रहेगा।

11 जुलाई से शुरु होगी ... यूपी कबड्डी लीग

नोएडा । 11 से 25 जुलाई तक नोएडा सेक्टर 21ए स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम में यूपी कबड्डी लीग की शुरूआत हो रही है। इस बार आपको कोई भी मुकाबला देखने के लिए कोई फीस नहीं देनी पड़ेगी। कबड्डी के शौकीन लोग अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ मिलकर कबड्डी देखने हर रोज जा सकते हैं। इस कबड्डी लीग में यूपी-मुंबई सहित कई टीमें अपना दमखम दिखाएँगी। इस बार यूपी कबड्डी लीग ने नए खिलाड़ियों को प्लेटफार्म दिया है। जिन लोगों को खेलने के लिए कोई प्लेट फार्म नहीं मिल रहा था या फिर अपने सपने को समेटे घर बैठे थे, उन कबड्डी खिलाड़ियों को यूपी कबड्डी लीग ने उतारा है। जो अपना दमखम सबके सामने दिखाएंगे। बता दें कि प्रोग्राम के बारे में यूपीकेएल के संस्थापक संभव जैन और एकेएफआई के संयुक्त सचिव और यूपी कबड्डी एसोसिएशन के सदस्य विनय कुमार सिंह के साथ यूपीकेएल के स्पोर्ट्स एंबेसडर राहुल चौधरी ने बताया कि यह प्रतियोगिता कबड्डी खिलाड़ियों के लिए पेशेवर स्तर पर प्रदर्शन और अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण स्थान देने जा रही है। इसके पहले यूपी कबड्डी लीग ने ट्रॉफी को यूपी के 20 से अधिक प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, झांसी, आगरा, मथुरा, नोएडा जैसे शहरों में प्रदर्शित किया।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलते दिखेंगे युवराज सिंह और हरभजन सहित कई दिग्गज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह, हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित कई दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे। युवराज अगले माह जुलाई में इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में 'इंडिया चैंपियंस की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियों की टीमें हिस्सा लेगी।

'इंडिया चैंपियंस टीम में युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज क्रिकेटर शामिल हैं। भारतीय टीम अपने मुकाबले एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर में खेलेगी। टीम की जर्सी के अनावरण के अवसर पर टीम के मालिकों के साथ पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा भी मौजूद थे।

रैना ने इस मौके पर कहा कि वह 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो अच्छा करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड में पाकिस्तान का सामना करने का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है पर दिल से कभी क्रिकेट नहीं हटेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए 'इंडिया चैम्पियंस की टीम इस प्रकार है

युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी।

प्रज्ञानानंदा ने सुपरबेट क्लासिक टूर्नामेंट के तीसरे दौर में गुकेश से ड्रा खेला

बुकारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गये। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रोबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुकेश अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। दोनों के दो अंक हैं। कारूआना ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसतारोव से ड्रा खेला। मैक्सिम वाचियर लाग्रेव ने अलीरेजा फिरौजा से अंक बांटे। इससे वाचियर लाग्रेव, प्रज्ञानानंदा, अलीरेजा, वेस्ले सो, अनीष गिरी और इयान नपोमनियाच्ची 1.5 अंक लेकर संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं।

दिल्ली में बारिश ने बरपाया कहर अब अगले कुछ दिनों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया ये अलर्ट

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में बीते दो दिनों से मेघ बरस रहे हैं। बारिश से लोगों को गर्मी से तो राहत मिली है लेकिन इसने जलजमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति भी पैदा कर दी है। शहर में 88 वर्षों की रिकॉर्ड तोड़ बारिश के साथ मानसून ने दस्तक दी है। वहीं, यहां अगले दो दिनों में भारी बारिश की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग अगले चार दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा दिल्ली में पूरे दिन मध्यम से भारी बारिश की संभावना है, रविवार तथा सोमवार को और अधिक भारी बारिश होने का अनुमान है।'' दिल्ली के रोहिणी और बुराड़ी सहित कई इलाकों में सुबह के समय बारिश हुई। दोपहर बाद भी शहर में कई जगह बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले सात दिन गरज के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान किया है। आईएमडी के अनुसार, एक दिन में 7.6 से 35.5 मिलीमीटर के बीच वर्षा मध्यम वर्षा की श्रेणी में आती है, और एक दिन में 64.5 से 124.4 मिमी के बीच वर्षा भारी वर्षा कहलाती है। इसने कहा कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आर्द्रता का स्तर 80 प्रतिशत रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई सुबह नौ बजे तक 108 के साथ मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई।

कोर्ट का आदेश, 6 जुलाई को हाजिर हो....राहुल गांधी

रांची । मोदी सरनेम को लेकर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को रांची के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में हाजिर होना होगा। कोर्ट ने केस में चार्ज फ्रेम करने पर बहस के लिए 6 जुलाई की तारीख तय की है। कानूनी प्रावधानों के अनुसार, इस दौरान बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट में राहुल गांधी की निजी तौर पर उपस्थिति जरूरी होगी। यह केस रांची के लालपुर निवासी एडवोकेट प्रदीप मोदी ने 23 अप्रैल 2019 को दर्ज कराया था। सिविल कोर्ट में दर्ज शिकायत के अनुसार,राहुल गांधी ने रांची में चुनावी सभा में कहा था कि मोदी सरनेम वाले सभी लोग चोर होते हैं। शिकायत में कहा गया है कि राहुल गांधी की इस टिप्पणी से पूरा मोदी समाज आहत हुआ है। इसकारण उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। रांची सिविल कोर्ट ने मामले को 30 सितंबर 2021 को एमपी एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया। इस पर राहुल ने याचिका दाखिल कर उपस्थिति से छूट मांगी, जिसे सुनवाई के बाद अदालत ने पहले ही खारिज कर दिया है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट...4 की मौत

चेन्नई । तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद 4 श्रमिकों की मौत हुई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल होना बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इकाई के नजदीक मौजूद एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने बताया कि पटाखा निर्माण इकाई की इमारत को भी इस घटना में नुकसान पहुंचा है।

प्रज्वल रेवन्ना को नहीं मिल रही राहत, 8 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) की एक अदालत ने आज (29 जून) को सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी पूर्व जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को 8 जुलाई (सोमवार) तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। प्रज्वल को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अदालत में पेश किया क्योंकि उसकी पुलिस हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई थी। प्रज्वल के वकील ने कहा कि बीमारी की पृष्ठभूमि में प्रज्वल को एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। हालाँकि, अदालत ने उन्हें जेल अधिकारियों को इस संबंध में एक याचिका प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि अगर जेल अधिकारी अनुमति देंगे तो मामले की सुनवाई सोमवार को की जायेगी। प्रज्वल को बेंगलुरु के बाहरी इलाके परप्पाना अग्रहारा के केंद्रीय कारागार में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने प्रज्वल को उसके खिलाफ दर्ज चौथे यौन मामले के सिलसिले में अपनी हिरासत में लिया था। प्रज्वल के भाई जद (एस) एमएलसी सूरज रेवन्ना को भी जद (एस) पुरुष कार्यकर्ताओं द्वारा दर्ज किए गए जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध के मामले में गिरफ्तार किया गया था और आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा उनकी जांच की जा रही है। उनके पिता एचडी रेवन्ना, जद (एस) विधायक, को जेल हुई और सशर्त जमानत पर रिहा कर दिया गया। सेक्स वीडियो स्कैंडल से जुड़े अपहरण के एक मामले में मां भवानी रेवन्ना भी सशर्त जमानत पर बाहर हैं।

अरुणाचल में लगातार बारिश से भूस्खलन, सड़क संपर्क टूटा

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश से भूस्खलन के बाद सड़कों से संपर्क टूट गया है। पश्चिम सियांग जिले के आलो से शियोमी जिले में मेचुखा तक की एक प्रमुख सड़क रोइंग और पेने गांव के बीच क्षतिग्रस्त हो गई। शियोमी जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। सीमा सड़क संगठन ने सड़क से मलबा हटाने का काम शुरु कर दिया है और मशीनों की मदद ली जा रही। यदि मौसम सही रहा तो शनिवार शाम तक हल्के मोटर वाहनों के लिए सड़क को खोल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सियांग जिले के तारक गांव के पास पासीघाट-पंगिन-आलो सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते कई वाहन फंस गए हैं। ईटानगर में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग-415 के किनारे अवैध निर्माण के खिलाफ एक अभियान चलाया है। इन अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया है जो नालियों को अवरुद्ध कर रहे थे।

बिजली गिरने से महिला समेत चार की मौत, मवेशी भी हुए शिकार

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं चार बकरियां भी इसका शिकार हुई हैं। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक किशनपुर थाना क्षेत्र के झुरहापुर मजरे गढ़ा गांव निवासी रामकृपाल की पत्नी कैरी देवी (50) बकरियां को चराने गई थी। इस दौरान अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। बारिश से बचने महिला पेड़ के नीचे छिप गई, तभी गरज और चमक के साथ उस पर बिजली गिर गई। इस हादसे में महिला की झुलसने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खेतों में चर रहीं चार बकरियां भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। उधर, गाजीपुर थाना क्षेत्र के देवलान गांव निवासी कैलाश पुत्र रामपाल (48) और 42 वर्षीय सीताराम अपने-अपने मवेशियों को लेकर चराने जंगल गए थे। इस बीच आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। एक साथ दो मौतों से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं गांव में मातम छा गया। इसी तरह सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के अस्तुपुर गांव में अचानक बारिश के बीच गाज गिरने से एक 16 वर्षीय किशोरी की भी मौत हो गई। बिजली के कहर के शिकार इन सभी शवों को संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली ही नहीं अन्य देशों में भी हुए हवाई अड्डों पर छत गिरने के हादसे

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल एक की छत गिरने से एक शख्स की मौत और लगभग आठ लोगों के घायल हो गए। ऐसे खतरनाक और दुखदायी हादसे भारत ही नहीं, दुनिया भर में हुए हैं। जर्मनी के कोलोन बॉन हवाई अड्डे पर टर्मिनल पर 25 दिसंबर 2008 में हुई घटना याद करके रुह कांप जाती है। एक भयानक हादसे में जहां टर्मिनल 25 की छत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। भारी बर्फबारी के कारण यह हुआ। टर्मिनल हाल ही में बनाया गया था और इसके डिजाइन में स्पष्ट रूप से भारी बर्फ जमा होने के वजन को ध्यान में नहीं रखा गया था। भारी बर्फबारी के कारण ऐसा हुआ। राहत की बात यह रही ?कि हवाईअड्डा खुलने से पहले सुबह-सुबह यह हादसा हुआ, वरना कई लोगों की जान जाने का खतरा था।

स्टॉलिन ने पीएम समेत 8 सीएम को लिखा पत्र बोले- हर हाल में बंद हो नीट परीक्षा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को एक बार फिर केंद्र सरकार से राज्य को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा से छूट देने और राष्ट्रीय स्तर पर इस परीक्षा को समाप्त करने की मांग की है। तमिलनाडु को नीट से छूट देने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए चयन प्रक्रिया केवल 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर होनी चाहिए न कि इसके लिए अलग से प्रवेश परीक्षा कराई जानी चाहिए क्योंकि इससे छात्रों पर अधिक तनाव पड़ता है।

इसके साथ ही स्टालिन ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लिखे पत्र में कहा, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितताओं की हालिया घटनाओं ने

देश में मेडिकल कोर्स करने के इच्छुक कई मेहनती उम्मीदवारों के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। यह व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्र के गरीब युवाओं को मेडिकल में स्नातक करने के सपने पूरे करने से भी वंचित कर रही है। इसके अलावा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को लिखे अलग-अलग पत्रों में स्टालिन ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी-अपनी विधानसभाओं में नीट परीक्षा को समाप्त करने के लिए इसी तरह का प्रस्ताव पारित करने पर विचार करें। उन्होंने लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी पत्र लिखकर तमिलनाडु को नीट परीक्षा से छूट देने की मांग पर उनका समर्थन मांगा है।

राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार

स्टालिन ने अपने पत्र में कहा, हमने तमिलनाडु में नीट परीक्षा न कराने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रदान करने के लिए अपनी विधानसभा में सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया था। इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया है, लेकिन अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु विधानसभा ने उपरोक्त बताई गई मांग के संबंध में आज विधानसभा में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें केंद्र सरकार से आग्रह किया गया कि वह तमिलनाडु को नीट से छूट देने के लिए विधेयक पर अपनी सहमति जताए और राष्ट्रीय स्तर पर इस चयन प्रक्रिया को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम में संशोधन करे।

सोरेन, केजरीवाल बेकसूर... मोदी और शाह के इशारे पर परेशान किया जा रहा : संजय राउत

मुंबई। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर शिवसेना यूबीटी के राज्य सभा सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। राउत ने कहा कि कोर्ट में ईडी सबूत नहीं दे पा रही है। इस देश की एजेंसी मोदी और शाह की प्राइवेट एजेंसी बन गई है। उनके इशारे पर जांच होती है। राउत ने कहा कि हेमंत सोरेन के मामले में यही हुआ है। केजरीवाल भी निर्दोष हैं। राउत ने अपने मामले का जिक्र कर कहा कि अनिल देशमुख भी निर्दोष है। इसकारण कोर्ट भी मान रही है कि ईडी की कार्रवाई परेशान करने के लिए हैं। इतना ही नहीं सांसद राउत कहा कि दिल्ली सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन भी निर्दोष हैं। राउत ने कहा कि ईडी और सीबीआई ने 10 साल में जितने भी नेताओं को गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ एजेंसियों को कोई सबूत नहीं मिले हैं। मैं इसका उदाहरण हूं। अनिल देशमुख के खिलाफ कोई सबूत नहीं है, केजरीवाल जी को पकड़ा है, कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है, आप उन्हें परेशान कर रहे हैं। सोरेन के बारे में भी यही कहा है। इस देश की एजेंसी मोदी-शाह की प्राइवेट एजेंसी बन गई है। हेमंत सोरेन बेकसूर थे।

कांग्रेस का आरोप, क्या नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है मोदी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और एनडीए सरकार के बीच नीट विवाद को लेकर तीखी नोकझोंक देखने में मिली। इस पर कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। लोकसभा में नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए सभी विधायी गतिविधियों को स्थगित करने की कांग्रेस की मांग के कारण सदन में हंगामा हुआ, जिसके कारण स्पीकर ओम बिरला को कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि भाजपा के लोग सदन की मर्यादा का पालन नहीं कर रहे हैं। अगर राहुल गांधी नीट पर एनडीए सरकार के सहयोग की बात करते हैं, तो क्या ये अराजकता है, क्या उनका माइक बंद किया जाना चाहिए। 24 लाख बच्चों के भविष्य की बात है। करोड़ों परिवार उनके साथ जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि क्या मोदी सरकार नकल, कोचिंग और शिक्षा माफिया को बचाना चाहती है। क्या संसद में नीट का मुद्दा उठाना गलत है। छात्रों की आवाज उठाना क्या गलत है। अगर ये अराजकता हैं, तब राहुल गांधी इस तरह की अराजकता बार-बार करने वाले हैं। कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा, सत्ता पक्ष को समझना चाहिए कि अराजकता क्या होती है। अराजकता माइक बंद करना है। अराजकता अभिमान से बात करना है और प्रतिपक्ष को सम्मान न देना है। अराजकता नीट के बच्चों के साथ खिलवाड़ करना है।

भाजपा सांसद डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी की ओर से नेहरू के मुकाबले पीएम मोदी को अतुलनीय पीएम बताने पर राजपूत ने कहा कि सुधांशु पीएम मोदी की चाटुकारिता नहीं करेंगे, तब किसी की करेंगे। वे मोदी जी की कृपा पर हैं, यही लोकतंत्र का दुर्भाग्य है। अगर आप ऐसी बातें करते हैं, तब योग्यता के दम पर नहीं, चाटुकारिता से राज्यसभा की सीट पाते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, नेहरू ने देश को स्वावलंबी बनाया। उन्होंने आईआईटी की स्थापना की। इसरो की स्थापना की। तमाम पीएसयू बनाए। किस बात की तुलना कर रहे हैं। नेहरू ने देश के संसाधन बनाए और पीएम मोदी ने इन संसाधन को बेचा। ओपी राजभर का वीडियो सामने आने के बाद राजपूत ने कहा कि उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर जेल में डालना चाहिए। अगर योगी सरकार ऐसा नहीं करती हैं, तब ये माना जाएगा कि सरकार भी इसमें शामिल है।

हरियाणा में 50 एकड़ में बनेगी फोरेंसिक साइंस प्रशिक्षण और प्रयोगशाला : अमित शाह

एजेंसी

चंडीगढ़ : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हरियाणा में फोरेंसिक विज्ञान में प्रशिक्षण और प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाओं के लिए लगभग 50 एकड़ में स्थापित किए जाने वाले उत्कृष्टता केंद्र में एक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना करने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि केंद्र सरकार इसकी स्थापना के लिए पूरी व्यवस्था करेगी। अमित शाह शनिवार को पंचकूला में चिह्नित अपराध मामलों के लिए फोरेंसिक विज्ञान में प्रशिक्षण और प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाओं में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना हेतु हरियाणा सरकार तथा राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह में बोल रहे थे। अमित शाह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह को सुझाव देते हुए कहा कि इस केंद्र की प्लानिंग के दौरान यहां एक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित करने पर ध्यान दिया जाए। इसके साथ-साथ यहां एक हॉस्टल भी बनाया जाए, ताकि यहां पर पुलिस के अधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस उत्कृष्टता केंद्र से आने वाले दिनों में हरियाणा में क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में आमूलचूल परिवर्तन होगा। इतना ही नहीं, यह केंद्र उत्तर भारत के लिए एक बड़ा ट्रेनिंग केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने आज नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के साथ जुड़कर क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए वैज्ञानिक आकार देने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि एनएफएसयू यूनिवर्सिटी वर्तमान में 9 राज्यों में अपना कैंपस स्थापित कर चुकी है। केंद्रीय कैबिनेट ने अभी प्रस्ताव पास किया है, जिसके तहत लगभग 16 राज्यों में यूनिवर्सिटी अपने कैंपस पहुंचाने का काम करेगी। इस अवसर पर केंद्रीय ऊर्जा, हाउसिंग एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2022 में सूरजकुंड में इस केंद्र की स्थापना की परिकल्पना रखी गई थी और आज इस एमओयू के माध्यम से इस परिकल्पना को मूर्त रूप प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में केवल एक फॉरेंसिक साइंस लैब थी, जो आज बढ़कर चार हो चुकी हैं। अब नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी का कैंपस यहां होगा तो पीड़ितों को न्याय जल्द मिल सकेगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना से हरियाणा प्रदेश को क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत बड़ा लाभ मिलने वाला है। नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. जेएम व्यास ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना से हरियाणा की फोरेंसिक कैपेबिलिटी बढ़ने जा रही है। इससे पूरे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, महानिदेशक अभियोजन संजय हुड्डा, हिपा की महानिदेशक चंद्रलेखा मुखर्जी सहित अन्य गण्यमान्य अतिथि एवं जिला प्रशासन के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

नीतीश का ऐलान, अब हमेशा एनडीए गठबंधन का रहेंगे हिस्सा

-जेडीयू ने सांसद संजय झा को बनाया पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष

पटना (एजेंसी)। बिहार में सत्तारुढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रहे जनता दल युनाइटेड ने आज अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अहम फैसले लिए। बिहार के सीएम और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि सांसद संजय झा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। इसके अलावा पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समक्ष नीतीश कुमार ने ऐलान किया कि वह अब हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे।

माना जा रहा है कि नीतीश के इस ऐलान से उन अटकलों पर विराम लग गया है जिसमें दावा किया जा रहा था कि वह दोबारा इंडिया गठबंधन में लौटने

की राह तलाश रहे हैं। बैठक के बाद पार्टी प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने घोषणा की है कि अब वे हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार हाईकोर्ट द्वारा रोके गए आरक्षण को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

उन्होंने यह कहा कि राज्यसभा सांसद संजय झा को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने बिहार को विशेष दर्जा या विशेष वित्तीय पैकेज देने की केंद्र सरकार से मांग की है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जद (यू) ने पेपर लीक मामले के आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए संसद में कठोर कानून बनाने की भी मांग की है।

बता दें कि दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, रामनाथ ठाकुर बिहार और अन्य राज्यों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक में हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के विश्लेषण के साथ ही 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।

बंधन बैंक ने शुरू की डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन की सुविधा

नई दिल्ली : बंधन बैंक ने घोषणा की है कि वह ऑनलाइन डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन की शुरूआत कर रहा है। यह सुविधा बंधन बैंक के ग्राहकों के साथ-साथ गैर-ग्राहकों के लिए भी होगी, जिसका लाभ बंधन बैंक की सभी शाखाओं में लिया जा सकता है। बैंक अब आयकर के टीआईएन 2.0 प्लेटफॉर्म के माध्यम से डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन करेगा। आरबीआई द्वारा नियुक्त एजेंसी बैंक के रूप में, बंधन बैंक 1700 से अधिक शाखाओं के माध्यम से डायरेक्ट टैक्स का ऑफलाइन भुगतान भी स्वीकार करेगा। इस लाइसेंस के तहत, बंधन बैंक के ग्राहक अब बैंक के रिटेल इंटरनेट बैंकिंग, कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग और पेमेंट गेटवे (डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग) के माध्यम से अपने डायरेक्ट टैक्स का भुगतान बड़ी आसानी से कर सकते हैं। वे नकद, चेक या डिमांड ड्राफ्ट के जरिये भी बैंक की किसी भी शाखा में टैक्स का भुगतान कर सकते हैं। यह सेवा देश भर में बंधन बैंक के ग्राहकों और गैर-ग्राहकों को डायरेक्ट टैक्स जमा करने में होने वाली परेशानी से मुक्त करेगी।

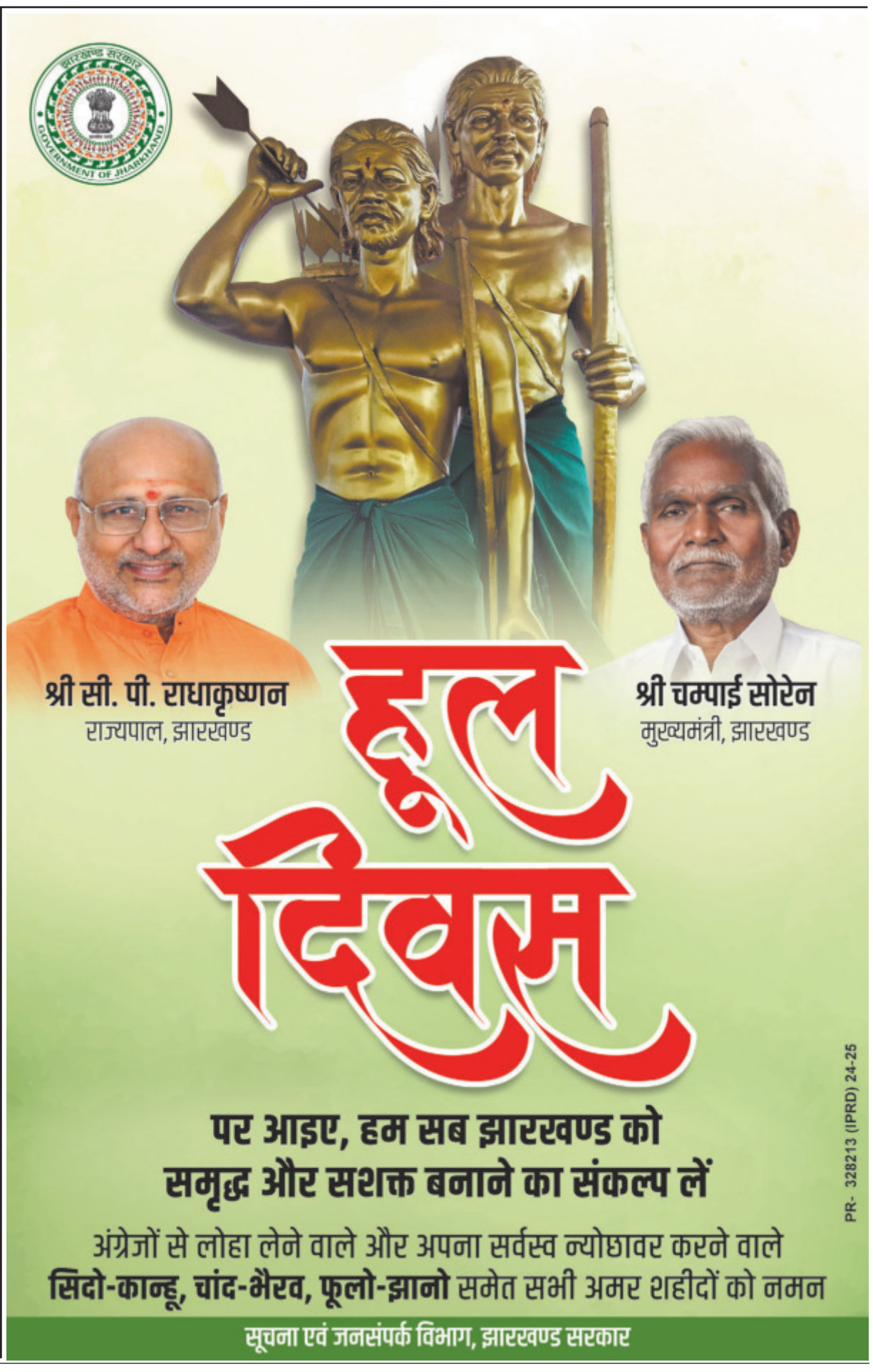

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**